KIRAN INSTITUTE OF CAREER EXCELLENCE

Don't Forget to collect SCRATCH CARD Given Inside

SSC
सामान्य अध्ययन
(GENERAL AWARENESS)
CHAPTERWISE & TYPEWISE
सॉल्वड पेपर्स
1997–अब तक

SSC द्वारा आयोजित विभिन्न स्नातक स्तर (CGL Tier-I), CPO DP SI & Constable, 10+2 (CHSL) स्टेनोग्राफर 'C' एवं 'D', मैट्रिक स्तर (MTS एवं कांस्टेबल GD), FCI, आदि परीक्षाओं का अध्यायवार विस्तृत व्याख्या सहित संकलन

14000+ Objective Questions

लगभग सभी प्रश्नों के व्याख्या सहित उत्तर

पूर्णतः संशोधित संस्करण

SSC GENERAL AWARENESS
Chapterwise & Typewise
सॉल्वड पेपर्स

14000+ Questions
(BOOK + ONLINE)

PRACTICE ONLINE ALL 22 CHAPTER QUESTIONS

Online Test Series will cover Questions For the Following Exams

SSC CGL

SSC CPO

SSC CHSL

SSC CONSTABLE

SSC STENOGRAPHER

www.kicx.in

KIRAN INSTITUTE OF CAREER EXCELLENCE

SSC

सामान्य अध्ययन

(GENERAL AWARENESS)

CHAPTERWISE & TYPEWISE

सॉल्वड पेपर्स

1997 से अब तक

SSC द्वारा आयोजित विभिन्न (स्नातक स्तर, 10+2, मैट्रिक स्तर, FCI, दिल्ली पुलिस SI आदि) परीक्षाओं का अध्यायवार संकलन

SSC स्नातक स्तरीय परीक्षा–संयुक्त स्नातक स्तर प्रारम्भिक परीक्षा, सीपीओ सब-इंस्पेक्टर, सेक्शन ऑफिसर (ऑडिट), टैक्स असिस्टेंट, सेक्शन ऑफिसर (कमर्शियल ऑडिट), सांख्यिकी अन्वेषक, संयुक्त स्नातक स्तर टायर-I & II, लेखा सेवा प्रशिक्षु (SAS), CISF ASI, CPO ASI एवं Intelligence officer, FCI, Delhi Police SI आदि।

SSC 10+2 स्तरीय परीक्षा-डाटा एंट्री ऑपरेटर एवं एलडीसी तथा पीए/एसए आदि।

SSC मैट्रिक स्तरीय परीक्षा–मैट्रिक स्तरीय तथा मल्टी टास्किंग (नन-टेक्निकल) स्टॉफ, CISF कांस्टेबल (GD), कांस्टेबल (GD) तथा राइफलमैन (GD) आदि।

15000+ Objective Questions

KIRAN INSTITUTE OF CAREER EXCELLENCE PVT. LTD.
RU-67, PITAMPURA, DELHI-110034, Ph : 9821874015, 9821643815

© KIRAN INSTITUTE OF CAREER EXCELLENCE PVT. LTD.

NEW EDITION

The copyright of this book is entirely with the Kiran Institute of Career Excellence Pvt. Ltd. The reproduction of this book or a part of this will be punishable under the Copyright Act

All disputes subject to Delhi jurisdiction.

Every possible effort has been made to ensure that the information contained in this book is accurate at the time of going to press, and the publishers and authors cannot accept responsibility for any errors or omissions, however caused. No responsibility for loss or damage occasioned to any person acting, or refraining from action, as a result of the material in this publication can be accepted by the editor, the publisher or any of the authors.

)

Reviewed by : **Think Tank of KIRAN INSTITUTE OF CAREER EXCELLENCE and KICX**

Assistance : ● **Ratnesh Kumar Singh** ● **Satyendra Singh** ● **Sanket Sah**

Design & Layout by : **KICX COMPUTER SECTION,** New Delhi.

Contact us :
Support@kicx2.com

For Online Test
Visit : kicx.in

For Latest Current Affairs
Visit : currenthunt.com

For Latest books of
Kiran Institute of Career Excellence
Visit : bookstree.in

पुस्तक के बारे में.......

अतीत की महत्ता घटती नहीं। इसे विस्मृत करना अक्सर आत्मघाती साबित होता है। अतीत का सूक्ष्म अवलोकन एवं उससे अर्जित अनुभव हमारे वर्तमान को संवारते हैं, इसे सजाते हैं। अतीत का सकारात्मक एवं सारगर्भित निष्कर्ष हमारा पथ प्रदर्शक बनता है, कमजोरियों को दूर कर लक्ष्य भेदन की सीख देता है। इसी तथ्य की मौलिकता को अंगीकार करते हुए एवं छात्र हित को सर्वोपरि रखते हुए **किरण इंस्टिट्यूट ऑफ कॅरियर एक्सिलेंस प्राइवेट लिमिटेड**, जो दशकों से उन सुधी पाठकों के लिए प्रतियोगी पुस्तकें एवं पत्रिकाएं प्रकाशित करता रहा है जो अपने सपने को साकार करने के लिए अहर्निश कठिन परिश्रम करते रहे हैं, ने अतीत के इन बहुमूल्य व अति उपयोगी प्रश्नों को संकलित कर पुस्तकीय रूप में संजोने का सार्थक प्रयास किया है। प्रस्तुत पुस्तक **"किरण इंस्टिट्यूट ऑफ कॅरियर एक्सिलेंस SSC सामान्य अध्ययन (GENERAL AWARENESS) CHAPTERWISE & TYPEWISE सॉल्वड पेपर्स"** की अपार लोकप्रियता एवं कई शिक्षण संस्थानों के शिक्षकगण, परीक्षार्थीगण तथा मित्रों के सुझाव को ध्यान में रखते हुए प्रश्नों की प्रकृति के अनुसार उन्हें TOPICWISE/TYPEWISE व्यवस्थित व वर्गीकृत किया गया है। इससे परीक्षार्थियों को प्रत्येक अध्याय को विविध Topics/Types के अनुसार पढ़ने, समझने एवं प्रैक्टिस करने में सुविधा प्राप्त होगी। इस संस्करण में SSC की वर्ष 2022 तक की लगभग सभी परीक्षाओं के 15,000 से अधिक प्रश्नों का समावेश किया गया है। नि:संदेह यह पुस्तक गागर में सागर की उक्ति को चरितार्थ करती है एवं पाठकों को स्वाध्याय (Self-Study) एवं स्वमूल्यांकन (Self-Assessment) का भरपूर मौका उपलब्ध कराती है। यह एक अतिशयोक्ति नहीं, परन्तु एक अकाट्य सत्य है। आधुनिक परिवेश की वैज्ञानिकता की उपेक्षा उचित नहीं। परिणामत: सुधी पाठकों की सुगमता व सहजता हेतु हमने इस पुस्तक के साथ Online सुविधा उपलब्ध कराया है। यह सुविधा बिल्कुल मुफ्त है। आप Visual प्रस्तुति से कठिन प्रश्नों के सरल हल प्राप्त करते हैं। बिल्कुल Classroom दृश्य का प्रत्यक्ष प्रकटीकरण।

सचमुच सामान्य अध्ययन एक अद्‌भुत विषय है। आज की किसी भी प्रतियोगिता परीक्षा को लें, चाहे वह शैक्षिक योग्यता हेतु प्रतियोगिता परीक्षा हो या सरकारी नौकरी हेतु प्रतियोगिता परीक्षा, सामान्य अध्ययन एक अनिवार्य घटक रहता ही है। सामान्य अध्ययन में पारंगत व निपुण छात्र ही परीक्षा की मेधा सूची में सर्वोच्चता के साथ नामांकित होते हैं। आप कर्मचारी चयन आयोग (Staff Selection Commission) द्वारा संचालित की जाने वाली परीक्षाओं यथा– SSC संयुक्त स्नातक स्तर, SSC 10+2 हायर सेकण्डरी LDC, DEO & PA/SA परीक्षा, SSC FCI असिस्टेंट ग्रेड परीक्षा, SSC CPO SI & Assistant Intelligence Officer परीक्षा, SSC Delhi Police SI परीक्षा के प्रश्न-पत्रों को देखें। प्रत्येक प्रश्न पत्र के संगत सामान्य अध्ययन विषय खण्ड को देखें। आप इन प्रश्न पत्रों में विज्ञान, इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र, भारतीय राजव्यवस्था एवं संविधान, खेलकूद, राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय घटनाएँ आदि की विशिष्ट उपस्थिति पाएंगे। वर्तमान में SSC ने लगभग सभी परीक्षाओं यथा-स्नातक स्तर हायर सेकण्डरी स्तर (10 + 2) एवं मैट्रिक स्तर आदि में सामान्य अध्ययन के पाठ्यक्रम में समरूपता ला दिया है।

एक सूक्ति है- पूर्व चलने के बटोही बाट की पहचान कर ले। यह एक सम्यक् दृष्टिकोण है। सामान्य अध्ययन के पाठ्यक्रम के विश्लेषण से यह तथ्य उभरता है कि पाठ्यक्रम को पूर्व की अपेक्षा समुचित परिवर्द्धन मिला है। प्रतियोगिता परीक्षाओं के अभ्यर्थियों के बीच प्राय: यह देखा जाता है कि वे जिस परीक्षा में शामिल हो रहे हैं उसमें पूछे जाने वाले विषय खंडों-गणित, तर्कशक्ति, अंग्रेजी आदि की तैयारी पर तो पूरा ध्यान देते हैं लेकिन सामान्य अध्ययन जैसे महत्वपूर्ण एवं व्यापक विषय को आवश्यकतानुसार समय नहीं देते। ऐसा करने वाले अभ्यर्थियों के विचार अलग-अलग हो सकते हैं। कुछ का सोचना यह होता है कि यह बहुत ही आसान विषय है, जबकि कुछ इसके विराट क्षेत्र को देखकर हिम्मत हार जाते हैं। लेकिन सच्चाई कुछ अलग है। सामान्य अध्ययन का विषय न तो इतना आसान है कि आप इसकी तैयारी चुटकी बजाते ही कर लें और न इतना कठिन ही है कि इसकी बेहतर तैयारी न की जा सके। आवश्यकता सिर्फ इस विषय के प्रति अपना दृष्टिकोण सकारात्मक बनाने की है। सामान्य अध्ययन का विषय क्षेत्र अत्यंत विस्तृत है, क्योंकि इसमें लगभग सभी विषय शामिल किए जा सकते हैं। लेकिन अगर इसका अच्छे मार्गदर्शन में सुनियोजित अध्ययन एवं अभ्यास किया जाए तो यह विषय प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफलता के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण कारक साबित हो सकता है।

संकलन का औचित्य

किरण इंस्टिट्यूट ऑफ कॅरियर एक्सिलेंस के सुविज्ञ चिंतक मंडल ने कर्मचारी चयन आयोग (SSC) द्वारा विगत वर्ष में संचालित विविध परीक्षाओं के सामान्य अध्ययन विषय के प्रश्नों का तर्कसंगत एवं सूक्ष्म विश्लेषण किया तथा Topicwise / Typewise विभाजन के लिए छात्रों एवं कोचिंग संस्थानों के सुझावों को स्वीकार किया। चिंतन एवं मंथन से कुछ महत्वपूर्ण सार निकले। एक

सर्वाधिक महत्वपूर्ण निष्कर्ष था–सामान्य अध्ययन के प्रश्न SSC की विगत परीक्षाओं के प्रश्नों के तेवर व कलेवर से सामंजस्य बैठाते हैं। दूसरा महत्वपूर्ण तथ्य परिलक्षित हुआ–सामान्य अध्ययन के प्रश्नों को हल करने में सहज बुद्धि (Common sense) के सुनियोजित अनुप्रयोग में तीक्ष्ण मानसिक प्रवीणता अनिवार्य है। प्रखरता सम्यक प्रयास का ही प्रतिफल है। हाथ कंगन को आरसी क्या ? **किरण इंस्टिट्यूट ऑफ कॅरियर एक्सिलेंस** ने इस भाव को अंगीकार करते हुए प्रस्तुत संकलन आपके समक्ष परोसने का परीक्षोपयोगी प्रयास किया है। प्रश्नों की मौलिकता एवं उनके मानक पर कोई संदेह नहीं है। ये प्रश्न लक्ष्योन्मुख पथ का निर्माण करते हैं। विचलन की लेशमात्र भी संभावना नहीं रह जाती।

पुस्तक की उपादेयता

विविध परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्नों की तीक्ष्णता, उनकी मारक क्षमता एवं पाठ्यक्रम का परास ये सभी मिलकर छात्रों के मनोमस्तिष्क को उद्वेलित करते हैं। सजग पाठकों की समस्या से हम परिचित हुए। उत्तरदायित्व का बोध हमारी प्रेरणा बना एवं इस पुस्तक की रचना संभव हुई। प्रस्तुत पुस्तक को 22 अध्यायों में वर्गीकृत किया गया है। लगभग प्रत्येक अध्याय में सामान्य अध्ययन के एक विहंगम अवलोकन को सरल व सुबोध भाषा में प्रस्तुत किया गया है तथा प्रश्नों को कई उपवर्गों (types) में विभाजित किया गया है ताकि पाठक प्रश्नों की विविधता से भलीभांति परिचित हो सकें। SSC की विगत परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर व्याख्यासहित दिए गए हैं। प्रश्नोत्तर की प्रामाणिकता, सटीकता एवं रोचकता पर विशेष ध्यान दिया गया है, ताकि परीक्षार्थी स्वयं मूल्यांकन कर सकें। स्पष्ट है, आप गुणवता युक्त प्रश्नों को हल करें तथा सफलता प्राप्त करें। ये प्रश्न आपको संगत परीक्षाओं के प्रश्न प्रारूप एवं उनकी प्रकृति से परिचित कराते हैं तथा अभ्यास को सरल एवं सुबोध बनाते हैं। इस प्रकार पथ की पहचान बनती है।

प्रस्तुत पुस्तक के प्रश्न मौलिक एवं इनका हल मानक एवं व्यापक है। इन प्रश्नों को हल कर आप भावी परीक्षाओं के प्रश्नों की रूप रेखा का निर्धारण कर सकते हैं। इस बात की पूरी संभावना है कि आलोच्य भावी परीक्षाओं के प्रश्न आपसे पूर्व परिचित हों। परिचित प्रश्नों को देखकर ही एक विद्यार्थी को मनोवैज्ञानिक लाभ मिलता है एवं उत्साह का सृजन होता है। अत: यह पुस्तक परीक्षार्थियों के महती दायित्व का सार्थक निर्वहन करती है। आप प्रत्येक परीक्षा के प्रत्येक विषयान्तर्गत पूछे गए Topicwise / Typewise प्रश्नों का अध्ययन करें, उन प्रश्नों को स्वयं हल करें एवं दिए गए संक्षिप्त उत्तर से अपने प्रदर्शन का स्वमूल्यांकन करें। संशय की स्थिति में व्याख्यासहित उत्तर की सहायता लें। आपके प्रयास को सम्यक् दिशा मिलेगी। विचलन नहीं, सिर्फ लक्ष्य भेदी प्रयास।

प्रतियोगिता परीक्षा को किसी परिधि में परिमित नहीं किया जा सकता, इसके आयाम को सीमित नहीं किया जा सकता। तनी हुई रस्सी पर चलना खतरे से खाली नहीं। अत: इस संदेह को दूर कर भयमुक्त एवं सफलतापरक तैयारी के लिए **"किरण इंस्टिट्यूट ऑफ कॅरियर एक्सिलेंस SSC "सामान्य अध्ययन (GENERAL AWARENESS) CHAPTERWISE & TYPEWISE सॉल्वड पेपर्स"** (परिवर्द्धित एवं संशोधित नवीनतम संस्करण) का अध्ययन अवश्य करें। इस पुस्तक में सोपान के पहले पायदान से शीर्ष पायदान तक के सूक्ष्मातिसूक्ष्म तथ्यों का सारगर्भित विवरण दिया गया है। यह पुस्तक पूर्णता का प्रतीक है एवं साथ ही प्रामाणिक एवं सफलतादायी है। इस पुस्तक में संकलित अधिसंख्य प्रश्न (15,000 से भी अधिक) एवं उनके व्याख्यासहित सटीक उत्तर आपकी तैयारी को मूर्त रूप देंगे। आप प्रश्नों का सतत् अभ्यास कर ठोस तैयारी कर सकते हैं। इस प्रकार यह पुस्तक सफलता का सोपान बन सकती है। बस, आप इस पुस्तक से गहरी मित्रता करें।

अंतत: यह पुस्तक SSC सहित कई अन्य प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफलता दिलाने के एक प्रयोग के रूप में संयोजित एवं संकलित की गई है तथा प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों/पाठकों को समर्पित है। पुस्तक की गुणवत्ता, प्रामाणिकता, उपयोगिता एवं दोष के संबंध में निर्णय करने का वास्तविक अधिकार आप पाठकों को ही है। विशेष सतर्क प्रयासों के बावजूद पुस्तक में कुछ कमियों तथा त्रुटियों के रहने की संभावना हो सकती है। अत: आप सुधी पाठकों से हमारा विनम्र अनुरोध है कि इस पुस्तक के अध्ययन के संबंध में सुझाव हमें अवश्य प्रेषित करें ताकि प्रस्तुत पुस्तक को और अधिक उपयोगी रूप दिया जा सके।

आगामी परीक्षाओं में स्वर्णिम सफलता की कामनाओं के साथ

(प्रकाशक)
Email : sanket2000_us@yahoo.com

कुछ महत्वपूर्ण तथ्य

कर्मचारी चयन आयोग (SSC)

(संयुक्त स्नातक स्तरीय)
Combined Graduate Level(CGL)
↓
CGL Tier I & Tier II
CAPFs SI & Delhi Police SI etc.

(संयुक्त हायर सेकण्डरी स्तर)
Combined Higher Secondary Level (CHSL)
↓
LDC & DEO and Stenographer 'C' & 'D'

(मैट्रिक स्तर)
Matric Level
↓
Multi Tasking Staff and Constable (GD)

- कर्मचारी चयन आयोग (SSC) पूरे भारत में संयुक्त स्नातक स्तरीय, संयुक्त हायर सेकेण्डरी स्तर तथा मैट्रिक स्तर की परीक्षाएं संचालित करता है।
- SSC द्वारा संचालित संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा दो चरणों - टियर-I तथा टियर-II में होती है। वर्ष 2022 से टियर-II में 150 प्रश्नों में से 25 प्रश्न सामान्य अध्ययन से तथा 20 प्रश्न कम्प्यूटर से पूछे जाएँगे।
- SSC द्वारा संचालित संयुक्त स्नातक स्तरीय टियर-I में 100 प्रश्नों में से 25 प्रश्न सामान्य अध्ययन से पूछे जाते हैं।
- SSC द्वारा संचालित संयुक्त हायर सेकेण्डरी स्तर परीक्षा CHSL (10+2) एक चरणीय होती है। इस परीक्षा में कुल 100 प्रश्नों में 25 प्रश्न सामान्य अध्ययन (General Awareness) से पूछे जाते हैं।
- SSC द्वारा संचालित मैट्रिक स्तर की मल्टी टॉस्किंग स्टाफ परीक्षा में 100 प्रश्नों में 25 प्रश्न तथा GD कांस्टेबल में 100 में 25 प्रश्न सामान्य अध्ययन (General Awareness) से पूछे जाते हैं।
- आजकल SSC की परीक्षाओं के सामान्य अध्ययन (General Awareness) विषयक प्रश्नों की प्रकृति/विविधता में परिवर्तन की संभावना बनी रहती है। फलत: सफलता या असफलता में सामान्य अध्ययन (General Awareness) विषय एक निर्णायक कारक (Deciding factor) साबित हो रहा है।

5 महत्वपूर्ण अध्याय

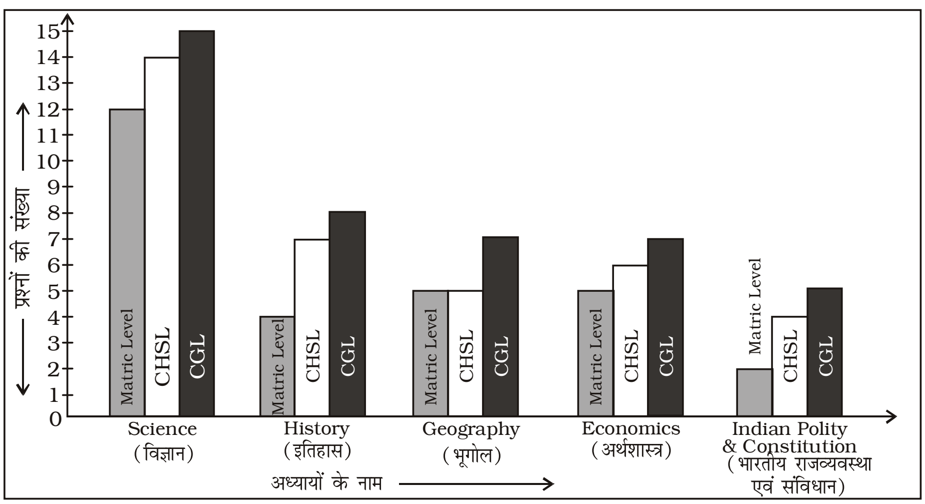

- SSC द्वारा संचालित विगत वर्षों (2011–2022) की परीक्षाओं में विज्ञान, इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र तथा भारतीय राजव्यवस्था एवं संविधान नामक अध्यायों से पूछे गए प्रश्नों का संयोजन निम्न वृत्त चार्ट द्वारा दर्शाया गया है। आप इनकी महत्ता का स्वनिर्धारण करें।

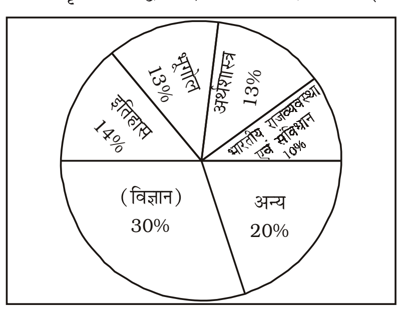

TOPICWISE DISTRIBUTION OF QUESTIONS ASKED IN THE SSC GRADUATE LEVEL (TIER-I, CPO, DP SI) EXAMS HELD ON DURING 2011–2022

GENERAL AWARENESS (सामान्य अध्ययन)

S. No	CHAPTERS	* Average of Questions	EXAMINATIONS: SSC Graduate Level Tier-I 26.06.2011 (Ist Sitting)	SSC CPO SI & ASI 28.08.2011	SSC CGLTier-I (Ist Sitting) 21.04.2013	SSC CAPFS SI & CISF ASI 23.06.2013	SSC Graduate Level Tier-I (Ist Sitting) 19.10.2014	SSC CAPFs SI, CISF ASI & DP SI 21.06.2015 (Ist Sitting)	SSC CGL Tier-I 16.08.2015 (Ist Sitting)	SSC CGL Tier-I 27.10.2016 (IInd Sitting)	SSC CGL Tier-I 22.08.2017 (IIIrd Sitting)	SSC Junior Engineer (Civil) 29.01.2018 (IIIrd Sitting)	SSC CGL Tier-I (CBE) 06.06.2019 (1st Sitting)	SSC CAPFs SI, DP SI & CISF ASI Exam, 11.12.2019 (Shift-I)	SSC CGL Tier-I (CBE) 04.03.2020 (Shift-III)	SSC CGL Tier-I (CBE) 20.08.2021 (Shift-I)	SSC CGL Tier-I (CBE) 21.04.2022 (Shift-I)
1.	Indian History	6	5	3	3	6	8	8	6	5	3	5	4	6	3	5	4
2.	World History	1	—	1	2	1	3	—	1	—	—	—	—	—	—	—	—
3.	Indian Art & Culture	1	1	—	1	—	—	—	1	—	—	—	2	3	—	1	1
4.	Indian Polity & Constitution	5	5	3	5	5	2	7	4	1	2	5	2	5	2	1	1
5.	Physical Geography	3	1	2	1	1	5	5	9	1	2	4	—	5	2	1	1
6.	Geography of India	3	4	1	4	4	1	1	1	—	—	2	3	3	1	2	2
7.	World Geography	1	2	2	2	1	1	1	1	1	—	1	—	1	—	—	1
8.	Economics	6	5	8	5	6	6	6	6	4	3	4	1	4	—	3	3
9.	Physics	4	4	6	4	3	2	4	2	3	1	5	—	—	3	—	—
10.	Chemistry	4	2	3	2	5	5	4	2	—	3	4	3	2	—	1	1
11.	Biology (Zoology, Botany, Health), Environment & Agriculture	5	3	6	3	5	11	9	7	4	4	8	1	5	—	3	3
12.	Computer & IT	2	2	2	2	3	2	2	3	1	1	2	—	—	—	—	—
13.	Discoveries & Inventions (Branches of Science & Scientific Instruments)	1	1	2	1	—	2	1	2	—	1	—	1	—	—	1	1
14.	Science & Technology	1	1	1	1	—	1	—	—	—	—	—	—	—	1	—	—
15.	Honours & Awards	1	1	—	1	1	—	—	1	—	1	1	3	4	3	1	1
16.	Books & Authors	1	1	2	1	—	1	—	—	1	1	1	—	2	2	—	—
17.	Important Decades, Years & Days	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	1	1	—	—	—
18.	UNO, Other International & National Organisations	1	—	2	—	3	—	—	1	1	—	—	—	—	—	—	—
19.	Sports	1	1	1	1	1	—	1	1	—	1	2	2	2	2	2	2
20.	National Events	1	5	2	5	2	—	1	1	—	—	6	2	2	3	4	4
21.	International Events	—	1	1	1	1	—	—	—	—	2	—	—	1	2	—	—
22.	Miscellaneous	2	5	2	5	2	—	—	1	3	—	—	—	4	1	—	—
	TOTAL NUMBER OF QUESTIONS	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**50**	**25**	**25**	**50**	**25**	**50**	**25**	**25**	**25**

TOPICWISE DISTRIBUTION OF QUESTIONS

* Average number of questions is based on the data available in the chart mentioned above (Considering 50 questions set)

TOPICWISE DISTRIBUTION OF QUESTIONS ASKED IN THE SSC 10+2 (DATA ENTRY OPERATOR, STENOGRAPHER GRADE 'C' & 'D') AND MATRIC LEVEL EXAMS HELD ON DURING 2011–2022

GENERAL AWARENESS (सामान्य अध्ययन)

S.No	CHAPTERS	* Average of Questions	EXAMINATIONS: SSC Multi-Tasking (Non-Tec. Staff) 27.02.2011	SSC Constable (GD) & Rifle-men (GD) 22.04.2012 (Ist S)	SSC Constable (GD) 12.05.2013	SSC (10+2) Level Data Entry Ope.& LDC 16.11.2014 (IInd S)	SSC CHSL (10+2) LDC, DEO & PA/SA.20.12.2015	SSC CHSL (10+2) Tier-I (CBE) 08.09.2016 (Ist Sitting)	SSC CHSL (10+2) Tier-I (CBE) 16.01.2017 (IInd Sitting)	SSC Stenographer 'C' & 'D' 14.09.2017 (Ist Sitting)	SSC CHSL (10+2) Tier-I CBE 05.03.2018 (Ist Sitting)	SSC Constable (GD) Exam, 02.06.2019 (1st Sitting)	SSC CHSL (10+2) Tier-I (CBE), 11.07.2019 (Shift-III)	SSC Multi-Tasking (Non-tech) Staff Exam, 14.08.2019	SSC CHSL (10+2) Tier-I (CBE) 12.08.2021 (Ist Shift)	SSC CHSL (10+2) Tier-I (CBE) 01.06.2022 (Ist Shift)
1.	Indian History	6	8	3	3	7	5	3	3	4	3	3	1	3	3	3
2.	World History	1	—	—	1	1	1	—	1	1	—	—	1	—	—	—
3.	Indian Art & Culture	1	2	—	—	2	1	—	1	1	—	5	2	2	2	2
4.	Indian Polity & Constitution	3	4	2	2	5	3	2	2	6	2	2	—	3	1	1
5.	Physical Geography	2	2	3	—	3	2	1	1	2	1	1	2	2	1	1
6.	Geography of India	3	7	2	2	1	5	2	2	3	1	1	1	—	3	3
7.	World Geography	1	—	—	—	3	1	1	—	—	1	1	—	1	—	—
8.	Economics	6	4	4	2	6	3	3	2	4	3	3	3	2	3	3
9.	Physics	4	5	3	3	5	4	2	2	4	2	1	—	—	—	—
10.	Chemistry	4	3	2	5	4	3	3	3	5	2	1	2	1	2	2
11.	Biology (Zoology, Botany, Health), Environment & Agriculture	6	8	2	4	5	9	4	3	9	4	2	1	4	—	—
12.	Computer & IT	2	—	1	1	1	2	1	1	2	—	—	2	—	2	2
13.	Discoveries & Inventions (Branches of Science & Scientific Instruments)	1	—	—	—	1	2	1	1	1	1	—	1	—	—	—
14.	Science & Technology	1	2	—	—	1	1	—	—	—	—	1	—	—	—	—
15.	Honours & Awards	1	—	2	—	1	1	1	1	2	1	1	2	2	1	1
16.	Books & Authors	1	—	—	—	1	1	1	—	1	1	—	—	—	1	1
17.	Important Decades, Years & Days	1	—	—	—	1	1	—	—	—	—	—	—	—	1	1
18.	UNO, Other International & National Organisations	1	1	—	—	2	1	—	—	3	—	—	—	—	—	—
19.	Sports	2	2	1	1	1	3	—	1	1	1	1	3	2	2	2
20.	National Events	1	1	—	—	—	1	1	—	—	3	—	1	—	1	1
21.	International Events	1	1	—	—	—	—	—	—	—	—	—	2	1	1	1
22.	Miscellaneous	1	—	—	1	—	—	—	—	1	—	2	1	2	1	1
	TOTAL NUMBER OF QUESTIONS	**50**	**50**	**25**	**25**	**50**	**50**	**25**	**25**	**50**	**25**	**25**	**25**	**25**	**25**	**25**

* Average number of questions is based on the data available in the chart mentioned above (Considering 50 questions set)

TOPICWISE DISTRIBUTION OF QUESTIONS

अनुक्रमणिका

अध्याय .... पृष्ठ

1. (A) प्राचीन भारत का इतिहास
[प्रश्नों की संख्या- 567 (334+233*)]
.. SGAH–17-49

Type-I : प्राचीन इतिहास के स्रोत, प्रागैतिहासिक काल, सिंधु सभ्यता, वैदिक सभ्यता SGAH–17

Type-II : महाजनपदों का उदय, जैन-बौद्ध एवं अन्य धर्म, महाकाव्यों, सूत्रों तथा स्मृतियों का युग, मगध साम्राज्य, सिकन्दर का भारत पर आक्रमण SGAH–20

Type-III : मौर्य साम्राज्य, मौर्योत्तर काल : शुंग, कण्व, सातवाहन, शक तथा पह्लव, चेदि वंश, भारत पर हिन्द यवन आक्रमण, भारत पर यूनानी आक्रमण का प्रभाव, कुषाण वंश, संगम युग SGAH–23

Type-IV : गुप्त वंश, हर्षवर्धनकाल............ SGAH–25

Type-V : अरबों की सिंध विजय, प्रांतीय राज्य : मध्य एवं पूर्वी भारत, उत्तरी और पश्चिमी भारत, दक्षिण भारत के राज्य ; भारत में तुर्कों का आगमन, राजपूत राजवंश SGAH–28

Type-VI : विविध SGAH–30

1. (B) मध्यकालीन भारत का इतिहास
[प्रश्नों की संख्या- 441 (286+155*)]
.. SGAH–50-77

Type-I : दिल्ली सल्तनत के प्रमुख वंश : गुलाम वंश, खिलजी वंश, तुगलक वंश, सैयद वंश, लोदी वंश भारतीय इस्लामी संस्कृति: भक्ति एवं सूफी आंदोलन, बहमनी एवं विजयनगर साम्राज्य.. SGAH–50

Type-II : शेरशाह, मुगल काल, मराठा एवं सिख राज्य SGAH–55

Type-III : विविध SGAH–62

1. (C) आधुनिक भारत का इतिहास
[प्रश्नों की संख्या- 826 (454+372*)]
.. SGAH–78-125

Type-I : मुगल साम्राज्य का पतन, क्षेत्रीय राज्यों का उदय, भारत में यूरोपीय वाणिज्य का प्रारंभ...................... SGAH–78

Type-II : ब्रिटिश साम्राज्य का विस्तार......... SGAH–80

Type-III : ब्रिटिश शासन की नीतियाँ एवं प्रभाव : आर्थिक, शैक्षिक, सामाजिक, राजनीतिक, देशी राज्य एवं वैदेशिक संबंध SGAH–81

Type-IV : राष्ट्रीय आंदोलन : प्रारंभिक विद्रोह, सामाजिक आंदोलन (सुधार), राष्ट्रवाद का उदय, स्वतंत्रता संघर्ष की शुरुआत, प्रारंभिक चरण (1885-1918), उग्रवाद एवं सम्प्रदायवाद SGAH–84

Type-V : गांधी युग (1919-1947), कृषक एवं जनजातीय आंदोलन... SGAH–91

Type-VI : स्वतंत्रता के बाद भारत SGAH–97

Type-VII : विविध SGAH–98

2. विश्व का इतिहास
[प्रश्नों की संख्या- 202 (124+78*)]
.. SGAH–126-137

3. कला एवं संस्कृति
[प्रश्नों की संख्या- 448 (325+123*)]
.. SGAH–138-167

4. भारतीय राजव्यवस्था एवं संविधान
[प्रश्नों की संख्या- 1510 (907+603*)]
.. SGAH–168-264

Type-I : भारत में संवैधानिक विकास SGAH–168

Type-II : संविधान की विशेषताएँ.............SGAH–170

*** Online उपलब्ध प्रश्नों की संख्या/देखें kicx.in**

Type-III : नागरिकता, मौलिक अधिकार, कर्तव्य एवं राज्य के नीति निदेशक तत्व SGAH–172
Type-IV : संघीय कार्यपालिका SGAH–176
Type-V : संघीय विधानमंडल SGAH–181
Type-VI : न्यायपालिका SGAH–190
Type-VII : राज्य की कार्यपालिका एवं विधायिका SGAH–193
Type-VIII : भारतीय संघवाद, केंद्र-राज्य संबंध, विशेष राज्य एवं वर्ग SGAH–195
Type-IX : लोकसेवा आयोग, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, निर्वाचन आयोग SGAH–197
Type-X : स्थानीय स्वायत्त शासन एवं पंचायती राज SGAH–199
Type-XI : संविधान संशोधन, अनुसूची, अनुच्छेद एवं अन्य तथ्य SGAH–201
Type-XII : विविध SGAH–209

5. भौतिक भूगोल
[प्रश्नों की संख्या- 741 (457+284*)]
... SGAH–265-311

Type-I : ब्रह्माण्ड एवं सौरमंडल SGAH–265
Type-II : पृथ्वी : एक परिचय (स्थलमंडल एवं भूगर्भ विज्ञान) SGAH–267
Type-III : वायुमंडल SGAH–272
Type-IV : पर्वत, चट्टान, मिट्टी, मैदान, मरुस्थल, जवालामुखी नदी तथा स्थलाकृतियाँ SGAH–274
Type-V : मौसम और जलवायु SGAH–277
Type-VI : जलमंडल SGAH–279
Type-VII : कृषि, वनस्पति, खनिज संसाधन एवं उद्योग SGAH–283
Type-VIII : पारिस्थितिक तंत्र SGAH–285
Type-IX : विविध SGAH–286

6. भारत का भूगोल
[प्रश्नों की संख्या- 1254 (663+591*)]
... SGAH–312-375

Type-I : भारत : एक परिचय एवं भू-आकृति SGAH–312
Type- II : भारत : नदियाँ, झील, जल-प्रपात, परियोजनाएँ एवं बंदरगाह SGAH–320
Type-III : भारत : जलवायु एवं प्राकृतिक वनस्पति SGAH–328
Type-IV : भारत : पशुपालन, कृषि एवं मिट्टियाँ SGAH–330
Type-V : भारत : खनिज संसाधन एवं उद्योग SGAH–333
Type-VI : भारत : जनसंख्या, मानव विविधता, जनजातियाँ परिवहन, संचार, राष्ट्रीय उद्यान एवं वन्य जीव संरक्षण SGAH–335
Type-VII : विविध SGAH–341

7. विश्व का भूगोल
[प्रश्नों की संख्या- 298 (173+125*)]
... SGAH–376-391

8. अर्थशास्त्र
[प्रश्नों की संख्या- 1565 (840+725*)]
... SGAH–392-487

Type-I : व्यष्टि SGAH–392
Type- II : समष्टि SGAH–400
Type-III : ग्रामीण तथा शहरी सामाजिक-आर्थिक योजना, वृद्धि एवं विकास SGAH–408
Type-IV : आय, व्यय, कृषि, उद्योग नीति तथा उपयोगिता SGAH–412
Type-V : मुद्रा, बैंकिंग तथा वित्त SGAH–418
Type-VI : अंतर्राष्ट्रीय व्यापार एवं अर्थव्यवस्था SGAH–427
Type-VII : भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रकृति एवं स्वरूप तथा पंचवर्षीय योजना SGAH–429
Type-VIII : विविध SGAH–436

9. भौतिक विज्ञान
[प्रश्नों की संख्या- 995 (603+392*)]
... SGAH–488-552

Type-I : यांत्रिकी, विमा तथा सामान्य भौतिकी SGAH–488
Type-II : कार्य, बल, ऊर्जा, उष्मा और ध्वनि SGAH–498

*** Online उपलब्ध प्रश्नों की संख्या/देखें kicx.in**

Type-III : प्रकाशिकी SGAH–505
Type-IV : विद्युतिकी और चुबकत्व SGAH–512
Type-V : क्वांटम भौतिकी और नाभिकीय भौतिकी तथा परमाण्विक भौतिकी SGAH–517
Type-VI : संचार व्यवस्था तथा आधुनिक भौतिकी SGAH–518
Type-VII : विविध................................ SGAH–519

10. रसायन विज्ञान
[प्रश्नों की संख्या- 1067 (674+393*)]
.. SGAH–553-623

Type-I : परमाणु संरचना और विशेषता (भौतिक रसायन) SGAH–553
Type-II : धातु, अधातु और अक्रिय गैसें (अकार्बनिक रसायन) SGAH–558
Type-III : रासायनिक यौगिक, गुण और उपयोग SGAH–568
Type-IV : ऊष्मागतिकी और प्रतिक्रिया की दर SGAH–575
Type-V : नाभिकीय रसायन SGAH–577
Type-VI : कार्बनिक रसायन SGAH–578
Type-VII : विविध................................ SGAH–586

11. जीव विज्ञान
[प्रश्नों की संख्या- 1732 (1187+545*)]
.. SGAH–624-746

Type-I : कोशिका ऊतक, संरचना और कार्य तथा सूक्ष्मजीव SGAH–624
Type-II : वनस्पति और जंतु की वर्गीकरण... SGAH–629
Type-III : वनस्पति संरचना और कार्य........ SGAH–635
Type-IV : जंतु संरचना और कार्य SGAH–644
Type-V : मानव स्वास्थ्य तथा पोषण........... SGAH–654
Type-VI : पर्यावरण और पारिस्थितिकी SGAH–670
Type-VII : विविध................................ SGAH–678

12. कम्प्यूटर तथा सूचना प्रौद्योगिकी
[प्रश्नों की संख्या- 505 (409+96*)]
.. SGAH–747-786

13. आविष्कार एवं आविष्कारक
(विज्ञान की शाखाएँ तथा वैज्ञानिक उपकरण)
[प्रश्नों की संख्या- 202 (154+48*)]
.. SGAH–787-801

14. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
[प्रश्नों की संख्या- 156 (62+94*)]
.. SGAH–802-808

15. पुरस्कार एवं सम्मान
[प्रश्नों की संख्या- 325 (104+221*)]
.. SGAH–809-819

16. पुस्तक एवं लेखक
[प्रश्नों की संख्या- 308 (214+94*)]
.. SGAH–820-839

17. महत्वपूर्ण दशक, वर्ष एवं दिवस
[प्रश्नों की संख्या- 74 (48+26*)]
.. SGAH–840-844

18. संयुक्त राष्ट्र संघ, अन्य अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय संगठन
[प्रश्नों की संख्या- 171 (78+93*)]
.. SGAH–845-852

19. खेलकूद
[प्रश्नों की संख्या- 675 (276+399*)]
.. SGAH–853-879

20. राष्ट्रीय घटनाएँ
[प्रश्नों की संख्या- 529 (439+90*)]
.. SGAH–880-928

21. अंतर्राष्ट्रीय घटनाएँ
[प्रश्नों की संख्या- 189 (117+72*)]
.. SGAH–929-940

22. विविध
[प्रश्नों की संख्या- 455 (230+225*)]
.. SGAH–941-960

[प्रश्नों की कुल संख्या- 15235 (9158+6077*)]

*** Online** उपलब्ध प्रश्नों की संख्या/देखें **kicx.in**

1 भारत का इतिहास

1. (A) प्राचीन भारत का इतिहास

1997–2010 के प्रश्न ऑनलाइन उपलब्ध है

TYPE–I

1. पुरालेख विद्या का अभिप्राय है :
(1) सिक्कों का अध्ययन
(2) शिलालेखों का अध्ययन
(3) महाकाव्यों का अध्ययन
(4) भूगोल का अध्ययन
(SSC सी.पी.ओ. सब-इंस्पेक्टर परीक्षा–07.09.2003)
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा-28.08.2016 द्वितीय पाली)

2. सिन्धु घाटी सभ्यता की मुख्य विशेषता थी :
(1) प्रकृति के बलों की पूजा
(2) व्यवस्थित शहरी जीवन
(3) पशुचारण खेती (4) जाति समाज
(SSC सेक्शन ऑफिसर (कमर्शियल ऑडिट) परीक्षा–30.09.2007)
(FCI असिस्टेंट ग्रेड-III परीक्षा–05.02.2012 प्रथम पाली)

3. देवी माता की पूजा संबंधित थी :
(1) आर्य सभ्यता के साथ
(2) भूमध्यसागरीय सभ्यता के साथ
(3) सिन्धु घाटी सभ्यता के साथ
(4) उत्तर वैदिक सभ्यता के साथ
(FCI असिस्टेंट ग्रेड-II परीक्षा–22.01.2012)

4. मोहनजोदड़ो में सबसे बड़ा भवन कौन-सा है?
(1) विशाल स्नानागार (2) धान्यागार
(3) सस्तंभ हॉल (4) दो मंजिला मकान
(FCI असिस्टेंट ग्रेड-III परीक्षा–05.02.2012 द्वितीय पाली)
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा-04.09.2016, Shift-II)

5. निम्नलिखित विद्वानों में से 'हड़प्पा सभ्यता' का सर्वप्रथम खोजकर्ता कौन था?
(1) सर जॉन मार्शल (2) आर. डी. बनर्जी
(3) ए. कनिंघम (4) दयाराम साहनी
(SSC संयुक्त मैट्रिक स्तरीय प्रारंभिक परीक्षा–24.10.1999 प्रथम पाली)
(SSC CAPFs व दिल्ली पुलिस SI ऑनलाइन परीक्षा–03.07.2017, प्रथम पाली)

6. किस स्थान पर, हड़प्पन समय के रथ की एक प्रतिमा प्राप्त हुई थी?
(1) लोथल (2) बनावली
(3) दैमाबाद (4) कालीबंगा
(SSC CAPFs ASI व दिल्ली पुलिस SI ऑनलाइन परीक्षा–01.07.2017, प्रथम पाली)

7. किस जिले में मोहनजोदड़ो स्थित है?
(1) लरकाना (2) मोन्टगोमेरी
(3) सिंध (4) ऊधमपुर
(SSC कांस्टेबल (GD) एवं राइफलमैन (GD) परीक्षा–22.04.2012 प्रथम पाली)

8. भारतीय शासन के प्रतीक ये शब्द ''सत्यमेव जयते'' निम्नलिखित किस ग्रंथ से लिए गए हैं ?
(1) उपनिषद् (मुण्डको-पनिषद्)
(2) सामवेद
(3) ऋग्वेद (4) रामायण
(SSC सी.पी.ओ. सब-इंस्पेक्टर परीक्षा–07.09.2003)
(SSC (10+2) स्तर डाटा एन्ट्री ऑपरेटर एवं LDC परीक्षा–11.12.2011 East Zone)
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा-04.09.2016 प्रथम पाली)

9. भारत में वर्ण व्यवस्था किस लिए बनाई गई थी?
(1) श्रमिक गतिहीनता
(2) श्रम की गरिमा को मान्यता देने
(3) आर्थिक उत्थान
(4) व्यावसायिक श्रम विभाजन
(FCI असिस्टेंट ग्रेड-III परीक्षा–05.02.2012 द्वितीय पाली)

10. भारतीय संगीत का उद्गम किसमें खोजा जा सकता है?
(1) ऋग्वेद की संहिता में
(2) यजुर्वेद की संहिता में
(3) सामवेद की संहिता में
(4) अथर्ववेद की संहिता में
(SSC संयुक्त मैट्रिक स्तरीय प्रारंभिक परीक्षा–21.05.2000 मध्य प्रदेश, रायपुर प्रथम पाली)
(SSC CAPFs SI, CISF ASI तथा दिल्ली पुलिस SI परीक्षा 22.06.2014)

11. आरंभिक वैदिक काल में वर्ण व्यवस्था आधारित थी:
(1) शिक्षा पर (2) जन्म पर
(3) व्यवसाय पर (4) प्रतिभा पर
(SSC स्टेनोग्राफर ग्रेड 'C' एवं 'D' परीक्षा–09.01.2011)

12. निम्नलिखित में से ऋग्वेद काल के दौरान किसकी जानकारी **नहीं** थी?
(1) संयुक्त परिवार प्रणाली
(2) कृषि
(3) वर्ण व्यवस्था (जाति)
(4) विवाह प्रथा
(SSC स्नातक स्तर Tier-1 परीक्षा–01.07.2012) नॉर्थ जोन प्रथम पाली)

13. निम्नलिखित में से कौन-सा अन्न मनुष्य द्वारा सबसे पहले प्रयोग होने वालों में से था?
(1) राई (2) गेहूँ
(3) जौ (यव) (4) जई (ओट)
(SSC स्नातक स्तर Tier-1 परीक्षा–01.07.2012) नॉर्थ जोन प्रथम पाली)

14. यज्ञ सूत्र निम्न में से किस वेद में है?
(1) सामवेद (2) ऋग्वेद
(3) यजुर्वेद (4) अथर्ववेद
(SSC (10+2) स्तर डाटा एंट्री ऑपरेटर एवं LDC परीक्षा, 04.11.2012, द्वितीय पाली)

15. जुरैसिक काल का माना गया पूरी तरह तैयार वृक्षीय फॉसिल कहाँ पाया गया?
(1) पिथौरागढ़ (2) छत्तीसगढ़
(3) रामगढ़ (4) बहादुरगढ़
(SSC स्नातक स्तरीय Tire-I परीक्षा, 21.04.2013)

16. सिंधु घाटी सभ्यता की लिपि कौन-सी हैं?
(1) खरोष्ठी (2) अज्ञात
(3) ब्राह्मी (4) तमिल
(SSC (10+2) डाटा एंट्री ऑपरेटर एवं LDC परीक्षा, 10.11.2013, द्वितीय पाली)

17. निम्नलिखित में से कौन-सी जनजातीय सभा सामान्य रूप से, जनजातीय सरदार (मुखिया) के चुनाव में शामिल होती थी?
(1) समिति (2) सभा
(3) गण (4) विदथ
(SSC CGL Tier-I पुनर्परीक्षा–2013, 27.04.2014)

18. 'उपनिषद्' शब्द का शाब्दिक रूप से यह अर्थ होता है :

(1) ज्ञान

(2) प्रज्ञता (बुद्धिमता)

(3) पास बैठना

(4) सस्वर पाठ (पठन)

(SSC CAPFs S.I. CISF ASI तथा दिल्ली पुलिस S.I. परीक्षा, 22.06.2014)

(SSC CAPFs SI, CISF ASI तथा दिल्ली पुलिस SI परीक्षा 22.06.2014)

19. आर्यन जनजातियों की प्राचीनतम बस्ती कहाँ है ?

(1) उत्तर प्रदेश (2) बंगाल

(3) सप्त सिंधु (4) दिल्ली

(SSC CGL Tier-I परीक्षा 19.10.2014 प्रथम पाली)

20. सिंधु अर्थव्यवस्था की ताकत थी

(1) कृषि (2) व्यापार

(3) चाक पर बनाए गए मिट्टी के बरतन

(4) बढ़ईगिरी

(SSC CHSL (10+2) DEO & LDC परीक्षा–16.11.2014, द्वितीय पाली)

21. "महाभारत" का प्रारंभिक नाम क्या था?

(1) कथासरितसागर (2) जय संहिता

(3) राजतरंगिणी (4) भारत कथा

(SSC (10+2) स्टेनोग्राफर ग्रेड-'C' एवं 'D' परीक्षा 31.01.2016, TF No. 3513283)

22. सिंधु घाटी सभ्यता में, कालीबंगा निम्नलिखित में से किसके लिए प्रसिद्ध है?

(1) चट्टान कटौती की वास्तुकला

(2) बंदरगाह

(3) कपास की खेती

(4) मिट्टी के पात्र

(SSC CAPFs दिल्ली पुलिस SI व CISF ASI परीक्षा–02.07.2017, प्रथम पाली)

23. जिस मनीषी (पंडित) ने दक्षिण भारत का आर्यीकरण किया, वे थे

(1) याज्ञवल्क्य (2) वशिष्ठ

(3) अगस्त्य (4) विश्वामित्र

(SSC CAPFs SI, CISF ASI तथा दिल्ली पुलिस SI परीक्षा 22.06.2014)

24. प्राचीनतम भारतीय सभ्यता का नाम बताइए।

(1) सिंधु घाटी सभ्यता

(2) मेसोपोटामियाई सभ्यता

(3) मिस्त्री सभ्यता

(4) इनमें से कोई नहीं

(SSC CHSL (10+2) DEO एवं LDC परीक्षा 16.11.2014, TF No. 333 LO 2, प्रथम पाली)

25 सिंधु घाटी का कौन-सा एक स्थल पाकिस्तान में है?

(1) लोथल (2) कालीबंगा

(3) आलमगीरपुर (4) हड़प्पा

(SSC CGL TIER-I पुनर्परीक्षा 30.08.2015)

26. विषम शब्द ज्ञात कीजिए ?

(1) सामवेद (2) यजुर्वेद

(3) विष्णु पुराण (4) ऋग्वेद

(SSC CHSL (10+2) LDC, DEO एवं PA/SA परीक्षा 20.12.2015, TF No. 9692918, प्रथम पाली)

27. सिंधु घाटी की सभ्यता के लोग किसकी पूजा करते थे?

(1) विष्णु (2) पशुपति

(3) इंद्र (4) ब्रह्मा

(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा–31.08.2016 प्रथम पाली)

28. उपनिषद् क्या हैं?

(1) महाकाव्य (2) कथा-संग्रह

(3) हिंदू दर्शन का स्रोत (4) कानून की पुस्तकें

(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा–31.08.2016 प्रथम पाली)

29. निम्नलिखित का मेल कीजिए।

A. मोहनजोदड़ो	1. स्टैच्यू ऑफ प्रीस्ट
B. हड़प्पा	2. पत्तन
C. कालीबंगन	3. हल के चिह्न
D. लोथल	4. ग्रेट बाथ

(1) A–4, B–1, C–3, D–2
(2) A–3, B–2, C–4, D–1
(3) A–2, B–3, C–1, D–4
(4) A–1, B–4, C–2, D–3

(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा–02.09.2016 द्वितीय पाली)

30. निम्नलिखित में से किस वेद में जादू, चमत्कार तथा मंत्र दिया गए हैं ?

(1) ऋग्वेद (2) सामवेद

(3) यजुर्वेद (4) अथर्ववेद

(SSC CAPFs व दिल्ली पुलिस SI ऑनलाइन परीक्षा–03.07.2017, प्रथम पाली)

31. कौन सा वेद धार्मिक अनुष्ठानों से संबंध रखता है?

(1) ऋग्वेद (2) यजुर्वेद

(3) सामवेद (4) अथर्ववेद

(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा–03.09.2016, Shift-III)

32. सिंधु घाटी सभ्यता में, धौलावीरा निम्नलिखित में से किसके लिए प्रसिद्ध है ?

(1) चट्टान से निर्मित स्थापत्य

(2) बंदरगाह

(3) जल संरक्षण

(4) मिट्टी के पात्र

(SSC CAPFs व दिल्ली पुलिस SI ऑनलाइन परीक्षा–03.07.2017, प्रथम पाली)

33. गौतम बुद्ध ने महापरिनिर्वाण कहाँ लिया था ?

(1) पटना (2) कुशीनगर

(3) वाराणसी (4) सारनाथ

(SSC CAPFs ASI एवं दिल्ली पुलिस SI, CISF ASI परीक्षा–05.07.2017, प्रथम पाली)

34. 'ऋग्वेद' में सबसे प्रमुख देवता कौन हैं?

(1) इंद्र (2) अग्नि

(3) पशुपति (4) विष्णु

(SSC CGL Tier–I CBE (परीक्षा) 12.08.2017, तृतीय पाली)

35. वैदिक काल में 8 प्रकार के विवाह प्रचलित थे। इनमें से कौन प्रेम विवाह था?

(1) ब्रह्म विवाह (2) गंधर्व विवाह

(3) दैव विवाह (4) आर्ष विवाह

(SSC स्टेनोग्राफर ग्रेड 'C' & 'D' परीक्षा 11.09.2017, द्वितीय पाली)

36. मोहनजोदड़ो और हड़प्पा के अवशेष संकेत देते हैं कि ये शानदार और योजनागत अच्छी तरह से बनाई गई _____ थी।

(1) कृषि नगरें (2) धार्मिक नगरें

(3) व्यापारिक नगरें (4) तटीय नगरें

(SSC स्टेनोग्राफर ग्रेड 'C' & 'D' परीक्षा 12.09.2017, प्रथम पाली)

37. निम्नलिखित में से कौन सा वेद वेदत्रयी का भाग नहीं है?

(1) ऋग्वेद (2) यजुर्वेद

(3) सामवेद (4) अथर्ववेद

(SSC CAPFs ASI व दिल्ली पुलिस SI Paper-I परीक्षा–02.07.2017, द्वितीय पाली)

38. किस नदी के निकट ऋग्वेद सभ्यताएँ सबसे अधिक स्थित थी?

(1) नर्मदा (2) सरस्वती

(3) गंगा (4) गोदावरी

(SSC Scientific Assistant Electronics Exam, 22.11.2017 (Ist Sitting)

39. हड़प्पाई स्थल ''मांडा'' किस नदी के किनारे स्थित था?

(1) चेनाब (2) सतलज

(3) रावी (4) सिंधु

(SSC JE (Civil) Exam, 24.01.2018 (IInd Sitting)

40. ऋग्वेद का कौन-सा मंडल पूर्णत: सोम को समर्पित है?

(1) सातवाँ मंडल (2) आठवाँ मंडल

(3) नौवाँ मंडल (4) दसवाँ मंडल

(SSC JE (Civil) Exam, 24.01.2018 (IInd Sitting)

41. निम्नलिखित में से किस हड़प्पा केन्द्र के बारे में माना जाता है कि मेसोपोटामिया के साथ सीधा समुद्र व्यापार था?

(1) धौलावीरा (2) लोथल

(3) कोट दिजी (4) रोपड़

(SSC JE (Civil) Exam, 25.01.2018 (IInd Sitting)

42. निम्नलिखित में से किस हड़प्पाकालीन स्थल से 'हल' का टेराकोटा प्राप्त हुआ?
(1) धौलावीरा (2) बनवाली
(3) हड़प्पा (4) लोथल
(SSC JE (Civil) Exam, 29.01.2018 (IInd Sitting)

43. हड़प्पा किस नदी के किनारे पर स्थित है ?
(1) गंगा (2) रावी
(3) यमुना (4) सिंधु
(SSC CAPFs ASI व दिल्ली पुलिस SI परीक्षा, पेपर-I (द्वितीय पाली) 02.07.2017)

44. कांसे की नर्तकी की मूर्ति निम्नलिखित में से किस सभ्यता में पायी गयी है?
(1) मेसोपोटामियाई सभ्यता
(2) सिंधु घाटी की सभ्यता
(3) फारस की सभ्यता
(4) मिस्र की सभ्यता
(SSC CAPFs ASI व दिल्ली पुलिस SI परीक्षा, पेपर-I (द्वितीय पाली) 04.07.2017)

45. शतुघई (सिंधु घाटी सभ्यता) किस देश में है?
(1) भारत (2) पाकिस्तान
(3) अफगानिस्तान (4) तिब्बत
(SSC CAPFs ASI व दिल्ली पुलिस SI ऑनलाइन परीक्षा, (द्वितीय पाली) 05.07.2017)

46. मोहनजोदड़ो का स्थानीय नाम ________ था।
(1) रेगिस्तान का टीला
(2) नदीमुख-भूमि का टीला
(3) मृतकों का टीला
(4) जीवन का टीला
(SSC CAPFs ASI व दिल्ली पुलिस SI ऑनलाइन परीक्षा, (द्वितीय पाली) 05.07.2017)

47. निम्नलिखित में से कौन सी धातु हड़प्पन सभ्यता में नहीं पायी गई थी?
(1) सोना (2) ताँबा
(3) चाँदी (4) लोहा
(SSC CAPFs ASI व दिल्ली पुलिस SI ऑनलाइन परीक्षा, (प्रथम पाली) 07.07.2017)

48. निम्नलिखित में से कौन-सा वेद प्राचीनतम है?
(1) यजुर्वेद (2) ऋग्वेद
(3) सामवेद (4) अथर्ववेद
(SSC CAPFs ASI व दिल्ली पुलिस SI परीक्षा, (तृतीय पाली) 07.07.2017)

49. भीमबेटका _______ के लिए प्रसिद्ध है।
(1) वैदिक कालीन मंदिर के लिए
(2) मौर्य चित्रकला के लिए
(3) गुफा शैलचित्र के लिए
(4) बौद्ध प्रतिमाओं के लिए
(SSC मल्टी-टास्किंग स्टाफ परीक्षा, (तृतीय पाली) 22.10.2017)

50. निम्न में से किस हड़प्पाकालीन स्थल से एक युग्म शवाधान मिला था?
(1) मोहनजोदड़ो (2) हड़प्पा
(3) चन्हुदड़ो (4) लोथल
(SSC CHSL (10 + 2) Tier-1 CBE परीक्षा, (तृतीय पाली) 20.03.2018)

51. सिंधु घाटी चार बड़ी प्राचीन शहरी सभ्यताओं का गृह था। निम्नलिखित में से कौन सा उनमें से एक नहीं है?
(1) मिस्र
(2) दक्षिण एशिया
(3) रूस
(4) मेसोपोटामिया
SSC कांस्टेबल (GD) परीक्षा, 02.03.2019(प्रथम पाली)

52. जोर्वे कल्चर एक चालकोलिथिक पुरातात्विक स्थल था, जो वर्तमान समय में निम्नलिखित में से किस भारतीय राज्य में स्थित है ?
(1) असम (2) महाराष्ट्र
(3) गुजरात (4) बिहार
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 11.06.2019 (प्रथम पाली))

53. निम्नलिखित में से सिंधु घाटी सभ्यता का एक बंदरगाह शहर कौन-सा था?
(1) कालीबंगा (2) लोथल
(3) राखीगढ़ी (4) धोलावीरा
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 11.06.2019 (तृतीय पाली))

54. बुर्जहोम, नवपाषाणयुगीन स्थल ______ में स्थित है।
(1) कर्नाटक (2) गोवा
(3) मिजोरम (4) जम्मू और कश्मीर
SSC CHSL (10+2) Tier-I परीक्षा, 09.07.2019 (तृतीय पाली)

55. निम्नलिखित में से किस हड़प्पाकालीन स्थल से जुताई वाले क्षेत्र के साक्ष्य मिले हैं?
(1) मोहनजोदड़ों
(2) चनहुदड़ों
(3) कालीबंगा
(4) हड़प्पा
SSC CHSL (10+2) Tier-I परीक्षा, 10.07.2019 (प्रथम पाली)

56. दावजाली हैडिंग, नवपाषाण स्थल ____ में स्थित है।
(1) मेघालय
(2) असम
(3) जम्मू और कश्मीर
(4) कर्नाटक
SSC मल्टी टास्किंग (नन-टेक्निकल) स्टाफ परीक्षा, 09.08.2019 (प्रथम पाली)

57. ____ महाकल्प को 'स्तनधारियों का महाकल्प' के भी रूप में जाना जाता है।
(1) पुराजीवी (पैलियोजोइक)
(2) नूतनजीवी (सीनोजोइक)
(3) नवजीवी (निओजोइक)
(4) मध्यजीवी (मीजोजोइक)
(SSC CAPFs SI, दिल्ली पुलिस SI व CISF ASI परीक्षा, 11.12.2019(प्रथम पाली))

58. निम्नलिखित में से किस पुरातात्विक स्थल पर गर्त-आवासों के प्रमाण हैं?
(1) मेहरगढ़ (2) बुर्जहोम
(3) राणा घुंडई (4) पलवोय
(SSC CAPFs SI, दिल्ली पुलिस SI व CISF ASI परीक्षा, 11.12.2019(प्रथम पाली))

59. पाकिस्तान के किस प्रांत में प्राचीन सभ्यता का स्थल मोहनजोदड़ो स्थित है ?
(1) खैबर पख्तूनख्वा (2) बलूचिस्तान
(3) पंजाब (4) सिंध
(SSC CAPFs SI दिल्ली पुलिस SI व CISF ASI परीक्षा, 12.12.2019(प्रथम पाली))

60. भारत में वैदिक सभ्यता _____ नदी के किनारे विकसित हुई थी।
(1) नर्मदा (2) सरस्वती
(3) तापी (4) गोदावरी
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 04.03.2020 (प्रथम पाली))

61. वेदांगों के संदर्भ में, निम्नलिखित शब्दों में से कौन-सा शब्द 'अनुष्ठान' को दर्शाता है?
(1) छंद (2) कल्प
(3) व्याकरण (4) शिक्षा
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 07.03.2020 (प्रथम पाली))

62. निम्नलिखित में से किस नदी को वैदिक काल में परुषणी के नाम से जाना जाता था?
(1) रावी (2) सतलज
(3) व्यास (4) चिनाब
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 09.03.2020 (द्वितीय पाली))

63. हड़प्पा सभ्यता की खोज सर्वप्रथम किस वर्ष में हुई थी?
(1) 1932 में (2) 1905 में
(3) 1921 में (4) 1926 में
(SSC CHSL (10+2) Tier-I (CBE) परीक्षा, 19.10.2020 (द्वितीय पाली))

64. निम्न में से कौन-सा राजस्थान राज्य में स्थित एक परिपक्व-चरण हड़प्पा स्थल है?
(1) मंदा (2) कालीबंगा
(3) चान्हूदडो (4) नागेश्वर
(SSC CAPFs SI दिल्ली पुलिस SI व CISF ASI परीक्षा, 23.11.2020(प्रथम पाली))

65. ऋग्वेद को ____पुस्तकों या मंडलों में विभाजित किया गया है।
(1) 34 (2) 10
(3) 8 (4) 12
(SSC CAPFs SI दिल्ली पुलिस SI व CISF ASI परीक्षा, 24.11.2020(प्रथम पाली))

66. निम्नलिखित में से कौन सी विशेषता बौद्ध धर्म को जैन धर्म से पृथक् करती है ?
(1) जीवित प्राणियों के प्रति अहिंसा
(2) आचरण और आत्म-निर्वाण का चरम स्वरूप
(3) सद्कार्यों में विश्वास
(4) वेदों की सत्ता की अस्वीकृति
(दिल्ली पुलिस कांस्टेबल परीक्षा, 02.12.2020 (तृतीय पाली))

67. सूरकोटडा पुरातात्विक स्थल किस राज्य में स्थित है ?
(1) कर्नाटक (2) हरियाणा
(3) राजस्थान (4) गुजरात
(दिल्ली पुलिस कांस्टेबल परीक्षा, 02.12.2020 (तृतीय पाली))

68. एक व्यक्ति का वैदिक दृष्टिकोण और समाज से उसका संबंध जीवन के चार उद्देश्यों से निर्धारित होता है। निम्न में से कौन-सा इन उद्देश्यों में से एक नहीं है?
(1) सिद्धि (2) अर्थ
(3) मोक्ष (4) धर्म
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 17.08.2021 (प्रथम पाली))

69. वैदिक ऋचाओं के मुख्य संग्रह को.....कहा जाता है।
(1) सूत्र (2) पद
(3) संहिता (4) मुख
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 18.08.2021 (प्रथम पाली))

70. ऋग्वेद में ऋषि विश्वामित्र और देवी के रूप में पूजी जाने वाली दो नदियों के बीच संवाद के रूप में एक भजन है। ये कौन-सी नदियाँ हैं?
(1) अलकनंदा और भागीरथी
(2) रावी और चिनाब
(3) गंगा और यमुना
(4) ब्यास और सतलज
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 13.04.2022 (प्रथम पाली))

71. सेल्ट एक (celt) नवपाषाणकालीन ______ है।
(1) एक मकबरा (2) एक घर
(3) एक उपकरण (4) एक कलश
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 20.04.2022 (प्रथम पाली))

TYPE–II

1. जैनियों के पहले तीर्थंकर कौन थे ?
(1) अरिष्टनेमी (2) पार्श्वनाथ
(3) अजितनाथ (4) ऋषभ
(SSC संयुक्त स्नातक स्तरीय प्रारम्भिक परीक्षा–04.07.1999 प्रथम पाली)
(SSC JE (Civil) Exam, 27.01.2018 (IInd Sitting)

2. "त्रिपिटक"---धार्मिक ग्रंथ है
(1) जैनों का (2) बौद्धों का
(3) सिखों का (4) हिन्दुओं का
(SSC संयुक्त मैट्रिक स्तरीय प्रारंभिक परीक्षा–16.06.2002, पुर्नपरीक्षा)
(SSC संयुक्त स्नातक स्तरीय प्रारम्भिक परीक्षा–13.11.2005 प्रथम पाली)
(FCI असिस्टेंट ग्रेड-II परीक्षा–22.01.2012)
(SSC मल्टी टास्किंग स्टाफ परीक्षा, 10.03.2013, प्रथम पाली)
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा–06.09.2016 प्रथम पाली)

3. निम्नलिखित में से जैन धर्म का कौन-सा "त्रिरत्न" नहीं है?
(1) सही विश्वास (2) सही ज्ञान
(3) सही दृष्टि (4) सद् आचरण
(SSC सी.आई.एस.एफ. कांस्टेबल (जीडी) स्टॉफ परीक्षा–05.06.2011)

4. अजंता की चित्रकारी निम्नलिखित में से किससे प्रेरित है ?
(1) दयालु बुद्ध
(2) राधाकृष्ण लीला
(3) जैन तीर्थंकर
(4) महाभारत युद्ध
(SSC सेक्शन ऑफिसर (ऑडिट) परीक्षा–09.09.2001)
(SSC संयुक्त स्नातक स्तरीय प्रारम्भिक परीक्षा–11.05.2003 द्वितीय पाली)

5. निम्नलिखित में से कौन संस्कृत का प्रथम व्याकरण विद् था?
(1) कल्हण (2) मैत्रेयी
(3) कालिदास (4) पाणिनी
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा–08.09.2016, Shift-III)

6. गौतम बुद्ध कौन-से गणराज्य के थे?
(1) शिबी (2) शाक्य
(3) सौरसेन (4) शबरा
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा–10.09.2016, Shift-III)
(SSC संयुक्त स्नातक स्तरीय प्रारम्भिक परीक्षा–27.07.2008 प्रथम पाली)

7. 'बुद्ध' का अर्थ है
(1) ज्ञान प्राप्त (2) धर्म प्रचारक
(3) प्रतिभाशाली (4) शक्तिशाली
(SSC सेक्शन ऑफिसर (ऑडिट) परीक्षा–10.12.2006)
(SSC CGL Tier-I परीक्षा 19.10.2014)
(SSC CHSL (10+2) DEO एवं LDC परीक्षा 16.11.2014, TF No. 333 LO 2, प्रथम पाली)

8. बुद्ध को प्रबोध कहाँ प्राप्त हुआ था?
(1) सारनाथ (2) बोध गया
(3) कपिलवस्तु (4) राजगृह
(SSC संयुक्त स्नातक स्तरीय Tier-I परीक्षा–19.06.2011 द्वितीय पाली)

9. निम्न में से कौन-सा एक भारत में लिखित सबसे बाद वाला बौद्ध धर्म का ग्रंथ है?
(1) दिव्य वंदना (2) दोहाकोसा
(3) वज्रचेदिका (4) वामसाथपाकसिनी
(SSC CPO (SI, ASI एवं Intelligence Officer) परीक्षा–28.08.2011)

10. बौद्ध धर्म निम्न में से किन मतों पर विश्वास करता है?
(a) दुनिया दुखों से भरी है।
(b) लोगों को दुख उनकी इच्छाओं के कारण होते हैं।
(c) यदि इच्छाओं पर काबू पा लिया जाए, तो निर्वाण मिल जाएगा।
(d) ईश्वर और आत्मा के अस्तित्व को स्वीकार करना चाहिए।
(1) (a), (b), (c) तथा (d)
(2) (b) तथा (c)
(3) (a), (b) तथा (c)
(4) (b), (c) तथा (d)
(SSC मल्टी टास्किंग (नन-टेक्निकल) स्टॉफ परीक्षा–27.02.2011)

11. एलेक्जेंडर (सिकन्दर) और पोरस ने लड़ाई लड़ी थी।
(1) झेलम (2) रावी
(3) पानीपत में (4) तराइन में
(FCI असिस्टेंट ग्रेड-II परीक्षा–22.01.2012)
(SSC संयुक्त मैट्रिक स्तरीय प्रारंभिक परीक्षा–12.05.2002, प्रथम पाली)
(SSC CHSL (10+2) LDC, DEO एवं PA/SA परीक्षा 06.12.2015 TF NO. 3441135, द्वितीय पाली)

12. सिकंदर की मृत्यु के बाद उसके साम्राज्य का पूर्वी भाग किसके अधीन चला गया?
(1) सेल्यूकस निकेटर (2) मिनांडर
(3) रुद्रदमन (4) कनिष्क
(FCI असिस्टेंट ग्रेड-III परीक्षा –05.02.2012 प्रथम पाली)

13. उन स्तंभदार भवनों को क्या कहते हैं जिनमें बौद्ध भिक्षु पूजा करते हैं?
(1) स्तूप (2) चैत्य
(3) विहार (4) मठ
(SSC मल्टी टास्किंग स्टॉफ परीक्षा–14.05.2017, प्रथम पाली)

14. "इच्छा सब कष्टों का कारण है", इसका प्रचार करने वाला धर्म कौन–सा है?
(1) बुद्ध धर्म (2) जैन धर्म
(3) सिख धर्म (4) हिंदू धर्म
(SSC मल्टी टास्किंग स्टाफ परीक्षा, 10.03.2013, प्रथम पाली)

15. निम्न में कौन-सा शासक, बुद्ध का समकालीन था?
(1) उदयन (2) बिंबिसार
(3) अजातशत्रु (4) महापद्म नंद
(SSC मल्टी टास्किंग स्टॉफ परीक्षा, 17.03.2013, कोलकाता क्षेत्र)
(SSC मैट्रिक स्तरीय मल्टी टास्किंग स्टाफ परीक्षा, 24.03.2013, द्वितीय पाली)

16. बुद्ध के जन्म और उसके पूर्व जन्म की कहानियाँ किसमें संकलित हैं?
(1) त्रिपिटक (2) त्रिरत्न
(3) पंचतंत्र की कहानियाँ (4) जातक कथाएँ
(SSC मल्टी टास्किंग स्टॉफ परीक्षा–14.05.2017, द्वितीय पाली)

17. प्रथम बौद्ध परिषद कहाँ आयोजित की गई?
(1) वैशाली (2) कश्मीर
(3) राजगृह (4) पाटलिपुत्र
(SSC मल्टी टास्किंग स्टॉफ परीक्षा, 17.03.2013, द्वितीय पाली)
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा–30.08.2016 द्वितीय पाली)

18. बुद्ध के प्रथम प्रवचन को कहा जाता है :
(1) ब्रह्मजलसुत्त (2) धम्मचक्कपबत्तनसुत्त
(3) कच्छयनागोत्तासुत्त (4) महापरिनिर्वाणसुत्त
(SSC स्नातक स्तरीय Tire-I परीक्षा, 21.04.2013)

19. बुद्ध, धम्म और संघ मिलकर कहलाते हैं
(1) त्रिरत्न (2) त्रिवर्ग
(3) त्रिसर्ग (4) त्रिमूर्ति
(SSC स्नातक स्तरीय Tire-I परीक्षा, 21.04.2013)

20. मिलिंदपन्हो क्या हैं ?
(1) बौद्ध स्थल (2) बौद्ध का एक नाम
(3) कला का बौद्ध (4) बौद्ध ग्रंथ
(SSC स्नातक स्तरीय Tire-I परीक्षा, 21.04.2013)

21. निम्नलिखित में से कौन–सा संप्रदाय बौद्ध धर्म का नहीं है?
(1) महायान (2) हीनयान
(3) दिगंबर (4) थेरवाद
(SSC स्नातक स्तरीय Tire-I परीक्षा, 21.04.2013)

22. महावीर का प्रथम शिष्य कौन था?
(1) भद्रबाहु (2) स्थूलभद्र
(3) चार्वाक (4) जमाली
(SSC कांस्टेबल (GD) परीक्षा, 12.05.2013)

23. वर्धमान महावीर और किस नाम से विख्यात् है?
(1) जेना (2) महान शिक्षक
(3) महान प्रचारक (4) जैन
(SSC कांस्टेबल (GD) परीक्षा, 12.05.2013)

24. तिब्बत में बौद्ध धर्म का प्रचार करने वाले बौद्ध भिक्षु कौन थे?
(1) नागार्जुन (2) आनंद
(3) असंग (4) पद्मसंभव
(SSC स्नातक स्तरीय Tier-I परीक्षा, 19.05.2013)

25. गौतम बुद्ध का जन्म स्थान किसके द्वारा अंकित किया जाता है?
(1) बौद्धमठ
(2) अशोक मौर्य का "रूमिनदेई स्तंभ"
(3) मूर्ति
(4) पीपल वृक्ष
(SSC CGL Tier-I (पुनर्परीक्षा–2013, 27.04.2014)

26. भारतीय इतिहास के निम्नलिखित युगों में से किसके दौरान क्षत्रिय एक विशिष्ट पहचान रखते थे?
(1) बुद्ध के युग में (2) मौर्य काल में
(3) पश्च–मौर्य काल में (4) गुप्त काल में
(SSC CGL Tier-I पुनर्परीक्षा–2013, 27.04.2014)

27. जैन तथा बौद्ध धर्म के समय कितने आश्रमों को मान्यता प्राप्त हुई थी?
(1) 6 (2) 4
(3) 8 (4) 2
(SSC दिल्ली पुलिस कांस्टेबल परीक्षा–15.12.2017)

28. छठी शताब्दी ई. पू., कौन–सा काल कहलाता था ?
(1) विवेचन (तर्क)
(2) बौद्धिक जागृति
(3) राजनीतिक असन्तोष
(4) धार्मिक उत्तेजना
[SSC CHSL (10+2) DEO एवं LDC परीक्षा, 16.11.2014, (पटना क्षेत्र : प्रथम पाली)]

29. भारत में जैन धर्म का संस्थापक कौन है ?
(1) गौतम (2) महावीर
(3) चंद्रगुप्त (4) अशोक
(SSC CHSL (10+2) DEO & LDC परीक्षा–16.11.2014, द्वितीय पाली)

30. बौध धर्म में "त्रि-रत्न" क्या इंगित करता है?
(1) विनय पिटक, सुत पिटक, अभिधम्म पिटक
(2) सारनाथ, लुंबिनी, बोध गया
(3) प्रेम, करुणा, दया
(4) सत्य, अहिंसा, दयालुता
(SSC Scientific Assistant (CS) Exam, 22.11.2017 (Ist Sitting)

31. उस राज्य का नाम बताइए जिसने पहली बार युद्ध में हाथियों का इस्तेमाल किया ?
(1) कौशल (2) मगध
(3) चंपा (4) अवंती
(SSC CAPFs SI, CISF ASI एवं दिल्ली पुलिस SI परीक्षा 21.06.2015, TF No. 8037731 प्रथम पाली)

32. उस गणतंत्र का नाम बताइए जो छठी शताब्दी ईसा पूर्व जातियों का राज्यसंघ था।
(1) गांधार (2) वज्जि
(3) कौशल (4) अवंती
(SSC CHSL (10+2) LDC, DEO एवं PA/SA परीक्षा 20.12.2015, TF No. 9692918, प्रथम पाली)

33. जैनियों द्वारा अपने पवित्र ग्रन्थों के लिए सामूहिक रूप से किस शब्द का प्रयोग किया जाता है ?
(1) प्रबंध (2) अंग
(3) निबन्ध (4) चरित
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा–10.09.2016)

34. निम्नलिखित में से किस मुद्रा में गौतम बुद्ध ने सारनाथ में अपना पहला उपदेश दिया था?
(1) अभय मुद्रा (2) ध्यान मुद्रा
(3) धर्मचक्र मुद्रा (4) भूमिस्पर्शी मुद्रा
(SSC CPO, SI, ASI ऑनलाइन परीक्षा–05.06.2016 द्वितीय पाली)

35. 'कैवल्य' कौन–से धर्म से सम्बन्धित है ?
(1) बौद्ध (2) जैन
(3) हिन्दू (4) सिक्ख
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा–07.09.2016 प्रथम पाली)

36. कौन सा बौद्ध ग्रंथ 16 महाजनपदों का उल्लेख करता है?
(1) दीघ निकाय (2) सुत्त पिटक
(3) अंगुत्तर निकाय (4) विनय पिटक
(SSC JE (Civil) Exam, 22.01.2018 (IInd Sitting)

37. सोलह महाजनपदों में से किसकी राजधानी तक्षशिला थी?
(1) कोशल (2) कुरु
(3) वज्जि (4) गांधार
(SSC JE (Civil) Exam, 23.01.2018 (Ist Sitting)

38. 'स्तूप' शब्द गौतम बुद्ध के जीवन की निम्नलिखित किस घटना से संबंधित है?
(1) मृत्यु (2) प्रथम उपदेश
(3) जन्म (4) गृह–त्याग
(SSC JE (Civil) Exam, 23.01.2018 (IInd Sitting)

39. बौद्ध धर्म महायान और हीनयान में किस शासक के शासन काल के दौरान विभाजित हुआ था?
(1) कनिष्क (2) चंद्रगुप्त द्वितीय
(3) अशोक (4) इनमें से कोई नहीं
(SSC JE (Civil) Exam, 25.01.2018 (IInd Sitting)

40. वैशेषिक दर्शन के प्रतिपादक कौन हैं?
(1) कपिल (2) अक्षपाद गौतम
(3) कणाद (4) पतंजलि
(SSC JE (Civil) Exam, 27.01.2018 (Ist Sitting)

41. बौद्ध धर्म के अधिकांश ग्रंथ किस भाषा में लिखे गए थे?
(1) संस्कृत (2) मागधी
(3) प्राकृत (4) पाली
(SSC JE (Civil) Exam, 29.01.2018 (Ist Sitting)

42. किन्हें 'एशिया का प्रकाश' भी कहा जाता है?
(1) गौतम बुद्ध (2) ईसा मसीह
(3) पैगम्बर मुहम्मद (4) स्वामी विवेकानंद
(SSC CAPFs ASI व दिल्ली पुलिस SI परीक्षा, पेपर-I (द्वितीय पाली) 04.07.2017)

43. महावीर का जन्म कहाँ हुआ था?
(1) लुम्बिनी (2) संकिघत्ता
(3) कुंडग्राम (4) भांडवपुरा
(SSC CAPFs ASI व दिल्ली पुलिस SI परीक्षा, (तृतीय पाली) 07.07.2017)

44. कौन-सा स्थान गौतम बुद्ध से संबद्ध नहीं है?
(1) सारनाथ (2) बोधगया
(3) कुशीनगर (4) पावापुरी
(SSC CHSL (10 + 2) Tier-I CBE परीक्षा, (प्रथम पाली) 06.03.2018)

45. जैन धर्म का सबसे महत्वपूर्ण आधारभूत सिद्धांत क्या माना जाता है?
(1) कर्म (2) अहिंसा
(3) विराग (4) निष्ठा
(SSC CHSL (10 + 2) Tier-1 CBE परीक्षा, (प्रथम पाली) 20.03.2018)

46. महर्षि गौतम का संबंध किस भारतीय दर्शन से है?
(1) सांख्य (2) योग
(3) न्याय (4) वैशेषिक
(SSC CHSL (10 + 2) Tier-I CBE परीक्षा, (तृतीय पाली) 25.03.2018)

47. 7वीं शताब्दी के प्रारम्भ के साथ थानेश्वर और कन्नौज के सिंहासन पर कौन बैठा?
(1) चन्द्रगुप्त द्वितीय
(2) राजेन्द्र चोल प्रथम
(3) कृष्णदेव (4) हर्षवर्धन
कांस्टेबल (GD, CAPFs, NIA, SSF & RIFLEMAN (GD), ASSAM RIFLES परीक्षा, 01.03.2019`)(प्रथम पाली)

48. भगवान महावीर की शिक्षाओं के संकलन को क्या कहा जाता है?
(1) श्रुति सूत्र (2) पिबी सूत्र
(3) आगम सूत्र (4) अवेस्ता सूत्र
SSC कांस्टेबल (GD) परीक्षा, 02.03.2019(प्रथम पाली)

49. ______का युद्ध 326 ई.पू. में सिकंदर महान द्वारा राजा पोरस के विरुद्ध लड़ा गया था।
(1) हाइडेस्पस (2) तराईन
(3) पानीपत (4) प्लासी
SSC दिल्ली पुलिस, CAPFs SI व CISF ASI परीक्षा, 13.03.2019(प्रथम पाली)

50. भगवान गौतम बुद्ध के जीवन काल के दौरान सातवीं और छठी शताब्दी ईसा पूर्व में कितनी महान शक्तियां (महाजनपद) अस्तित्व में थीं?
(1) 16 (2) 13
(3) 11 (4) 17
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 04.06.2019 (द्वितीय पाली))

51. निम्नलिखित में से कौन-सा राजशाही राज्यों में से एक नहीं है जोकि सातवीं और छठी सदी के शुरू में ईसा पूर्व भारत में मौजूद है?
(1) मगध (2) वैशाली
(3) अवंती (4) कोशल
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 04.06.2019 (द्वितीय पाली))

52. सांख्य दर्शन संप्रदाय की स्थापना ____ द्वारा की गई थी।
(1) पतंजलि (2) कपिल
(3) कुमारिल भट्ट (4) गौतम
SSC CHSL (10+2) Tier-I परीक्षा, 11.07.2019 (प्रथम पाली)

53. प्राचीन भारत में कितने शक्तिशाली महाजनपद मौजूद थे?
(1) 14 (2) 12
(3) 18 (4) 16
SSC मल्टी टास्किंग स्टाफ परीक्षा, 06.08.2019 (प्रथम पाली)

54. निम्नलिखित में से कौन-सी साइट गौतम बुद्ध के जन्म से जुड़ी है?
(1) सारनाथ (2) लुम्बिनी
(3) कुशीनगर (4) बोधगया
SSC मल्टी टास्किंग (नन-टेक्निकल) स्टाफ परीक्षा, 08.08.2019 (प्रथम पाली)

55. धार्मिक ग्रन्थ, त्रिपिटक किस धर्म से संबंधित है?
(1) यहूदी धर्म
(2) बौद्ध धर्म
(3) इस्लाम धर्म
(4) जैन धर्म
(SSC मल्टी टास्किंग (नन-टेक्निकल) स्टाफ परीक्षा, 13.08.2019 (प्रथम पाली)

56. हर्यंक वंश का शासक अजातशत्रु किस का पुत्र था?
(1) उदयिन (2) अनिरुद्ध
(3) बिंबिसार (4) नाग-दसक
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 03.03.2020 (द्वितीय पाली))

57. निम्नलिखित में से कौन नंद वंश का अंतिम शासक था?
(1) गोविषाणक (2) कैवर्त
(3) धनानंद (4) पांडुका
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 03.03.2020 (द्वितीय पाली))

58. हर्यंक वंश से मगध के पहले शासक _____ थे।
(1) अशोक (2) प्रसेनजित
(3) बिम्बिसार (4) अजातशत्रु
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 03.03.2020 (तृतीय पाली))

59. _____ चौथी शताब्दी ईसा पूर्व मगध की राजधानी थी।
(1) राजगृह (2) पाटलिपुत्र
(3) वाराणसी (4) मथुरा
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 04.03.2020 (प्रथम पाली))

60. चौथी शताब्दी ईसा पूर्व में, मगध की राजधानी को ______ स्थानांतरित कर दिया गया था।
(1) मथुरा (2) वाराणसी
(3) पानीपत (4) पाटलिपुत्र
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 04.03.2020 (प्रथम पाली))

61. जैन दर्शन के अनुसार, 'जीन' (Jina) शब्द का अर्थ______ है।
(1) स्वामी (2) विजेता
(3) योग्य (4) बेड़ियों से मुक्त
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 07.03.2020 (तृतीय पाली))

62. बौद्ध स्थल वैशाली और नालंदा निम्नलिखित में से किस राज्य में स्थित हैं?
(1) छत्तीसगढ़ (2) बिहार
(3) तेलंगाना (4) ओडिशा
(SSC CHSL (10+2) Tier-I (CBE) परीक्षा, 19.10.2020 (प्रथम पाली))

63. अष्ट महास्थान का तात्पर्य बुद्ध के जीवन से जुड़े आठ महत्वपूर्ण स्थानों से है। निम्न में से कौन-सा स्थान उनमें से एक नहीं है?
(1) बोध गया (2) लुम्बिनी
(3) रायगढ़ (4) सारनाथ
(SSC CAPFs SI दिल्ली पुलिस SI व CISF ASI परीक्षा, 23.11.2020(प्रथम पाली))

64. निम्न में से किसने वैशेषिक दर्शन का मूल पाठ लिखा है?
(1) कणाद (2) शंकराचार्य
(3) पतंजलि (4) जैमिनी
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 17.08.2021 (प्रथम पाली))

65. निम्न में से किस स्थल पर भगवान बुद्ध ने चार महान सत्य पर अपना प्रथम उपदेश दिया था?
(1) बोधगया (2) लुम्बिनी
(3) राजगीर (4) सारनाथ
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 20.08.2021 (प्रथम पाली))

TYPE–III

1. अर्थशास्त्र की रचना किसने की थी?
(1) धनानंद (2) कौटिल्य
(3) बिम्बिसार (4) पुष्यमित्र
(SSC CPO (SI, ASI एवं Intelligence Officer) परीक्षा–28.08.2011)

2. सेल्यूकस निकेटर पराजित किया गया था
(1) अशोक द्वारा (2) चंद्रगुप्त मौर्य द्वारा
(3) बिन्दुसार द्वारा (4) बृहद्रथ द्वारा
(FCI असिस्टेंट ग्रेड-III परीक्षा–05.02.2012 प्रथम पाली)

3. तक्षशिला विश्वविद्यालय किन दो नदियों के बीच स्थित था?
(1) सिंधु तथा झेलम (2) झेलम तथा रावी
(3) व्यास तथा सिंधु (4) सतलज तथा सिंधु
(SSC CGL Tier–I CBE (परीक्षा) 12.08.2017, तृतीय पाली)

4. युनानियों को भारत से बाहर किसने निकाला था?
(1) चंद्रगुप्त मौर्य
(2) चंद्रगुप्त विक्रमादित्य
(3) अशोक
(4) बिंदुसार
(SSC स्टेनोग्राफर ग्रेड 'C' एवं 'D' परीक्षा–16.10.2011)

5. कलिंग युद्ध किस वर्ष में हुआ था?
(1) 261 BC (2) 263 BC
(3) 232 BC (4) 240 BC
(SSC (10+2) स्तर डाटा एन्ट्री ऑपरेटर एवं LDC परीक्षा–11.12.2011 Delhi Zone)

6. प्राचीन भारत का प्रसिद्ध शासक कौन था जिसने अपने जीवन के अंतिम दिनों में जैन धर्म अपना लिया था?
(1) समुद्रगुप्त (2) बिन्दुसार
(3) चंद्रगुप्त (4) अशोक
(SSC (10+2) स्तर डाटा एन्ट्री ऑपरेटर एवं LDC परीक्षा–11.12.2011 East Zone)

7. शिलालेखों में किस राजा को देवानाम्पिया पियदस्सी (देवताओं का प्रिय) कहा गया है?
(1) अशोक (2) हर्ष
(3) बिंदुसार (4) चंद्रगुप्त मौर्य
(SSC स्नातक स्तर Tier-1 परीक्षा–01.07.2012) नॉर्थ जोन प्रथम पाली)

8. मौर्य वंश के बाद निम्नलिखित में से किसने मगध पर शासन किया?
(1) हर्यंक वंश (2) शिशुनाग वंश
(3) शुंग वंश (4) नंद वंश
(SSC स्टेनोग्राफर ग्रेड 'C' & 'D' परीक्षा 11.09.2017, प्रथम पाली)

9. 'चरक' किसके दरबार में प्रसिद्ध चिकित्सक था ?
(1) हर्ष (2) चंद्रगुप्त मौर्य
(3) अशोक (4) कनिष्क
(SSC टैक्स असिस्टेन्ट (Income Tax & Central Excise) परीक्षा–11.12.2005)
(SSC संयुक्त मैट्रिक स्तरीय प्रारंभिक परीक्षा–27.05.2001 प्रथम पाली)
(SSC डाटा एंट्री ऑपरेटर परीक्षा–02.08.2009)
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा–03.09.2016, Shift-III)

10. निम्नलिखित में से पहली बार किसने बिहार के बोध गया में महाबोधि मंदिर का निर्माण करवाया था?
(1) चन्द्रगुप्त मौर्य (2) अशोक
(3) कनिष्क (4) हर्षवर्धन
(SSC स्टेनोग्राफर ग्रेड 'C' & 'D' परीक्षा 12.09.2017, प्रथम पाली)

11. निम्नलिखित में से किसने साँची के स्तूप का निर्माण करवाया था?
(1) अशोक (2) गौतम बुद्ध
(3) चोल (4) पल्लव
(SSC CAPFs ASI व दिल्ली पुलिस SI Paper-I परीक्षा–02.07.2017, द्वितीय पाली)

12. निम्नलिखित में से वह महानतम कुषाण नेता कौन था, जो बौद्ध बन गया था ?
(1) कुज़ाला (2) वीमा
(3) कनिष्क (4) कडफिसेस
(SSC संयुक्त मैट्रिक स्तरीय प्रारंभिक परीक्षा–05.05.2002 उत्तर क्षेत्र, प्रथम पाली)
(SSC CHSL (10+2) LDC, DEO एवं PA/SA परीक्षा 06.12.2015 TF NO. 1375232, प्रथम पाली)

13. चंद्रगुप्त मौर्य के दरबार में पश्चिम-एशिया के यूनानी राजा सेल्यूकस निकेटर द्वारा भेजा गया राजदूत कौन था?
(1) ह्वेन त्सांग (2) फा–हियान
(3) मेगस्थनीज (4) अल–बिरुनी
(SSC दिल्ली पुलिस कांस्टेबल परीक्षा–15.12.2017)

14. कनिष्क किस वर्ष में राज्य सिंहासन पर आरूढ़ हुए?
(1) 108 ई० (2) 78 ई०
(3) 58 ई० (4) 128 ई०
(SSC (10+2) स्तर डाटा एन्ट्री ऑपरेटर एवं LDC परीक्षा–11.12.2011 Delhi IInd setting)

15. निम्नलिखित में किसने और कब, पहली बार अशोक के शिलालेखों का अर्थ स्पष्ट किया था?
(1) 1787 –जॉन टॉवर
(2) 1825 – चार्ल्स मेटकॉफ
(3) 1837 – जेम्स प्रिंसिप
(4) 1810 – हैरी स्मिथ
(SSC (10+2) स्तर डाटा एंट्री ऑपरेटर एवं LDC परीक्षा, 04.11.2012, प्रथम पाली)

16. संगम काल में रोमन व्यापार का केंद्र बताइए
(1) मदुरै (2) अरिकमेदु
(3) पुम्पुहर (4) मुसिरि
(SSC मल्टी टास्किंग स्टाफ परीक्षा, 10.03.2013, प्रथम पाली)

17. कुषाण काल में भारतीय और ग्रीक शैली के मिश्रण से विकसित कला शैली को किस नाम से जाना जाता है?
(1) कुषाण कला (2) फारसी कला
(3) गांधार कला (4) मुगल कला
(SSC मल्टी टास्किंग स्टॉफ परीक्षा, 17.03.2013, प्रथम पाली)
(SSC CAPF SI & CISF ASI परीक्षा, 23.06.2013)

18. राजा खारवेल किसके चेदि वंश के महानतम शासक थे?
(1) चोलमंडलम (2) कलिंग
(3) कन्नौज (4) पुरुषपुर
(SSC स्नातक स्तरीय Tire-I परीक्षा, 19.05.2013)

19. प्राचीन चोल साम्राज्य की राजधानी कहाँ पर थी?
(1) उरैयूर (2) कावेरीपट्टीनम
(3) तन्जावूर (4) मदुराई
(SSC (10+2) डाटा एंट्री ऑपरेटर एवं LDC परीक्षा, 10.11.2013, प्रथम पाली)

20. अशोक ने समूचे भारत और सीलोन में बौद्ध धर्म का प्रसार किस प्रकार किया ?
(1) त्रिरत्नों की शिक्षा देकर
(2) धर्म महामात्रों को भेज कर
(3) युद्ध करके
(4) बौद्ध भिक्षु बन कर
(SSC CGL Tier-I पुनर्परीक्षा–2013, 20.07.2014 प्रथम पाली)

21. किस शिला राजादेश में अशोक ने कलिंग युद्ध के हताहतों का उल्लेख किया हैं और युद्ध त्याग की घोषणा की हैं?
(1) मस्की राजादेश (2) शिला राजादेश XIII
(3) शिला राजादेश XI (4) शिला राजादेश X
(SSC CGL Tier-I परीक्षा 19.10.2014 प्रथम पाली)

22. बिंदुसार के शासन के दौरान अशांति कहाँ थी ?
(1) उज्जयनी (2) पुष्कलावती
(3) तक्षशिला (4) राजगृह
[SSC CHSL (10+2) DEO एवं LDC परीक्षा 02.11.2014, (पटना क्षेत्र : प्रथम पाली)]

23. 'अर्थशास्त्र' के लेखक किसके समकालीन थे ?
(1) अशोक (2) चंद्रगुप्त मौर्य
(3) समुद्रगुप्त (4) चंद्रगुप्त विक्रमादित्य
(SSC CHSL (10+2) DEO & LDC परीक्षा–16.11.2014, द्वितीय पाली)

24. सातवाहन का सबसे बड़ा शासक कौन था?
(1) शातकर्णी I (2) गौतमीपुत्र शातकर्णी
(3) सिमुक (4) हाला
(SSC (CGL) Tier-I परीक्षा 19.10.2014, TF No.-022 MH3, प्रथम पाली)

25. चंद्रगुप्त मौर्या ने अपने अंतिम दिन कहां व्यतीत किए?
(1) पाटलिपुत्र (2) थानेश्वर
(3) कांची (4) श्रवणबेलगोला
(SSC CHSL (10+2) LDC, DEO एवं PA/SA परीक्षा 06.12.2015 TF NO. 3441135, द्वितीय पाली)

26. निम्नलिखित में से कौन शासक कुषाण वंश से था ?
(1) विक्रमादित्य (2) दन्तीदुर्ग
(3) कडफिसेस I (4) पुष्यमित्र
(SSC CAPFs (CPO) SI & ASI एवं दिल्ली पुलिस परीक्षा-20.03.2016 द्वितीय पाली)

27. सातवाहन साम्राज्य के संस्थापक कौन थे ?
(1) कान्हा (2) सिमुक
(3) हाल (4) गौतमी पुत्र
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा-30.08.2016 द्वितीय पाली)

28. गांधार कला किन दो कलाओं का संयोजन है?
(1) हिन्द-रोमन (2) हिन्द - यूनानी
(3) हिन्द-इस्लामिक (4) हिन्द-चीनी
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा-31.08.2016 द्वितीय पाली)

29. संगम साहित्य के संरक्षक कौन थे?
(1) नायक (2) चंदेल
(3) पांड्य (4) सोलंकी
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा-31.08.2016, Shift-III)

30. अशोक के शिलालेख पर किसी लिपि का प्रयोग किया गया था?
(1) ब्राह्मी (2) देवनागरी
(3) गुरमुखी (4) संस्कृत
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा-02.09.2016, Shift-III)

31. मौर्य साम्राज्य की राजधानी कहाँ स्थित थी?
(1) पाटलिपुत्र (2) वैशाली
(3) लुम्बिनी (4) गया
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा-04.09.2016, Shift-III)

32. भारतीय कला का वह कौन-सा स्कूल है जो, 'ग्रीको-रोमन, बौद्ध आर्ट" के नाम से भी जाना जाता है?
(1) मौर्य (2) शुंग
(3) गांधार (4) गुप्त
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा-07.09.2016, Shift-II)

33. धम्म की शिक्षा देने के लिए अशोक ने किन पदाधिकारियों की नियुक्ति की थी?
(1) धम्म गुरु (2) धम्म योगी
(3) धम्म आचार्य (4) धम्म महामात्र
(SSC दिल्ली पुलिस कांस्टेबल परीक्षा–15.12.2017)

34. संगम युग का तोल्किापियम् ______ साहित्य का सबसे बड़ा कार्य है।
(1) तमिल (2) तेलुगु
(3) संस्कृत (4) कन्नड़
(SSC Scientific Assistant (CS) Exam, 24.11.2017 (IInd Sitting)

35. भारत सरकार के प्रतीक में निम्नलिखित में से कौन मौर्य वंश से अपनाया नहीं गया था?
(1) सत्यमेव जयते (2) सांड
(3) घोड़ा (4) चार शेर
(SSC JE (Civil) Exam, 23.01.2018 (Ist Sitting)

36. नंद राजवंश का संस्थापक कौन था?
(1) धनानंद (2) महेंद्र
(3) महापद्म नंद (4) गजानंद
(SSC JE (Civil) Exam, 24.01.2018 (Ist Sitting)

37. निम्नलिखित शासकों में से किसके लिए 'एका ब्राह्मण' प्रयुक्त हुआ है?
(1) खारवेल (2) सुशर्मन
(3) पुष्यमित्र सुंग (4) गौतमीपुत्र शातकर्णी
(SSC JE (Civil) Exam, 25.01.2018 (Ist Sitting)

38. ग्रीक (यूनानी) लेखकों, द्वारा "अग्रमीज" या "जैन्ड्रमीज" किसे कहा गया है?
(1) अजातशत्रु (2) कालाशोक
(3) महापद्मनंद (4) धनानंद
(SSC JE (Civil) Exam, 27.01.2018 (Ist Sitting)

39. निम्नलिखित में से किसकी जानकारी अशोक के शिलालेखों से मिलती है?
(1) जीवन वृत्त (2) आंतरिक नीति
(3) विदेशी नीति (4) सभी विकल्प सही हैं
(SSC CHSL (10+2) Tier-I (CBE) परीक्षा–04.03.2018, प्रथम पाली)

40. निम्नलिखित में से किसने साँची के स्तूप का निर्माण करवाया था?
(1) अशोक (2) गौतम बुद्ध
(3) चोल (4) पल्लव
(SSC CAPFs ASI व दिल्ली पुलिस SI परीक्षा, पेपर-I (द्वितीय पाली) 02.07.2017)

41. कुषाण साम्राज्य के संस्थापक कौन थे?
(1) कनिष्क
(2) विमा कडफिसेस
(3) कुजुल कडफिसेस
(4) वंशिष्क
(SSC CAPFs ASI व दिल्ली पुलिस SI परीक्षा, (तृतीय पाली) 07.07.2017)

42. सारनाथ स्तंभ के ऊपर रखे हुए शेर जिन्हें हम अपने नोटों पर देखते हैं वास्तविकता में किस पदार्थ पर नक्काशित हैं?
(1) काँच (2) पत्थर
(3) लोहा (4) ताँबा
(SSC मल्टी-टास्किंग स्टाफ परीक्षा, (तृतीय पाली) 21.10.2017)

43. सारनाथ स्तंभ का चक्र निम्न में से किसे इंगित करता है?
(1) कानून (2) क्रान्ति
(3) प्रगति (4) धर्म
(SSC CHSL (10 + 2) Tier-I CBE परीक्षा, (तृतीय पाली) 04.03.2018)

44. निम्न में से कौन-सा तत्व धम्म में वर्णित नहीं था?
(1) माता-पिता का आज्ञा पालन
(2) दान-पुण्य
(3) भातृ-भाव
(4) संघ के प्रति आस्था
(SSC CHSL (10 + 2) Tier-I CBE परीक्षा, (प्रथम पाली) 06.03.2018)

45. "धमेख स्तूप" निम्नलिखित में से किस स्थान पर स्थित है?
(1) बोध गया (2) सारनाथ
(3) सांची (4) कौशाम्बी
(SSC CHSL (10 + 2) Tier-I CBE परीक्षा, (प्रथम पाली) 10.03.2018)

46. चोल साम्राज्य के संस्थापक का नाम बताइए जिसने तंजौर पर कब्जा किया और जिसके बाद आदित्य I राजा बना ?
(1) गंडारादित्य (2) उत्तम
(3) राजाधिराज (4) विजयालय
SSC CAPFs, NIA, SSF कांस्टेबल (GD) एवं असम राइफल्स राइफलमैन (GD) परीक्षा, 05.03.2019(प्रथम पाली)

47. सारनाथ में स्थित _______ स्तूप का निर्माण महान मौर्य सम्राट अशोक ने किया था, यह भारत में स्थित प्रमुख बौद्ध संरचनाओं में से एक है।

(1) धौली (2) धमेख

(3) भरूत (4) ललितगिरि

(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 10.06.2019 (प्रथम पाली))

48. भारत में चट्टानों को काटकर बनाई गई सबसे पुराने बची हुई 'बाराबर गुफाएँ' निम्नलिखित में से किस काल की है?

(1) चोल वंश (2) गुप्त साम्राज्य

(3) मौर्य साम्राज्य (4) चेरा वंश

SSC CHSL (10+2) Tier-I परीक्षा, 04.07.2019 (द्वितीय पाली)

49. सिकंदर ने भारत पर ________ में हमला किया था।

(1) 467 ई. पू.

(2) 323 ई. पू.

(3) 454 ई. पू.

(4) 326 ई. पू.

SSC CHSL (10+2) Tier-I परीक्षा, 05.07.2019 (तृतीय पाली)

50. तमिल महाकाव्य 'सिलप्पदिकारम' का लेखन किसने किया है?

(1) सतनार (2) इलंगो आदिगल

(3) तिरुवल्लुवर (4) अव्वैयर

SSC CHSL (10+2) Tier-I परीक्षा, 11.07.2019 (द्वितीय पाली)

51. निम्नलिखित में से किसे 'देवानाम पिय' के नाम से जाना जाता है?

(1) कनिष्क (2) अमोघवर्ष

(3) अशोक (4) खारवेल

SSC CHSL (10+2) Tier-I परीक्षा, 11.07.2019 (द्वितीय पाली)

52. प्राचीन भारत में गांधार कला किस साम्राज्य के समय विकसित हुई।

(1) कुषाण (2) गुप्त

(3) मौर्य (4) चोल

SSC मल्टी टास्किंग स्टाफ परीक्षा, 07.08.2019 (प्रथम पाली)

53. निम्नलिखित में से कौन-से स्तंभ शैलकर्तित स्तंभों को दर्शाते हैं?

(1) अकामिनियन स्तंभ

(2) गोथिक स्तंभ

(3) मौर्य स्तंभ

(4) फारसी स्तंभ

(SSC मल्टी टास्किंग (नन-टेक्निकल) स्टाफ परीक्षा, 13.08.2019 (प्रथम पाली)

54. तीन विभिन्न कालों, अर्थात् मौर्य काल, गुप्त काल और मुगल काल के शिलालेखों से युक्त एक स्तंभ कहाँ स्थित है?

(1) लौरिया नंदनगढ़ में

(2) टोपरा में

(3) इलाहाबाद (प्रयागराज में)

(4) रुम्मिनदेई में

(SSC CAPFs SI, दिल्ली पुलिस SI व CISF ASI परीक्षा, 11.12.2019(प्रथम पाली))

55. तोल्काप्पियर _____ भाषा के एक प्रसिद्ध प्राचीन वैयाकरण हैं।

(1) तमिल (2) तेलुगु

(3) कन्नड़ (4) उड़िया

(SSC CAPFs SI, दिल्ली पुलिस SI व CISF ASI परीक्षा, 11.12.2019(प्रथम पाली))

56. लगभग 600 वर्षों तक परित्यक्त रहने के बाद सांची की खोज किस वर्ष की गई?

(1) 1816 में (2) 1818 में

(3) 1814 में (4) 1820 में

(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 03.03.2020 (प्रथम पाली))

57. गुजरात में _____ झील वस्तुत: एक कृत्रिम जलाशय है जो मौर्यों के शासन के दौरान बनाया गया था।

(1) लोनार (2) लोकटक

(3) सुदर्शन (4) पुष्कर

(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 04.03.2020 (प्रथम पाली))

58. विक्रम संवत् कब आरंभ हुआ था?

(1) ई.पू. 57 में (2) ई.पू. 55 में

(3) ई.पू. 50 में (4) ई.पू. 47 में

(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 06.03.2020 (प्रथम पाली))

59. इनमें से किस राज्य में अशोक की जौगढ़ शिला राजाज्ञा (Rock Edict) स्थित है?

(1) ओडिशा (2) उत्तराखंड

(3) आंध्र प्रदेश (4) गुजरात

(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 07.03.2020 (तृतीय पाली))

60. कौन-सा मौर्य शासक बौद्ध धर्म का अनुयायी बना?

(1) समुद्रगुप्त (2) बृहद्रथ

(3) अशोक (4) चंद्रगुप्त

(SSC CHSL (10+2) Tier-I (CBE) परीक्षा, 19.10.2020 (प्रथम पाली))

61. प्राचीन भारत में वाकाटक राजवंश के संस्थापक कौन थे ?

(1) सर्वसेन (2) विंध्यशक्ति

(3) प्रवरसेन प्रथम (4) रुद्रसेन प्रथम

(दिल्ली पुलिस कांस्टेबल परीक्षा, 02.12.2020 (तृतीय पाली))

62. निम्न में से किस शासक ने अपनी प्रजा और अधिकारियों के लिए पत्थर की सतहों पर अपने संदेश उत्किर्णित किए थे?

(1) अशोक (2) चंद्रगुप्त प्रथम

(3) बिन्दुसार (4) चंद्रगुप्त मौर्य

(SSC CHSL (10+2) Tier-I (CBE) परीक्षा, 19.04.2021 (प्रथम पाली))

63. चंद्रगुप्त ने...... के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व किया और उन्हें पराजित कर दिया।

(1) शिशुनाग (2) कुषाण

(3) हर्यक (4) नंद

(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 18.08.2021 (प्रथम पाली))

64. 'कंटकशोधन' नामक न्यायालय का प्रचलन ... . साम्राज्य में था।

(1) कुषाण (2) मौर्य

(3) चोल (4) राष्ट्रकूट

(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 20.08.2021 (प्रथम पाली))

65. अशोक के लघु शिलालेख भारत के विभिन्न भागों में पाए गए हैं। कर्नाटक के निम्नलिखित में से कौन-से स्थल पर अशोक के लघु शिलालेख नहीं मिले हैं?

(1) ब्रह्मगिरी (2) गविमठ

(3) रूपनाथ (4) मस्की

(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 21.04.2022 (प्रथम पाली))

TYPE–IV

1. "भारतीय नेपोलियन" की उपाधि किसे दी गई है?

(1) चंद्रगुप्त मौर्य (2) समुद्रगुप्त

(3) चंद्रगुप्त प्रथम (4) हर्षवर्धन

(SSC सी.पी.ओ. सब-इंस्पेक्टर परीक्षा–05.09.2004)

(SSC स्टेनोग्राफर ग्रेड 'C' एवं 'D' परीक्षा–26.09.2010)

(SSC मल्टी टास्किंग स्टाफ परीक्षा–16.02.2014)

2. पहला ज्ञात गुप्त शासक कौन था ?

(1) श्री गुप्त

(2) चंद्रगुप्त प्रथम

(3) घटोत्कच

(4) कुमारगुप्त प्रथम

(SSC संयुक्त स्नातक स्तरीय प्रारम्भिक परीक्षा–13.11.2005 प्रथम पाली)

(SSC CGL Tier-I परीक्षा 09.08.2015, द्वितीय पाली TF No. 4239378)

(SSC संयुक्त मैट्रिक स्तरीय प्रारंभिक परीक्षा–21.05.2000 मध्य प्रदेश, रायपुर प्रथम पाली)

3. चीनी यात्री फा-हियान किस गुप्त शासक के शासन काल के दौरान भारत आया था ?

(1) चंद्रगुप्त प्रथम (2) समुद्रगुप्त

(3) चंद्रगुप्त द्वितीय (4) कुमार गुप्त

(SSC सी.पी.ओ.सब-इंस्पेक्टर परीक्षा–09.11.2008)

(SSC संयुक्त स्नातक स्तरीय Tier-I परीक्षा–19.06.2011 प्रथम पाली)

4. इलाहाबाद स्तंभ शिलालेख किसने बनवाया था?

(1) हरिसेन (2) महासेन

(3) वीरसेन (4) विष्णुसेन

(SSC CHSL (10+2) LDC, DEO एवं PA/SA परीक्षा 15.11.2015 TF NO. 7203752, द्वितीय पाली)

5. कवि कालिदास किसके राजकवि थे?

(1) चन्द्रगुप्त मौर्य (2) समुद्रगुप्त

(3) चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य

(4) हर्ष

(SSC संयुक्त मैट्रिक स्तरीय प्रार्रभिक परीक्षा–24.10.1999 प्रथम पाली)

(SSC (10+2) स्तर डाटा एंट्री ऑपरेटर एवं LDC परीक्षा, 28.10.2012, प्रथम पाली)

6. राजा हर्ष ने अपनी राजधानी ....से .... स्थानान्तरित की थी।

(1) थानेसर, कन्नौज (2) दिल्ली, देवगिरि

(3) कम्बोज, कन्नौज (4) वल्लभि, दिल्ली

(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा–09.09.2016, Shift-II)

7. आर्यभट्ट और कालिदास किस 'गुप्त' शासक के दरबार में थे?

(1) कुमारागुप्त I (2) चन्द्रगुप्त II

(3) समुद्रगुप्त (4) स्कन्दगुप्त

(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा–03.09.2016, Shift-II)

8. निम्नलिखित में किनके सिक्के संगीत के प्रति उनका प्रेम दर्शाते हैं?

(1) मौर्यों के (2) नन्दों के

(3) गुप्तों के (4) चोलों के

(SSC (10+2) स्तर डाटा एन्ट्री ऑपरेटर एवं LDC परीक्षा–11.12.2011 Delhi Zone)

9. नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना किसके द्वारा की गई ?

(1) हर्षवर्धन

(2) कुमार गुप्त

(3) समुद्र गुप्त

(4) चंद्र गुप्त

(SSC दिल्ली पुलिस सब इंस्पेक्टर परीक्षा–19.08.2012)

(SSC Delhi Police सब इंस्पेक्टर परीक्षा, 19.08.2012, Paper-I)

10. बाणभट्ट निम्नलिखित में से किस सम्राट के राजदरबारी कवि थे ?

(1) विक्रमादित्य (2) कुमारगुप्त

(3) हर्षवर्द्धन (4) कनिष्क

(SSC संयुक्त स्नातक स्तरीय प्रारम्भिक परीक्षा–04.07.1999 द्वितीय पाली)

(SSC संयुक्त मैट्रिक स्तरीय प्रारंभिक परीक्षा–21.05.2000 प्रथम पाली)

(SSC (10+2) स्तर डाटा एन्ट्री ऑपरेटर एवं LDC परीक्षा–04.12.2011)

(SSC CGL Tier–I CBE (परीक्षा) 08.08.2017, प्रथम पाली)

11. निम्नलिखित में से किस अभिलेख/शिलालेख में सती प्रथा का प्राचीनतम संदर्भ मिलता है?

(1) इलाहाबाद स्तंभ शिलालेख

(2) भानुगुप्त का एरण शिलालेख

(3) पुलकेसिन द्वितीय का ऐहोल स्थित शिलालेख

(4) भानुगुप्त का भितान शिलालेख

(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा–01.09.2016 द्वितीय पाली)

12. 'हर्ष चरित' निम्नलिखित में से किसके द्वारा लिखी गई थी ?

(1) कालिदास (2) बाणभट्ट

(3) वाल्मीकि (4) व्यास

(SSC संयुक्त मैट्रिक स्तरीय प्रार्रभिक परीक्षा–05.05.2002 पूर्व क्षेत्र, प्रथम पाली)

(SSC मल्टी टास्किंग स्टॉफ परीक्षा, 17.03.2013, द्वितीय पाली)

13. अजंता और एलोरा की गुफाएँ भारत के किस राज्य में स्थित हैं?

(1) केरल (2) ओडिशा

(3) महाराष्ट्र (4) जम्मू और कश्मीर

(SSC CGL Tier–I CBE (परीक्षा) 20.08.2017, तृतीय पाली)

14. वराहमिहिर कौन/क्या है?

(1) खगोलज्ञ (2) अंतरिक्ष यात्री

(3) अंतरिक्ष शटल (4) पावर स्टेशन

(SSC (10+2) स्तर डाटा एंट्री ऑपरेटर एवं LDC परीक्षा, 28.10.2012, प्रथम पाली)

15. शून्य के सिद्धांत का प्रतिपादन किसने किया ?

(1) चरक (2) चाणक्य

(3) आर्यभट्ट (4) वराहमिहिर

(SSC मल्टी टास्किंग स्टाफ परीक्षा, 10.03.2013)

16. चीनी यात्री 'सुंग यून' भारत कब आया था?

(1) 510 ई. (2) 518 ई.

(3) 525 ई. (4) 558 ई.

(SSC JE (Civil) Exam, 22.01.2018 (Ist Sitting)

(SSC JE (Civil) Exam, 22.01.2018 (IInd Sitting)

17. अलवार संतों का आविर्भाव निम्नलिखित में से किस आधुनिक राज्य से हुआ?

(1) तमिलनाडु (2) केरल

(3) कर्नाटक (4) महाराष्ट्र

(SSC मल्टी टास्किंग स्टाफ परीक्षा, 24.03.2013, प्रथम पाली)

18. लिच्छवी दौहित्र किसे कहते हैं

(1) चन्द्रगुप्त I को (2) स्कंदगुप्त को

(3) कुमारगुप्त को (4) समुद्रगुप्त को

(SSC स्नातक स्तरीय Tire-I परीक्षा, 21.04.2013)

19. ओदन्तपुरी शिक्षा केन्द्र निम्नलिखित में से किस राज्य में अवस्थित था _____।

(1) बंगाल (2) गुजरात

(3) बिहार (4) तमिलनाडु

(SSC JE (Civil) Exam, 22.01.2018 (Ist Sitting)

20. गुप्तकाल (शासन) के दौरान निम्नलिखित में से कौन-सा सिक्का चाँदी में जारी किया गया था ?

(1) काकिनी (2) निष्का

(3) रुपयाका (4) दीनार

(SSC CGL Tier-I परीक्षा 19.10.2014)

21. हर्षवर्धन का समकालीन दक्षिण भारतीय शासक कौन था ?

(1) कृष्णदेवराय

(2) पुलकेशिन II

(3) मयूरवर्मा

(4) चिक्कादेवराज वोडेयार

(SSC CHSL (10+2) DEO एवं LDC परीक्षा 02.11.2014, द्वितीय पाली)

22. निम्नलिखित में से क्या राष्ट्रकूटों का सर्वाधिक चिरस्थायी योगदान है ?

(1) कैलाश मंदिर

(2) कन्नड़ काव्य के तीन कवि पंपा, पोन्ना और रान्ना तथा कैलाश मंदिर

(3) जैनवाद का संरक्षण

(4) विजय

(SSC CHSL (10+2) DEO एवं LDC परीक्षा, 09.11.2014)

23. रविकीर्ति, जो एक जैन थे और जिन्होंने एहोल प्रशस्ति की रचना की थी, को किसका संरक्षण प्राप्त था ?

(1) पुलकेशिन I (2) हर्ष

(3) पुलकेशिन II (4) खारवेल

(SSC CHSL (10+2) DEO एवं LDC परीक्षा, 09.11.2014)

24. किसके शासन काल के दौरान अजंता की गुफाएँ निर्मित की गईं ?

(1) गुप्त (2) कुषाण

(3) मौर्य (4) चालुक्य

(SSC CHSL (10+2) DEO & LDC परीक्षा–16.11.2014, द्वितीय पाली)

25. निम्नलिखित में से कौन-सा शिलालेख 'प्रयाग प्रशस्ति' के नाम से जाना जाता है?

(1) मेहरौली शिलालेख
(2) इलाहाबाद स्तंभ शिलालेख
(3) हाथीगुम्फा शिलालेख
(4) ऐहोल शिलालेख

(SSC (10+2) स्टेनोग्राफर ग्रेड-'C' एवं 'D' परीक्षा 31.01.2016, TF No. 3513283)

26. प्राचीन भारत में प्राचीनतम बौद्ध विश्वविद्यालय का नाम बताइए।

(1) तक्षशिला (2) नालन्दा
(3) ओदंतपुरी (4) कांची

(SSC CAPFs SI, CISF ASI तथा दिल्ली पुलिस SI परीक्षा 22.06.2014)

27. द्वितीय पांड्यन साम्राज्य के भूमि माप का उल्लेख किसमें किया गया है?

(1) थलवईपुरम ताँबे की प्लेटों
(2) उत्तरमेरूर शिलालेख
(3) कुडुमियमलई शिलालेख
(4) कसाकुडी ताँबे की प्लेटों

(SSC (CGL) Tier-I परीक्षा 19.10.2014, TF No.-022 MH3, प्रथम पाली)

28. गुप्त वंश का अंतिम शासक कौन था?

(1) पुरुगुप्त (2) विष्णु गुप्त
(3) स्कंद गुप्त (4) कुमार गुप्त

(SSC JE (Civil) Exam, 23.01.2018 (IInd Sitting)

29. चालुक्य शासक पुलकेशिन की हर्षवर्धन पर विजय का वर्ष _________ था।

(1) 612 ईस्वी (2) 618 ईस्वी
(3) 622 ईस्वी (4) 634 ईस्वी

(SSC JE (Civil) Exam, 25.01.2018 (Ist Sitting)

30. महाराजाधिराज की उपाधि लेने वाला प्रथम गुप्त शासक कौन था?

(1) चन्द्रगुप्त प्रथम
(2) समुद्रगुप्त
(3) कुमारगुप्त
(4) स्कन्दगुप्त

(SSC JE (Civil) Exam, 27.01.2018 (IInd Sitting)

31. कलिंग नरेश खारवेल का संबंध निम्नलिखित किस राजवंश से था?

(1) महामेघवाहन वंश
(2) हर्यंक वंश
(3) रठ-भोजक वंश
(4) सातवाहन वंश

(SSC JE (Civil) Exam, 29.01.2018 (IInd Sitting)

32. हर्षवर्धन की वल्लभी विजय निम्नलिखित शिलालेखों में से किस में पाया गया है?

(1) ऐहोल स्तंभ शिलालेख
(2) जूनागढ़ शिलालेख
(3) नवसारी ताम्रपत्र शिलालेख
(4) दामोदरपुर ताम्रपत्र शिलालेख

(SSC CHSL (10+2) Tier-I (CBE) परीक्षा–05.03.2018, प्रथम पाली)

33. पूर्व गुप्तकाल में निम्न में से कौन-सी वस्तु निर्यात की सामग्री **नहीं** थी?

(1) लोहा (2) सोना
(3) टिन (4) चांदी

(SSC CHSL (10 + 2) Tier-1 CBE परीक्षा, (तृतीय पाली) 07.03.2018)

34. निम्नलिखित में से किसके शासन काल में ह्वेनसांग ने पल्लवों की राजधानी कांचीपुरम का भ्रमण किया था?

(1) महेन्द्र वर्मन I
(2) महेन्द्र वर्मन II
(3) नरसिंह वर्मन I
(4) परमेश्वर वर्मन II

(SSC CHSL (10 + 2) Tier-I CBE परीक्षा, (तृतीय पाली) 26.03.2018)

35. निम्न में से उस राज्य का नाम बताइए जो चंद्रगुप्त प्रथम को लिच्छवियों से दहेज में मिला था।

(1) उज्जैन (2) पाटलिपुत्र
(3) प्रयाग (4) साकेत

(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 04.06.2019 (द्वितीय पाली))

36. गुप्त काल के दौरान, सोने के सिक्कों को निम्न नाम से पुकारा जाता था?

(1) रुपका (2) टंका
(3) ड्रामा (4) दिनारस (दीनार)

SSC CHSL (10+2) Tier-I परीक्षा, 03.07.2019 (द्वितीय पाली)

37. निम्नलिखित में से किसने 618 CE में हर्षवर्धन को हराया था?

(1) चंद्रगुप्त प्रथम
(2) पुलकेशिन द्वितीय
(3) पुष्यमित्र
(4) सिकंदर

SSC CHSL (10+2) Tier-I परीक्षा, 05.07.2019 (द्वितीय पाली)

38. गुप्त वंश के अंतिम स्वीकृत सम्राट ___ थे।

(1) समुद्रगुप्त (2) बिम्बिसार
(3) अशोक (4) विष्णुगुप्त

(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 03.03.2020 (तृतीय पाली))

39. गुप्त शासकों ने _______ नामक एक कर लगाया, जो हल कर था और इसे प्रत्येक उस खेतिहर से लिया जाता था जो एक हल रखता था।

(1) हिरण्य (2) शुल्क
(3) हलिवा कर (4) कर

(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 03.03.2020 (तृतीय पाली))

40. तीर्थयात्रियों के राजकुमार के रूप में प्रतिष्ठित ह्वेन त्सांग ने सम्राट ____ के शासनकाल के दौरान भारत का दौरा किया था।

(1) अशोक (2) विष्णुगुप्त
(3) समुद्रगुप्त (4) हर्ष

(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 03.03.2020 (तृतीय पाली))

41. राजा हर्षवर्धन ने अपने भाई _____ की मृत्यु के बाद थानेश्वर और कन्नौज के सिंहासन पर प्रभुत्व स्थापित किया।

(1) इंद्रवर्धन (2) सूर्यवर्धन
(3) राज्यवर्धन (4) चंद्रवर्धन

(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 04.03.2020 (प्रथम पाली))

42. हर्षचरित कन्नौज के शासक हर्षवर्धन की जीवनी है, जो उनके दरबारी कवि _____ द्वारा संस्कृत में रचित है।

(1) दंडी (2) कंबन
(3) बाणभट्ट (4) जिनसेन

(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 04.03.2020 (प्रथम पाली))

43. किस स्तंभ शिलालेख में समुद्रगुप्त की उपलब्धियाँ अभिलिखित की गई हैं, जो अपनी विजय के लिए 'नेपोलियन ऑफ इंडिया' के नाम से जाने जाते थे?

(1) लौह स्तंभ
(2) सूर्य स्तंभ
(3) विजय स्तंभ
(4) इलाहाबाद स्तंभ

(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 04.03.2020 (द्वितीय पाली))

44. पुष्यभूति, जिन्होंने थानेश्वर से शासन किया था, ...राजवंश के संस्थापक थे।

(1) वर्धन (2) चेर
(3) पाण्ड्य (4) चालुक्य

(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 17.08.2021 (प्रथम पाली))

45. _______ प्राचीन भारत का एक महत्वपूर्ण बंदरगाह शहर था।

(1) ताम्रलिप्ति (2) श्रावस्ती
(3) अहिच्छत्र (4) चंपा

(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 11.04.2022 (प्रथम पाली))

TYPE–V

1. निम्नलिखित में से क्या अजन्ता गुफाओं के संबंध में सही नहीं है?
(1) वे महाराष्ट्र में स्थित हैं
(2) वे बौद्ध कला से सज्जित हैं
(3) वे प्राचीन भारत में प्रयुक्त तकनीकों को दर्शाती हैं
(4) उनमें फूल-पत्तियों के चित्र नहीं हैं
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा-01.09.2016, Shift-III)

2. मूलत: चचनामा किस भाषा में लिखा गया था?
(1) तुर्की (2) प्राकृत
(3) अरबी (4) फारसी
(SSC स्नातक स्तर Tier-1 परीक्षा-08.07.2012) नॉर्थ जोन द्वितीय पाली)

3. महाबलिपुरम के रथों का निर्माण किसके शासन काल में हुआ था ?
(1) पालों के (2) चोलों के
(3) राष्ट्रकूटों के (4) पल्लवों के
(SSC सेक्शन ऑफिसर (ऑडिट) परीक्षा-05.06.2005)
(SSC संयुक्त स्नातक स्तरीय प्रारम्भिक परीक्षा-27.07.2008 प्रथम पाली)
(SSC संयुक्त मैट्रिक स्तरीय प्रारंभिक परीक्षा-24.10.1999 प्रथम पाली)
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा-28.08.2016 द्वितीय पाली)

4. एलोरा में सुविख्यात कैलाश शिव-मन्दिर का निर्माण किस राष्ट्रकूट शासक ने करवाया था?
(1) दन्तिदुर्ग (2) अमोघवर्ष-I
(3) कृष्ण - I (4) वत्सराज
(SSC संयुक्त मैट्रिक स्तरीय प्रारंभिक परीक्षा-21.05.2000 मध्य प्रदेश, रायपुर प्रथम पाली)
(SSC (CGL) Tier-I परीक्षा 19.10.2014, TF No.-022 MH3, प्रथम पाली)
(SSC CHSL (10+2) LDC, DEO एवं PA/SA परीक्षा 15.11.2015 TF NO. 7203752, द्वितीय पाली)

5. महाबलीपुरम की स्थापना किसने की थी?
(1) पल्लव (2) पांड्य
(3) चोल (4) चालुक्य
(SSC संयुक्त स्नातक स्तरीय प्रारम्भिक परीक्षा-24.02.2002 मध्य क्षेत्र)
(SSC स्टेनोग्राफर ग्रेड 'C' & 'D' परीक्षा 14.09.2017, प्रथम पाली)

6. पल्लवों की राजधानी का नाम था
(1) काँची (2) वातापी
(3) त्रिचनापल्ली (4) महाबलीपुरम
(SSC सेक्शन ऑफिसर (कमर्शियल ऑडिट) परीक्षा-30.09.2007)
(SSC मल्टी-टास्किंग स्टाफ परीक्षा 17.09.2017, तृतीय पाली)

7. महाबलीपुरम में रथ मन्दिरों का निर्माण किस पल्लव शासक के शासनकाल में हुआ था ?
(1) महेन्द्रवर्मन प्रथम (2) नरसिंहवर्मन प्रथम
(3) परमेश्वर प्रथम (4) नन्दीवर्मन प्रथम
(SSC संयुक्त मैट्रिक स्तरीय प्रारम्भिक परीक्षा-30.03.2008 प्रथम पाली)
(SSC (10+2) स्तर डाटा एंट्री ऑपरेटर एवं LDC परीक्षा, 04.11.2012, द्वितीय पाली)
(SSC CHSL (10+2) Tier-I (CBE) परीक्षा-30.01.2017, तृतीय पाली)

8. निम्नलिखित में से किसने तंजौर में बृहदेश्वर मंदिर का निर्माण कराया था ?
(1) आदित्य चोल (2) राज राज चोल
(3) राजेन्द्र चोल (4) करिकाला चोल
(SSC संयुक्त मैट्रिक स्तरीय प्रारंभिक परीक्षा-05.05.2002 पूर्व क्षेत्र, प्रथम पाली)
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा-06.09.2016, Shift-III)

9. निम्नलिखित में से किस चोल राजा ने लंका (सिंहल) को पहले जीता था ?
(1) आदित्य प्रथम (2) राजराज प्रथम
(3) राजेन्द्र (4) विजयाल्य
(SSC संयुक्त मैट्रिक स्तरीय प्रारम्भिक परीक्षा-30.03.2008 प्रथम पाली)
(SSC JE (Civil) Exam, 27.01.2018 (Ist Sitting)

10. गंगा को उत्तर से दक्षिण ले जाने वाला चोल राजा कौन-सा था ?
(1) राजा राज चोल (2) महेंद्र
(3) परांतक (4) राजेन्द्र चोल
(SSC डाटा एंट्री ऑपरेटर एवं एलडीसी परीक्षा-27.11.2010)
(SSC मल्टी टास्किंग स्टॉफ परीक्षा-14.05.2017, प्रथम पाली)

11. निम्नलिखित व्यक्ति और घटना का सही मेल बताएँ :

	व्यक्ति	**घटना**
i.	सुल्तान मोहम्मद	सोमनाथ की लूटपाट
ii.	मोहम्मद गोरी	सिंध विजय
iii.	अलाउद्दीन खिलजी	बंगाल में विद्रोह
iv.	मोहम्मद बिन तुगलक	चंगेज खाँ की चढ़ाई

(1) i और iii (2) केवल ii
(3) केवल i (4) ii और iv
(SSC (10+2) स्तर डाटा एन्ट्री ऑपरेटर एवं LDC परीक्षा-04.12.2011 East Zone)

12. निम्नलिखित में से किसने सोमनाथ मंदिर पर आक्रमण किया था ?
(1) महमूद गजनी (2) मुहम्मद गोरी
(3) इल्तुतमिश (4) कुतुबुद्दीन ऐबक
(SSC दिल्ली पुलिस सब इंस्पेक्टर परीक्षा-19.08.2012)

13. चोलवंश में ग्राम प्रशासन के बारे में किस शिलालेख में उल्लेख मिलता है ?
(1) जूनागढ़ (2) उत्तरमेरुर
(3) ऐहोल (4) नासिक
(SSC मल्टी टास्किंग स्टाफ परीक्षा, 10.03.2013)
(SSC स्नातक स्तरीय Tier-I परीक्षा, 19.05.2013)

14. किस पल्लव शासक के शासन-काल में पल्लवों और चालुक्यों के बीच लंबा संघर्ष शुरू हो गया था?
(1) महेन्द्रवर्मन I (2) सिंहविष्णु
(3) नरसिम्हावर्मन I (4) महेन्द्रवर्मन II
(SSC मल्टी टास्किंग स्टॉफ परीक्षा, 17.03.2013, कोलकाता क्षेत्र)
(SSC मैट्रिक स्तरीय मल्टी टास्किंग स्टाफ परीक्षा, 24.03.2013, द्वितीय पाली)

15. सिंध पर विजय प्राप्त करने वाले अरब सेना के सेनापति का नाम बताइए।
(1) अल-हज्जाज
(2) कुतुबुद्दीन ऐबक
(3) अलाउद्दीन खिलजी
(4) मुहम्मद बिन कासिम
(SSC मल्टी टास्किंग स्टॉफ परीक्षा, 17.03.2013, प्रथम पाली)

16. निम्नलिखित का मिलान कीजिए :

(A)	चालुक्य	(i)	मालखेड़
(B)	होयसल	(ii)	वातापी
(C)	राष्ट्रकूट	(iii)	वारंगल
(D)	काकतीय	(iv)	द्वारसमुद्र

(1) (A)-(ii) (B)-(iv) (C)-(i) (D)-(iii)
(2) (A)-(iv) (B)-(iii) (C)-(i) (D)-(ii)
(3) (A)-(i) (B)-(ii) (C)-(iii) (D)-(iv)
(4) (A)-(iii) (B)-(ii) (C)-(iv) (D)-(i)
(SSC CAPF SI & CISF ASI परीक्षा, 23.06.2013)

17. निम्न में से कौन-सा शिलालेख चालुक्य सम्राट, पुलकेशिन-II से सम्बन्धित है?
(1) मास्की (2) हाथीगुफा
(3) एहोल (4) नासिक
(SSC (10+2) डाटा एंट्री ऑपरेटर एवं LDC परीक्षा, 20.10.2013)

18. अरबियों ने मुल्तान को क्या नाम दिया था?
(1) सौंदर्य नगरी (2) सम्पदा नगरी
(3) स्वर्ण नगरी (4) गुलाबी नगरी
(SSC (CGL) Tier-I परीक्षा 19.10.2014, TF No.-022 MH3, प्रथम पाली)

19. निम्नलिखित में से कौन सी पुस्तक राष्ट्रकूट के राजा अमोघवर्ष ने लिखी थी?
(1) आदिपुराण (2) गणितसार संग्रह
(3) शाकटायन (4) कविराजमार्ग
(SSC (CGL) Tier-I परीक्षा 19.10.2014, TF No.-022 MH3, प्रथम पाली)

20. काँचीपुरम में प्रसिद्ध वैकुंठ पेरूमल मंदिर किसने बनवाया था?
(1) नरसिम्हा वर्मन II
(2) परमेश्वर वर्मन II
(3) नन्दी वर्मन II
(4) अपराजिता वर्मन
(SSC CHSL (10+2) DEO एवं LDC परीक्षा 16.11.2014, TF No. 333 LO 2, प्रथम पाली)

21. भारत पर सबसे पहले आक्रमण करने वाले कौन थे?
(1) आर्य (2) यूनानी
(3) फ़ारसी (4) अरबी
(SSC CHSL (10+2) DEO एवं LDC परीक्षा 16.11.2014, TF No. 333 LO 2, प्रथम पाली)

22. प्रतिहार वंश का महानतम राजा कौन था ?
(1) वत्सराज
(2) भोज (मिहिर भोज)
(3) दन्तिदुर्ग
(4) नागभट्ट
(SSC CGL Tier-I परीक्षा 09.08.2015, प्रथम पाली TF No. 1443088)

23. निम्नलिखित में से कौन-से पल्लव राजा ने चालुक्य सम्राट राजा पुलकेसिन द्वितीय को पराजित करके और उनका वध करके 'वातापिकोंडा' का खिताब प्राप्त किया?
(1) नरसिंह वर्मन प्रथम
(2) महेन्द्र वर्मन प्रथम
(3) परमेश्वर वर्मन प्रथम
(4) नन्दी वर्मन
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा-07.09.2016, Shift-II)

24. राष्ट्रकूटों की प्रारंभिक राजधानी निम्नलिखित में से कौन-सी थी?
(1) सोपारा (2) एलोरा
(3) वातापी (4) अजंता
(SSC CHSL (10+2) LDC, DEO एवं PA/SA परीक्षा 06.12.2015 TF NO. 1375232, प्रथम पाली)

25. भारत के किस क्षेत्र में 'कामरूप' एक प्राचीन नाम है?
(1) बिहार (2) राजस्थान
(3) कर्नाटक (4) असम
(SSC CHSL (10+2) Tier-I (CBE) परीक्षा- 08.09.2016 प्रथम पाली)

26. अजन्ता एलोरा की गुफाएँ निम्नलिखित में से कौन से शहर के पास स्थित है?
(1) माउंट आबू (2) औरंगाबाद
(3) बीजापुर (4) मदुरई
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा-28.08.2016, Shift-I)

27. दिलवाड़ा के चालुक्य (जैन मंदिर) कहाँ स्थित है?
(1) मध्य प्रदेश (2) उत्तर प्रदेश
(3) राजस्थान (4) हरियाणा
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा-29.08.2016, Shift-I)

28. कांचीपुरम में कैलाशनाथ मंदिर (शिव मंदिर) जिसकी भीतरी दीवारों में रंगों से मूर्तियाँ बनाई गई हैं, किसने बनवाया था?
(1) महेन्द्रवर्मन (2) नरसिम्हावर्मन
(3) देव वर्मन (4) रविवर्मन
(SSC मल्टी टास्किंग स्टॉफ परीक्षा–14.05.2017, प्रथम पाली)

29. पल्लव राज वंश ने अपनी राजधानी कहाँ बनाई?
(1) कांचीपुरम (2) तंजावुर
(3) मदुरै (4) वेंगी
(SSC मल्टी टास्किंग स्टॉफ परीक्षा–14.05.2017, द्वितीय पाली)

30. सुलतान महमूद कहाँ का शासक था?
(1) पारस (2) गजनी
(3) लाहौर (4) अरब
(SSC CGL Tier–I CBE (परीक्षा) 19.08.2017, तृतीय पाली)

31. ऐहोल प्रशस्ति का संबंध निम्नलिखित में से किस राजवंश से जुड़ा था?
(1) परमार राजवंश (2) चालुक्य राजवंश
(3) चोल राजवंश (4) राष्ट्रकूट राजवंश
(SSC स्टेनोग्राफर ग्रेड 'C' & 'D' परीक्षा 11.09.2017, प्रथम पाली)

32. निम्नलिखित मंदिरों में से चंदेल राजा किससे संबंधित हैं?
(1) खजुराहो (2) तिरुपति
(3) रामेश्वरम (4) बद्रीनाथ
(SSC JE (Civil) Exam, 29.01.2018 (Ist Sitting)

33. निम्न में से किस प्रतिहार राजा ने 'प्रमाण' की उपाधि ली थी?
(1) मिहिरभोज (2) वत्सराज
(3) रामभोज (4) नागभट्ट द्वितीय
(SSC CHSL (10 + 2) Tier-I CBE परीक्षा, (प्रथम पाली) 08.03.2018)

34. निम्नलिखित में से किस राजपूत वंश का संबंध अग्निकुल से नहीं है?
(1) परमार (2) चालुक्य
(3) प्रतिहार (4) चंदेल
(SSC CHSL (10+2) Tier–I CBE परीक्षा, (प्रथम पाली) 16.03.2018)

35. चोल राजवंश से उभरने वाला पहला महत्त्वपूर्ण शासक ______ था।
(1) विजयालय (2) राजराज चोल
(3) राजेंद्र चोल (4) राजाधिराज चोल
(SSC CHSL (10 + 2) Tier-1 CBE परीक्षा, (प्रथम पाली) 22.03.2018)

36. पाल वंश के पतन के बाद, बंगाल में किस राजवंश ने अपना शासन स्थापित किया?
(1) सेन वंश (2) गौड़ वंश
(3) इलियास वंश (4) गणेश वंश
(SSC CHSL (10 + 2) Tier-1 CBE परीक्षा, (प्रथम पाली) 23.03.2018)

37. बृहदेश्वर मंदिर, तंजावुर ______ में है।
(1) तमिलनाडु (2) असम
(3) बिहार (4) हिमाचल प्रदेश
(SSC CHSL (10 + 2) Tier-I CBE परीक्षा, (तृतीय पाली) 23.03.2018)

38. चोल राज्य को निम्न में से किस राष्ट्रकूट शासक के आक्रमण को झेलना पड़ा था?
(1) ध्रुव (2) गोविंद III
(3) कृष्ण III (4) अमोघवर्ष
(SSC CHSL (10 + 2) Tier-I CBE परीक्षा, (तृतीय पाली) 25.03.2018)

39. बादामी चालुक्यों के बादामी जाने से पहले उनकी राजधानी ______ थी।
(1) पट्टाकल (2) ऐहोल
(3) हुबली (4) बीजापुर
SSC CGL TIER-I (CBE) परीक्षा, 06.06.2019(प्रथम पाली)

40. चालुक्य वंश का संस्थापक कौन था?
(1) नरसिम्हवर्मन (2) मंगलसा
(3) कीर्तिवर्मन (4) पुलकेशिन प्रथम
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 04.06.2019 (द्वितीय पाली))

41. मिहिरभोज_____शासक थे।
(1) राष्ट्रकूट (2) चोल
(3) प्रतिहार (4) चालुक्य
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 04.06.2019 (तृतीय पाली))

42. विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना एक पाल राजा ________द्वारा भी गई।
(1) राजेंद्र चोल (2) पुलकेशिन I
(3) मिहिरभोज (4) धर्मपाल
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 04.06.2019 (तृतीय पाली))

43. खजुराहो मंदिर ______ राज्य में स्थित हैं।
(1) मध्य प्रदेश (2) आंध्र प्रदेश
(3) उत्तराखंड (4) उत्तर प्रदेश
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 06.06.2019 (तृतीय पाली))

44. भारत के उत्तर-पूर्वी भाग में त्रिपुरा की पूर्वी रियासत पर .... वंश का शासन था।
(1) हैहया (2) माणिक्य
(3) नागवंशी (4) अहोम
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 11.06.2019 (तृतीय पाली))

45. .... ने 'गंगैकोंडचोला' या गंगा नदी के विजेता की उपाधि प्राप्त की थी।

(1) राजाधिराज चोल
(2) राजाराज चोल प्रथम
(3) राजेंद्र चोल प्रथम
(4) विजयालय चोल

(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 11.06.2019 (तृतीय पाली))

46. .... शासकों ने खजुराहो में अपनी धार्मिकम राजधानी स्थापित की थी।

(1) गुप्त (2) चोल
(3) मौर्य (4) चंदेल

(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 19.06.2019 (तृतीय पाली))

47. निम्नलिखित में से कौन-सी गुफा महाराष्ट्र में स्थित है ?

(1) बादामी (2) अमरनाथ
(3) एलोरा (4) बोरा

SSC CHSL (10+2) Tier-I परीक्षा, 05.07.2019 (तृतीय पाली)

48. निम्नलिखित में से कौन-सा मंदिर राष्ट्रकूट वंश द्वारा निर्मित है?

(1) केलाश मंदिर (2) आदि कुंभेश्वर
(3) बृहदेश्वर मंदिर (4) चेन्नाकेशव मंदिर

SSC मल्टी टास्किंग स्टाफ परीक्षा, 02.08.2019 (प्रथम पाली)

49. मशहूर लिंगराज मंदिर किस शहर में स्थित है?

(1) भोपाल (2) भुवनेश्वर
(3) कोलकाता (4) उज्जैन

(SSC मल्टी टास्किंग (नन-टेक्निकल) स्टाफ परीक्षा, 13.08.2019 (प्रथम पाली)

50. शाही चोलाओं के अधीन राजस्व प्रशासन के संबंध में 'शालाभोग' शब्द का क्या अर्थ था?

(1) सिंचाई सुविधाओं के रखरखाव के लिए दान की गई भूमि
(2) एक नया बसा हुआ गाँव
(3) विद्यालय के रखरखाव के लिए दान की गई भूमि
(4) किसी योद्धा को दान की गई भूमि

(SSC CAPFs SI, दिल्ली पुलिस SI व CISF ASI परीक्षा, 11.12.2019(प्रथम पाली))

51. तीसरी शताब्दी में वाकाटक वंश का संस्थापक कौन था ?

(1) रूद्रसेन I (2) प्रवरसेन
(3) विन्ध्यशक्ति (4) नागभट्ट

(SSC CAPFs SI दिल्ली पुलिस SI व CISF ASI परीक्षा, 12.12.2019(प्रथम पाली))

52. कोलथुनाडु, वल्लुवनाड और थेक्कुमकूर भारत के किस राज्य में प्राचीन काल के अल्पकालिक राज्य थे?

(1) केरल (2) गुजरात
(3) बिहार (4) कर्नाटक

(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 03.03.2020 (प्रथम पाली))

53. महाबलीपुरम में पंच रथों का निर्माण किस राजवंश ने करवाया था?

(1) चोल (2) चेर
(3) सातवाहन (4) पल्लव

(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 05.03.2020 (प्रथम पाली))

54. महाबलीपुरम में पंच रथों में से चार रथ - 'धमराज (युधिष्ठिर) रथ', 'भीम रथ', 'अर्जुन रथ, और नकुल-सहदेव रथ' हैं। पाँचवें रथ का क्या नाम है?

(1) भीष्म रथ (2) कृष्ण रथ
(3) कर्ण रथ (4) द्रौपदी रथ

(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 05.03.2020 (द्वितीय पाली))

55. निम्नलिखित में से ऐसी कौन-सी एकमात्र सही जोड़ी है जैसी चोल शिलालेखों द्वारा वर्णित की गई है?

(1) ब्रह्मदेय - मंदिरों को उपहार में दी गई भूमि
(2) शालाभोग - ब्राह्मणों को उपहार में दी गई भूमि
(3) पल्लीचंदम - जैन संस्थाओं को दान की गई भूमि
(4) वेल्लनवगाई - ब्राह्मण कृषक स्वामियों की भूमि

(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 09.03.2020 (तृतीय पाली))

56. निम्नलिखित में से कौन सा मंदिर, चोल साम्राज्य का एक उदाहरण है ?

(1) बादामी गुफा मंदिर
(2) चेन्नाकेशव मन्दिर
(3) ऐरावतेश्वर मंदिर
(4) विरुपाक्ष मंदिर

(SSC CHSL (10+2) Tier-I (CBE) परीक्षा, 17.03.2020 (प्रथम पाली))

57. किस राजा ने भुवनेश्वर में प्रसिद्ध लिंगराज मंदिर का निर्माण करवाया था ?

(1) ययाति केसरी (2) धर्मरथ
(3) जनमेजय (4) भीमरथ

(दिल्ली पुलिस कांस्टेबल परीक्षा, 02.12.2020 (तृतीय पाली))

58. दंतिदुर्ग एक _______ शासक था, जिसने मान्यखेट में अपनी राजधानी की स्थापना की।

(1) पाल (2) प्रतिहार
(3) राष्ट्रकुट्ट (4) सातवाहन

(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 13.04.2022 (प्रथम पाली))

TYPE– VI

1. ये गुफाएँ मुंबई हार्बर में स्थित शिल्प गुफाओं का एक नेटवर्क हैं।

(1) अजंता (2) एलोरा
(3) एलीफेंटा (4) बादामी

(SSC CHSL (10+2) Tier-I (CBE) परीक्षा–21.01.2017, द्वितीय पाली)

2. भारत में नालंदा विश्वविद्यालय किस राज्य में स्थित है ?

(1) बंगाल (2) बिहार
(3) उड़ीसा (4) उत्तर प्रदेश

(SSC टैक्स असिस्टेन्ट (Income Tax & Central Excise) परीक्षा–29.03.2009)
(बिहार SSC CGL मुख्य परीक्षा 27.01.2013)

3. निम्नलिखित मगध के राजवंशों को कालक्रमानुसार लिखिए।

I. नंद II. शिशुनाग
III. मौर्य IV. हर्यंक

(1) IV, II, III तथा I
(2) II, I, IV तथा III
(3) IV, II, I तथा III
(4) III, I, IV तथा II

(SSC मल्टी टास्किंग (नन-टेक्निकल) स्टॉफ परीक्षा–20.02.2011)

4. निम्नलिखित में से किस देश में हाल में बुद्ध की मूर्तियों को विरूपित किया गया और हटाया गया?

(1) पाकिस्तान (2) टर्की
(3) अफगानिस्तान (4) ईरान

(SSC (10+2) स्तर डाटा एन्ट्री ऑपरेटर एवं LDC परीक्षा–04.12.2011)

5. निम्नलिखित में से वह व्यक्ति कौन है जो चिकित्सक नहीं है?

(1) सुश्रुत (2) चरक
(3) चार्वाक (4) धनवंतरी

(SSC (10+2) स्तर डाटा एन्ट्री ऑपरेटर एवं LDC परीक्षा–04.12.2011 Eastern zone)

6. प्राचीन युग है?

(1) शक युग (काल) (2) बौद्ध युग
(3) मुहम्मदी युग (4) विक्रम युग

(SSC कांस्टेबल (GD) एवं राइफलमैन (GD) परीक्षा–22.04.2012 द्वितीय पाली)

7. ऐतिहासिक एलोरा गुफाएँ इसके समीप स्थित है

(1) दिल्ली (2) आगरा
(3) अहमदाबाद (4) औरंगाबाद

(SSC कांस्टेबल (GD) एवं राइफलमैन (GD) परीक्षा–22.04.2012 द्वितीय पाली)

8. निम्नलिखित नामों से प्राचीन भारत के चिकित्सीय त्रय की पहचान कीजिए
(1) चरक, सुश्रुत और भरत
(2) चरक, सुश्रुत और पतंजलि
(3) चरक, सुश्रुत और पतंजलि
(4) चरक, वात्स्यायन और वागभट्ट
(SSC COPs एस. आई. एवं इंटेलिजेंस ऑफिसर परीक्षा–27.05.2012)

9. निम्नलिखित साहित्यिक कृतियों का उनके लेखकों के साथ मिलान करिए :

a. कविराजमार्ग	1. महावीराचार्य
b. आदिपुराण	2. शाकटायन
c. गणितसारास्मगृह	3. अमोघवर्ष
d. अमोघव्रिथी	4. जिनसेना

कूट :

	a	b	c	d
(1)	3	4	2	1
(2)	4	3	1	2
(3)	3	4	1	2
(4)	2	1	3	4

(SSC दिल्ली पुलिस सब-इंस्पेक्टर परीक्षा–27.05.2012) (द्वितीय पाली)

10. निम्नलिखित का मिलान करिए

राजवंश	संस्थापक
a. पल्लव	1. दंतिदुर्ग
b. चालुक्य	2. विष्णुवर्धन
c. राष्ट्रकूट	3. सिहंविष्णु
d. होयसल	4. पुलकेशिन- I

कूट :

	a	b	c	d
(1)	2	1	4	3
(2)	3	4	1	2
(3)	1	4	2	3
(4)	4	3	2	1

(SSC स्नातक स्तर Tier-1 परीक्षा–01.07.2012) नॉर्थ जोन प्रथम पाली)

11. श्रीपेरम्बदूर किसका जन्म स्थल है?
(1) श्री माधवाचार्य
(2) श्री बासवन्ना
(3) श्री शंकराचार्य
(4) श्री रामानुजाचार्य
(SSC मल्टी टास्किंग स्टाफ परीक्षा–23.02.2014 द्वितीय पाली)

12. निम्नलिखित में से कहां स्तूप **नहीं** है?
(1) राँची (2) सांची
(3) भरहुत (4) धमेख
(SSC CGL Tier-I (पुनर्परीक्षा–2013, 27.04.2014)

13. चीनी यात्रियों ने सर्वप्रथम भारत की यात्रा क्यों की?
(1) उन्हें बौद्ध धर्म में रुचि थी
(2) उन्हें भारतीय राजाओं ने आमंत्रित किया था
(3) उन्हें भारतीय संस्कृति का अध्ययन करने में रुचि थी
(4) उन्हें भारत में रहने की इच्छा थी
(SSC CAPFs S.I. CISF ASI एवं दिल्ली पुलिस S.I. परीक्षा, 22.06.2014)

14. प्राचीन भारत में प्राचीनतम बौद्ध विश्वविद्यालय का नाम बताइए।
(1) तक्षशिला (2) नालन्दा
(3) ओदंतपुरी (4) कांची
(SSC CAPFs S.I. CISF ASI तथा दिल्ली पुलिस S.I. परीक्षा, 22.06.2014)

15. वराहमिहिर का पंचसिद्धांतम इससे संबंधित है :
(1) फलित ज्योतिष
(2) खगोल विज्ञान
(3) चिकित्सा-शास्त्र (औषध)
(4) शरीर रचना-विज्ञान
(SSC CGL Tier-I परीक्षा 19.10.2014)

16. हस्तलिपियों के मूल संस्थापक और कौटिल्य के अर्थशास्त्र के संपादक कौन थे ?
(1) श्रीकांत शास्त्री
(2) श्रीनिवास आयंगर
(3) आर. शामाशास्त्री
(4) विलियम जोन्स
(SSC CHSL (10+2) DEO एवं LDC परीक्षा, 09.11.2014)

17. भारत सरकार ने निम्नलिखित में से किस शासक से अपना प्रतीक लेकर अपनाया ?
(1) अशोक (2) कृष्णदेवराय
(3) पुलकेशिन (4) कनिष्क
[SSC CHSL (10+2) DEO एवं LDC परीक्षा, 16.11.2014, (पटना क्षेत्र : प्रथम पाली)]

18. "पंचतंत्र" की कथाओं का संकलन किसने किया ?
(1) वाल्मीकि (2) वेदव्यास
(3) विष्णु शर्मा (4) तुलसीदास
(SSC CHSL (10+2) DEO & LDC परीक्षा–16.11.2014, द्वितीय पाली)

19. तक्षशिला विश्वविद्यालय वर्तमान मे किस देश में स्थित है ?
(1) बांग्लादेश (2) भारत
(3) पाकिस्तान (4) नेपाल
(SSC CAPFs ASI एवं दिल्ली पुलिस SI, CISF ASI परीक्षा–05.07.2017, प्रथम पाली)

20. नगर कोझिकोड कहलाता था :
(1) तंजोर (2) त्रिचूर
(3) त्रिसूर (4) कालिकट
(बिहार SSC CGL मुख्य परीक्षा 27.01.2013)

21. निम्नलिखित में से कौन सा युग्म सही मेल नहीं खाता?
(1) हर्षवर्धन - ह्वेनसांग
(2) अकबर - टोडरमल
(3) चाणक्य - चंद्रगुप्त
(4) विक्रमादित्य - चैतन्य
(SSC CGL Tier-I परीक्षा 09.08.2015, प्रथम पाली TF No. 1443088)

22. कम्बोडिया में स्थित अंकोरवाट का सुप्रसिद्ध विष्णु-मन्दिर किसने बनवाया था?
(1) श्रुतवर्मन (2) सूर्यवर्मन II
(3) इन्द्रवर्मन (4) अनिरुद्ध
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा–11.09.2016, Shift-III)

23. निम्नलिखित का मिलान कीजिए।

स्तंभ-I	स्तंभ-II
1. बृहदेश्वर मंदिर	a. ओडिशा
2. दिलवाड़ा मंदिर	b. तमिलनाडु
3. लिंगराज मंदिर	c. कर्नाटक
4. हम्पी में स्मारकों का समूह	d. राजस्थान

(1) 1 – c, 2 – d, 3 – a, 4 – b
(2) 1 – a, 2 – c, 3 – d, 4 – b
(3) 1 – b, 2 – d, 3 – a, 4 – c
(4) 1 – b, 2 – a, 3 – d, 4 – c
(SSC CGL Tier–I CBE (परीक्षा) 11.08.2017)

24. निम्नलिखित में से कौन सा युग्म गलत है?
(1) ह्वेनसांग- चीन
(2) इब्न बतूता- मोरक्को
(3) मेगस्थनीज- यूनान
(4) फाहियान- मलेशिया
(SSC CAPFs ASI व दिल्ली पुलिस SI परीक्षा, पेपर-I (द्वितीय पाली) 04.07.2017)

25. योग दर्शन के प्रतिपादक कौन थे?
(1) पतंजलि
(2) गौतम
(3) जैमिनी
(4) शंकराचार्य
(SSC CHSL (10 + 2) Tier-I CBE परीक्षा, (प्रथम पाली) 19.03.2018)

26. नचिकेता और यम के बीच सुप्रसिद्ध संवाद किस उपनिषद में उल्लिखित है?
(1) छान्दोग्योपनिषद्
(2) मुंडकोपनिषद्
(3) कठोपनिषद्
(4) केनोपनिषद्
(SSC CHSL (10 + 2) Tier-1 CBE परीक्षा, (प्रथम पाली) 21.03.2018)

27. कटु सत्यता को दर्शाने वाला सामाजिक नाटक 'मृच्छकटिकम्' (मिट्टी की छोटी गाड़ी) किसने लिखा था?
(1) शूद्रक (2) कालिदास
(3) माघ (4) रैदास
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 07.03.2020 (द्वितीय पाली))

28. निम्नलिखित में से कौन-सा प्राचीन भारत में राजाओं द्वारा अपना पद स्थापित करने के लिए किया जाने वाला एक प्रकार का बलिदान नहीं था ?
(1) मुवेन्देवेलन (2) वाजपेय
(3) राजसूय (4) अश्वमेध
(SSC CGL Tier-I (CBE) परीक्षा, 09.03.2020 (तृतीय पाली))

29. किस राज्य में फोडोंग बौद्ध मठ स्थित है?
(1) उत्तर प्रदेश
(2) बिहार
(3) अरुणाचल प्रदेश
(4) सिक्किम
(SSC CHSL (10+2) Tier-I (CBE) परीक्षा, 18.03.2020 (द्वितीय पाली))

30. उस भारतीय राज्य की पहचान करें, जिसे महाकाव्य काल में 'प्राग्ज्योतिष (Pragjyotisha) के रूप में जाना जाता था।
(1) असम (2) ओडिशा
(3) केरल (4) बिहार
(SSC CHSL (10+2) Tier-I (CBE) परीक्षा, 04.08.2021 (प्रथम पाली))

संक्षिप्त उत्तर

TYPE–I

1. (2)	**2.** (2)	**3.** (3)	**4.** (2)
5. (4)	**6.** (3)	**7.** (1)	**8.** (1)
9. (4)	**10.** (3)	**11.** (3)	**12.** (3)
13. (3)	**14.** (3)	**15.** (2)	**16.** (2)
17. (1)	**18.** (3)	**19.** (3)	**20.** (1)
21. (2)	**22.** (4)	**23.** (3)	**24.** (1)
25. (4)	**26.** (3)	**27.** (2)	**28.** (3)
29. (*)	**30.** (4)	**31.** (2)	**32.** (3)
33. (2)	**34.** (1)	**35.** (2)	**36.** (3)
37. (4)	**38.** (2)	**39.** (1)	**40.** (3)
41. (2)	**42.** (2)	**43.** (2)	**44.** (2)
45. (3)	**46.** (3)	**47.** (4)	**48.** (2)
49. (3)	**50.** (4)	**51.** (3)	**52.** (2)
53. (2)	**54.** (4)	**55.** (3)	**56.** (2)
57. (2)	**58.** (2)	**59.** (4)	**60.** (2)
61. (2)	**62.** (1)	**63.** (3)	**64.** (2)
65. (2)	**66.** (2)	**67.** (4)	**68.** (1)
69. (3)	**70.** (4)	**71.** (3)	

TYPE–II

1. (4)	**2.** (2)	**3.** (3)	**4.** (1)
5. (4)	**6.** (2)	**7.** (1)	**8.** (2)
9. (4)	**10.** (3)	**11.** (1)	**12.** (1)
13. (2)	**14.** (1)	**15.** (2)	**16.** (4)
17. (3)	**18.** (2)	**19.** (1)	**20.** (4)
21. (3)	**22.** (4)	**23.** (1)	**24.** (4)
25. (2)	**26.** (1)	**27.** (2)	**28.** (4)
29. (2)	**30.** (*)	**31.** (2)	**32.** (2)
33. (2)	**34.** (3)	**35.** (2)	**36.** (3)
37. (4)	**38.** (1)	**39.** (1)	**40.** (3)
41. (4)	**42.** (1)	**43.** (3)	**44.** (4)
45. (2)	**46.** (3)	**47.** (4)	**48.** (3)
49. (1)	**50.** (1)	**51.** (2)	**52.** (2)
53. (4)	**54.** (2)	**55.** (2)	**56.** (3)
57. (3)	**58.** (3)	**59.** (1)	**60.** (4)
61. (2)	**62.** (2)	**63.** (3)	**64.** (1)
65. (4)			

TYPE–III

1. (2)	**2.** (2)	**3.** (1)	**4.** (1)
5. (1)	**6.** (3)	**7.** (1)	**8.** (3)
9. (4)	**10.** (2)	**11.** (1)	**12.** (3)
13. (3)	**14.** (2)	**15.** (3)	**16.** (4)
17. (3)	**18.** (2)	**19.** (1)	**20.** (2)
21. (2)	**22.** (3)	**23.** (2)	**24.** (2)
25. (4)	**26.** (3)	**27.** (2)	**28.** (2)
29. (3)	**30.** (1)	**31.** (1)	**32.** (3)
33. (4)	**34.** (1)	**35.** (1)	**36.** (3)
37. (4)	**38.** (4)	**39.** (4)	**40.** (1)
41. (3)	**42.** (2)	**43.** (3)	**44.** (4)
45. (2)	**46.** (4)	**47.** (2)	**48.** (3)
49. (4)	**50.** (2)	**51.** (3)	**52.** (1)
53. (3)	**54.** (3)	**55.** (1)	**56.** (2)
57. (3)	**58.** (1)	**59.** (1)	**60.** (3)
61. (2)	**62.** (1)	**63.** (4)	**64.** (2)
65. (1)			

TYPE–IV

1. (2)	**2.** (1)	**3.** (3)	**4.** (1)
5. (3)	**6.** (1)	**7.** (2)	**8.** (3)
9. (2)	**10.** (3)	**11.** (2)	**12.** (2)
13. (3)	**14.** (1)	**15.** (3)	**16.** (2)
17. (1)	**18.** (4)	**19.** (3)	**20.** (3)
21. (2)	**22.** (2)	**23.** (3)	**24.** (1)
25. (2)	**26.** (1)	**27.** (1)	**28.** (2)
29. (2)	**30.** (1)	**31.** (1)	**32.** (3)
33. (3)	**34.** (3)	**35.** (2)	**36.** (4)
37. (2)	**38.** (4)	**39.** (3)	**40.** (4)
41. (3)	**42.** (3)	**43.** (4)	**44.** (1)
45. (1)			

TYPE–V

1. (3)	**2.** (3)	**3.** (4)	**4.** (3)
5. (1)	**6.** (1)	**7.** (2)	**8.** (2)
9. (2)	**10.** (4)	**11.** (3)	**12.** (1)
13. (2)	**14.** (1)	**15.** (4)	**16.** (1)
17. (3)	**18.** (3)	**19.** (4)	**20.** (3)
21. (1)	**22.** (2)	**23.** (1)	**24.** (2)
25. (4)	**26.** (2)	**27.** (3)	**28.** (2)
29. (1)	**30.** (2)	**31.** (2)	**32.** (1)
33. (*)	**34.** (4)	**35.** (2)	**36.** (1)
37. (1)	**38.** (3)	**39.** (2)	**40.** (4)
41. (3)	**42.** (4)	**43.** (1)	**44.** (2)
45. (3)	**46.** (4)	**47.** (3)	**48.** (1)
49. (2)	**50.** (3)	**51.** (3)	**52.** (1)
53. (4)	**54.** (4)	**55.** (3)	**56.** (3)
57. (1)	**58.** (3)		

TYPE–VI

1. (3)	**2.** (2)	**3.** (3)	**4.** (3)
5. (3)	**6.** (2)	**7.** (4)	**8.** (2)
9. (3)	**10.** (2)	**11.** (4)	**12.** (1)
13. (1)	**14.** (1)	**15.** (2)	**16.** (3)
17. (1)	**18.** (3)	**19.** (3)	**20.** (4)
21. (4)	**22.** (2)	**23.** (3)	**24.** (4)
25. (1)	**26.** (3)	**27.** (1)	**28.** (1)
29. (4)	**30.** (1)		

उत्तर व्याख्यासहित

TYPE–I

1. (2) अभिलेख या शिलालेख के अध्ययन को 'पुरालेखशास्त्र' कहते हैं। अभिलेख मुहरों, स्तूपों, चट्टानों और ताम्रपत्रों पर मिलते हैं ये मन्दिर की दीवारों और ईंटों या मूर्तियों पर उत्कीर्ण होते थे।

2. (2) हड़प्पा संस्कृति की विशेषता थी– इसकी नगर-योजना प्रणाली। हड़प्पा और मोहनजोदड़ो दोनों नगरों के अपने-अपने दुर्ग थे जहाँ शासक वर्ग का परिवार रहता था। प्रत्येक नगर में दुर्ग के बाहर एक-एक उससे निम्न स्तर का शहर था जहाँ ईंटों के मकानों में सामान्य लोग रहते थे। सड़कें एक दूसरे से समकोण बनाते हुए काटती थी और नगर अनेक वर्गों में विभक्त थे। यह बात सभी सिन्धु बस्तियों पर लागू थी, चाहे छोटी हो या बड़ी।

3. (3) देवी माता की पूजा सिन्धु घाटी सभ्यता से संबंधित थी। मोहनजोदड़ो से स्त्री की मूर्ति मिली है जिसे देवी कहा गया है। हड़प्पा से एक मुद्रा पर ऊपर की ओर पैर तथा नीचे की ओर सिर किये हुए उस पर एक नारी का चित्र है चित्र में पैर फैले हुए हैं तथा गर्भ से एक पौधा निकल रहा है।

4. (2) मोहनजोदड़ो की सबसे बड़ी इमारत अन्नागार या अन्नकोठार या धान्यागार है। यह 45.71 मी. लम्बा और 15.23 मी. चौडा है।

5. (4) हड़प्पा सभ्यता का सर्वप्रथम खोजकर्ता दयाराम साहनी थे। हड़प्पा मोन्टगोमरी जिले (पश्चिमी पंजाब) में रावी नदी के तट पर स्थित है। हड़प्पा की खुदाई सबसे पहले हुई इसी कारण इसे हड़प्पाई संस्कृति कहा जाता है।

6. (3) महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के दैमाबाद में हड़प्पा संस्कृति के समय के रथ की एक मूर्ति प्राप्त हुई है। यह रथ 45 सेमी. लंबा और 16 सेमी. चौड़ा है, जिसमें दो बैल जुते हैं, जिसे 16 सेमी. की ऊँचाई पर खड़े एक पुरुष द्वारा खींचा जा रहा है। यह स्थल खुदाई से प्राप्त हड़प्पा संस्कृति की कांसे की कई वस्तुओं के लिए प्रसिद्ध है।

7. (1) सिंधु सभ्यता के स्थल मोहनजोदड़ो पाकिस्तान के सिंध प्रांत के लरकाना जिले में स्थित है। इसका उत्खनन राखाल दास बनर्जी ने 1922 ई. में किया था। यहाँ पाए जाने वाले मुख्य अवशेषों में स्नानागार, अन्न भण्डार, कॉलेजिएट भवन आदि शामिल हैं।

8. (1) "सत्यमेव जयते" प्राचीन भारतीय साहित्य मुंडक उपनिषद् से लिया गया सूक्त वाक्य है जिसे भारत सरकार ने राष्ट्रीय प्रतीक वाक्य के रूप में अपनाया है। सत्यमेव जयते का अर्थ है "सदा सत्य की विजय" होती है। इस शब्द का प्रथम प्रयोग पंडित मदनमोहन मालवीय (भारत रत्न 2015) द्वारा वर्ष 1918 में उस समय किया गया जब वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन की अध्यक्षता कर रहे थे।

9. (4) भारत में वर्ण व्यवस्था व्यावसायिक श्रम विभाजन के लिए बनाई गई थी। ऋग्वेद के वर्ण शब्द रंग के अर्थ में तथा कहीं-कहीं व्यवसाय चयन के अर्थ में प्रयुक्त हुआ है। इस समय वर्णों में जटिलता नही आई थी। वर्ण जन्मजात न होकर व्यवसाय पर आधारित होते थे। व्यवसाय परिवर्तन सम्भव था। ऋग्वेद के एक स्थान पर एक ऋषि कहता है- 'मैं कवि हूँ। मेरा पिता वैद्य हैं तथा मेरी माता अन्न पीसने वाली है।

10. (3) भारतीय संगीत का उद्गम सामवेद की संहिता में खोजा जा सकता है। सामवेद में यज्ञों के अवसर पर गाये जाने वाले मंत्रों का संग्रह है। जो व्यक्ति इसे गाता था उसे उद्गाता कहा जाता था।

11. (3) ऋग्वैदिक कालीन समाज प्रारम्भ में वर्ग-विभेद से रहित था। सभी व्यक्ति जन के सदस्य समझे जाते थे तथा सबकी समान सामाजिक प्रतिष्ठा थी। ऋग्वेद में नये शब्द 'वर्ण', रंग के अर्थ में तथा कहीं-कहीं व्यवसाय-चयन के अर्थ में प्रयुक्त हुआ है। प्रारम्भ में हम तीन वर्ण का उल्लेख पाते हैं-ब्रह्म, क्षत्र तथा विश। ये वर्ण भी कार्य (व्यवसाय) के आधार पर थे। ब्रह्म-(यज्ञ कराने के लिए), क्षत (हानि से रक्षा करने वाले), विश (शेष जन)

12. (3) ऋग्वैदिक काल में वर्णव्यवस्था जाति के रूप में नहीं थी बल्कि व्यवसाय के आधार पर समाज का वर्गीकरण हुआ था। उत्तर वैदिक काल में वर्ण व्यवस्था में जटिलता आ जाती है। इसका परिणाम यह हुआ कि वर्ण व्यवस्था का विकृत रूप जाति व्यवस्था यहाँ अस्तित्व में आ गई।

13. (3) 'जौ' (यव) मनुष्य द्वारा कृषि के रूप में सबसे पहले प्रयोग किया गया था हड़प्पा सभ्यता में जौ की दो किस्मों की खेती की जाती थी इसके अतिरिक्त कपास, खजूर का वर्णन भी हुआ है। ऋगवैदिक लोग कृषि की अपेक्षा पशुपालन में अधिक रुचि रखते थे, ऋग्वेद में कृषि का उल्लेख 33 बार हुआ है। इसमें एक ही अनाज यव (जौ) का उल्लेख मिलता है।

14. (3) यजुर्वेद (यजु अथवा सूत्रों का वेद) में यज्ञ के समय प्रपन्न के प्रयोजन के लिए कई मंत्र (सुक्त) हैं और पालन किए जाने वाले नियम हैं। इसी वेद में पहली बार राजसूय और वाजपेय जैसे दो राजकीय समारोहों का उल्लेख हुआ है। ऋग्वेद एवं सामवेद के विपरीत यह वेद पद्य और गद्य दोनों में हैं। यह दो भागों में विभाजित है : कृष्ण यजुर्वेद और शुक्ल यजुर्वेद।

15. (2) वर्ष 2012 में छत्तीसगढ़ के सरगुजा के शंकरपुर गांव में जुरासिक युग के वृक्ष जीवाश्म यानी ट्री फॉसिल्स पाए गए हैं। इस इलाके में छ: फॉसिल्स मिले हैं।

16. (2) सिंधु लिपि अभी तक अज्ञात है। सिन्धु लिपि की भाँति ही उसकी भाषा भी अज्ञात ही है। ऐसी स्थिति में लिपि-अन्वेषण के लिए कोई द्वैभाषिक लेख ही सहायक सिद्ध हो सकता है। किन्तु अभी तक इस तरह का कोई द्वैभाषिक लेख प्राप्त नहीं हुआ है।

17. (1) ऋग्वेद में कई जनजातीय सभाओं जैसे सभा, समिति, विदथ और गण को सैन्य तथा धार्मिक कार्यों में विमर्शी के रूप में प्रयोग में लाने का उल्लेख किया गया है। लेकिन राजनीतिक दृष्टिकोण से इनमें सभा और समिति महत्वपूर्ण है। हमें जनजातीय सभा जिसे समिति कहा गया है के द्वारा जनजातीय प्रमुख के चयन के भी कुछ साक्ष्य मिले हैं।

18. (3) उपनिषद् का शाब्दिक अर्थ है – 'समीप बैठना' अर्थात् ब्रह्म विद्या को प्राप्त करने के लिए गुरु के समीप बैठना। इस प्रकार उपनिषद् एक ऐसा रहस्य ज्ञान है जिसे हम गुरु के सहयोग से ही समझ सकते हैं। उपनिषद् वैदिक साहित्य के अंतिम भाग है इसलिए इन्हें **'वेदान्त'** भी कहा जाता है।

19. (3) वह क्षेत्र जहाँ लगभग 1500 ईसा पूर्व आर्यों ने अपने निवास स्थल के रूप में अपनाया, सप्त सिंधु (सात नदियों) का क्षेत्र कहलाया। इस क्षेत्र को ब्रह्मवर्त भी कहा जाता है। बाद में आर्य उत्तर वैदिक काल (1000 ई. पू. से 600 ई. पू.) के दौरान सिंधु-गंगा के मैदानी क्षेत्रों की ओर निवास के लिए अग्रसर हुए। इस क्षेत्र को आर्यावर्त के नाम से जाना जाता है।

20. (1) अधिकांश समकालीन सभ्यताओं के समान कृषि सिंधु (Indus) अर्थव्यवस्था की रीढ़ थी। लोग लकड़ी से बने हलों का प्रयोग करते थे। जौ और गेहूँ मुख्य भोज्य फसलें थीं। कृषि अधिशेष होने के कारण यहाँ व्यापार तथा व्यवसाय भी उन्नत दशा में था। कृषि पर आधारित होने के कारण कई क्षेत्र शहरी क्षेत्र के रूप में विकसित होने लगे (स्रोत: जेम्स पी. स्टोबॉघ (James P. Stobaugh) कृत स्टडीज इन वर्ल्ड हिस्ट्री वॉल्युम I)

21. (2) महाभारत का मूल नाम **'जय संहिता'** था, यह नाम वेद व्यास द्वारा रखा गया था। आरंभ में इसमें केवल 8,800 श्लोक थे और गणेश द्वारा लिखित श्लोकों का मूल नाम 'जय' था। बाद में कई कहानियों को जोड़कर पुस्तक के श्लोकों की कुल संख्या 100,000 हो गई, जिन्हें पूरा करने में कई शताब्दियाँ बीत गईं और अन्त में पुस्तक का नाम 'महाभारत' रखा गया।

22. (4) कालीबंगा सिंधु घाटी सभ्यता के प्रमुख स्थलों में से एक है, यह अपने मिट्टी के बर्तनों के लिए प्रसिद्ध था। कालीबंगा की विशिष्ट पहचान मिट्टी के बर्तन बनाने की कला से है जिसे बनावट के आधार पर A,B,C,D,E और F के द्वारा छ: प्रकारों में चिह्नित किया जाता है। इसे बाद में उत्तर पश्चिम भारत के सोथी में भी चिह्नित किया गया था। इस स्थल से मोहरें, चूड़ियाँ, पक्की मिट्टी की वस्तुएँ, पक्की मिट्टी की लघु मूर्तियाँ, ईंटें, चक्की, पत्थर की गेंदें इत्यादि वस्तुएँ पाई गई हैं।

23. (3) अगस्त्य मुनि को परंपरागत भारतीय चिकित्सा शास्त्र का जनक माना जाता है, वे दक्षिण भारत के आर्यों से भी संबंधित थे। दक्षिण भारत के यादवों को प्रथम आर्य कहा जाता है। अगस्त्य मुनि ने सर्वप्रथम तमिल भाषा में व्याकरण की रचना की थी जिसे अगथियम के नाम से जाना जाता है।

24. (1) भारतीय उपमहाद्वीप में फली-फूली (समृद्ध) सिन्धु घाटी सभ्यता विश्व की सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से एक थी। सामान्यत: 3000 ईसा पूर्व से 1800 ईसा पूर्व के मध्य विकसित यह विश्व की सबसे प्राचीन तीन सभ्यताओं (मिस्र, मेसोपोटामिया और सिन्धु घाटी) में से एक थी। यह कांस्य-युगीन सभ्यता थी।

25. (4) हड़प्पा एक पुरातात्त्विक स्थल है, जो वर्तमान में पंजाब, पाकिस्तान में है। रावी नदी के पूर्व बहाव के निकट स्थित एक आधुनिक गाँव के नाम पर इस स्थल का नाम रखा गया है। हडप्पा कांस्य युगीन किलेबंद शहर का अवशेष है, जो सिंध और पंजाब के मध्य में केन्द्रित सिन्धु घाटी सभ्यता और सेमेट्री एच संस्कृति का एक महत्वपूर्ण भाग था।

26. (3) चार वेद हैं: ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद। दिए गए विकल्प में सामवेद, यजुर्वेद तथा ऋग्वेद तीनों वेद हैं। दूसरी ओर, विष्णु पुराण हिन्दुओं का एक धार्मिक ग्रंथ है और 18 महापुराणों में से एक है। इसे **'पुराणारत्न'** की संज्ञा दी गई है।

27. (2) मोहनजोदड़ो में पशुपति मुहर की खोज के आधार पर, इतिहासकारों और पुरातत्त्वविदों का मानना है कि सिन्धु घाटी के लोग भगवान शिव की उपासना करते थे। शिव चौपाया पशु (पशुपति) के स्वामी हैं। पशुपति मुहर दायीं ओर गैंडे और भैंसे तथा बायीं ओर हाथी और बाघ से घिरे, योग मुद्रा में बैठे तीन मुख वाले पुरुष देवता का वर्णन करती है।

28. (3) उपनिषद् मूल पाठों का एक संग्रह है जिसमें हिन्दुत्व के कुछ मुख्य दार्शनिक अवधारणाओं को शामिल किया गया है। इन अवधारणाओं को सामान्यत: वेदान्त के रूप में निर्दिष्ट किया जाता है, जिसकी व्याख्या ''अंतिम अध्याय, वेद के भागों'' या ''महान वस्तु, वेद का महान उद्देश्य'' के रूप में की गई है। ब्राह्मण (अंतिम सत्ता) और आत्मन (आत्मा) की अवधारणाएँ उपनिषद् के मुख्य विचारों में शामिल हैं।

29. (*) पुरोहित की मूर्ति को 'प्राइस्ट किंग' के रूप में भी जाना जाता है। यह दाढ़ीवाले कुलीन पुरुष या उच्च पुरोहित की एक अर्धप्रतिमा है जिसकी खोज सिंध (पाकिस्तान) के मोहनजोदड़ो में की गई थी। बंदरगाह: गुजरात में स्थित लोथल सिंधु घाटी सभ्यता का बंदरगाह शहर था, जुते हुए खेतों का चिह्न: उत्खनन द्वारा जुते हुए कृषि मैदान का आरंभिक (लगभग 2800 ईसा पूर्व) साक्ष्य राजस्थान के कालीबंगा से प्राप्त हुआ, महान स्नानागार: मोहनजोदड़ो में स्थित प्राचीन सिंधु घाटी सभ्यता के अवशेषों में शामिल प्रमुख संरचनाओं में से एक है।

30. (4) अथर्ववेद को "जादुई नियमों का वेद" भी कहते हैं, इसमें धार्मिक रीति रिवाज, अंधविश्वास एवं चिन्ता के संदर्भ में जादुई तंत्र-मंत्र, शैतान के कारण उत्पन्न बीमारियों का उपचार करने हेतु मंत्र, जड़ी-बूटियाँ और औषधि के रूप में प्रकृति से प्राप्त होने वाली औषधीय खुराकों का वर्णन किया गया है। यह दूसरी सहस्राब्दि ईसा पूर्व में विकसित जादुई-धार्मिक अनुष्ठान का प्रतिनिधित्व करता है।

31. (2) यजुर्वेद धार्मिक अनुष्ठानों और धर्मविधियों को चरणबद्ध तरीके से निष्पादित करने हेतु मार्गदर्शन करने वाला वेद है।

32. (3) धौलावीरा का सिंधु स्थल अपने अत्याधुनिक जल संग्रहण की तकनीकों के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ वर्षा जल संग्रहण नेटवर्क का एक महत्त्वपूर्ण प्रमाण मिला है। यहाँ टंकी और तालाब प्रणाली द्वारा जल की आपूर्ति की गई थी और गन्दा पानी के निकास हेतु तंत्र को उन्नत बनाया गया था। धौलावीरा की जल संरक्षण प्रणाली ने अपनी उन्नतशील द्रवचालित इंजीनियरिंग पर अत्यधिक बल दिया।

33. (2) बौद्ध धर्म के अनुयायियों का मानना है कि गौतम बुद्ध ने अपनी मृत्यु के बाद उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में परिनिर्वाण प्राप्त किया था। वर्तमान कुशीनगर को पूर्व बुद्ध काल में कुशावती और उत्तर बुद्ध काल में कुशीनारा के साथ चिह्नित किया गया है। कुशीनारा मल्ल राज्य की राजधानी थी जो छठी शताब्दी ईसा पूर्व के 16 महाजनपदों में से एक थी।

34. (1) ऋग्वेद काल के दौरान मानवतारोपी (anthropomorphic) भगवान इन्द्र सबसे महत्त्वपूर्ण भगवान थे। उन्होंने दैत्यों के विरुद्ध जीत में आर्य सिपाहियों का नेतृत्व करते हुए युद्धदेवता की भूमिका निभाई थी। ऋग्वेद में लगभग 250 भजन उन्हीं को समर्पित हैं, जो किसी अन्य देवता की तुलना में सबसे अधिक है। वह मेघ गर्जन और तूफान से सम्बद्ध थे।

35. (2) वैदिक काल के दौरान, जब एक पुरुष और महिला अपने परिवार की स्वीकृति के बिना प्रेम विवाह कर लेते थे तो ऐसा विवाह गंधर्व विवाह या 'प्रेम विवाह' कहलाता था। यह विवाह बिना किसी रीति-रिवाज, गवाह या परिवार की भागीदारी के बिना दो लोगों के मध्य पारस्परिक आकर्षण पर आधारित था।

36. (3) सिंधु घाटी सभ्यता मूल रूप से एक शहरी सभ्यता थी और यहाँ लोग अच्छी तरह से नियोजित और अच्छी तरह से निर्मित कस्बों में रहते थे, ये व्यापार के केंद्र भी थे। मोहनजोदड़ो और हड़प्पा के अवशेषों से पता चलता है कि ये शानदार वाणिज्यिक शहर थे। ये नगर अच्छी तरह से योजनाबद्ध, वैज्ञानिक रूप से बसाए गए थे और उनकी अच्छी तरह से देखभाल की गई थी।

37. (4) ऋग, यजुर और सामवेद को वेद त्रयी ("तीन गुना ज्ञान") के रूप में जाना जाता है।। भजन, जादू मंत्र और मंत्रों का एक चौथा संग्रह अथर्ववेद ("अग्नि पुजारी का ज्ञान") के रूप में जाना जाता है, जिसमें विभिन्न स्थानीय परंपराएँ शामिल हैं और कुछ हद तक वैदिक यज्ञ से बाहर है।

38. (2) सरस्वती हिंदू धार्मिक परंपराओं में एक पवित्र नदी और बुद्धि और कला की देवी के रूप में प्रकट होती है। संस्कृत में सबसे पहले ज्ञात स्रोत (ऋग्वेद नामक धार्मिक ऋचाओं का संग्रह) सरस्वती नामक एक नदी का उल्लेख करता है सिंधु घाटी सभ्यता को कभी-कभी 'सरस्वती संस्कृति', 'सरस्वती सभ्यता' या 'सिंधु-सरस्वती सभ्यता' कहा जाता है क्योंकि यह सिद्धांत है कि सरस्वती नदी के किनारे सभ्यता सिंधु के साथ-साथ विकसित हुई थी।

39. (1) मांडा पीरपंचाल रेंज की तलहटी में चिनाब नदी के दाहिने किनारे पर स्थित है। यह सिंधु घाटी सभ्यता से संबंधित सबसे उत्तरी क्षेत्र माना जाता है। इसकी खुदाई 1976-77 के दौरान भारत के पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा जे पी जोशी के नेतृत्व में की गई। मांडा के पुरातात्विक स्थल से मिले कलाकृतियों में पूर्व हड़प्पा काल के लाल बर्तन (Red wares) मिले हैं।

40. (3) ऋग्वेद सनातन धर्म का सबसे आरंभिक स्रोत है। इसमें 1028 सूक्त हैं, जिनमें देवताओं की स्तुति की गई है इसमें देवताओं का यज्ञ में आह्वान करने के लिए मन्त्र हैं, यही सर्वप्रथम वेद है। ऋग्वेद को इतिहासकार हिन्द-यूरोपीय भाषा-परिवार की अभी तक उपलब्ध पहली रचनाओं में एक मानते हैं। यह संसार के उन सर्वप्रथम ग्रंथों में से एक हैं जिसकी मान्यता आज तक समाज में बनी हुई है। यह एक प्रमुख हिन्दू धर्म ग्रंथ है। ऋक् संहिता में 10 मंडल, बालखिल्य सहित 1028 सूक्त हैं। ऋग्वेद के 9वें मंडल को सोम मंडल भी कहा जाता है।

41. (2) लोथल के हड़प्पा बन्दरगाह शहर का पुरावशेष खंभात की खाड़ी में साबरमती की सहायक भोगवा नदी के किनारे स्थित है। लोथल से प्राप्त पुरातात्विक अवशेषों जिनमें जहाजों की आकृति वाली मृणमूतियों, खाड़ी देशों की मुहरें एवं ताम्र सिल्लियाँ, मणका निर्माण उद्योग के अवशेष बताते हैं कि लोथल सैंधव सभ्यता का एक प्रमुख नगर था। इसी विशेषता के आधार पर लोथल बाद में हड़प्पा संस्कृति के औद्योगिक बन्दरगाह शहर के रूप में विकसित हुआ। लोथल से प्रत्यक्ष रूप से मेसोपोटामिया के साथ व्यापार करने का साक्ष्य प्राप्त हुआ है।

42. (2) बनवाली सरस्वती के सूखे हुए क्षेत्र के बाएँ किनारे पर हरियाणा के फतेहाबाद में स्थित है। यहाँ उत्खनन से तीन स्तरीय संस्कृति अनुक्रम प्राप्त किया गया है, प्री-हड़प्पा (अर्ली-हड़प्पा), हड़प्पा और हड़प्पा के बाद का चोलीस्तान और बनवाली (हरियाणा) में 'हल' के टेरीकोटा का साक्ष्य पाया गया है। कालीबंगन (राजस्थान) में मक्का उगाने का साक्ष्य भी मिला है।

43. (2) 'हड़प्पा' सिन्धु सभ्यता के प्रमुख स्थलों में से एक है, सन् 1921 में जॉनमार्शल के निर्देशन में दयाराम साहनी ने इस जगह पर सर्वप्रथम उत्खनन करवाया था। यह पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में रावी नदी के किनारे स्थित है। हड़प्पा के दो खंड है पूर्वी खंड तो पूरी तरह से नष्ट हो चुका है लेकिन पश्चिमी खंड में किलेबंदी के साक्ष्य मिले हैं जिसका मुख्य मार्ग उत्तर में था। साक्ष्यों के अनुसार उत्तरी द्वार और रावी नदी के बीच एक अन्नभंडार, श्रमिक आवास और ईटों से जुड़े चबूतरे थे जिनमें अनाज रखने के लिए कोटर बने थे। सामान्य आवास के दक्षिण में एक कब्रिस्तान भी मिला है। हड़प्पा आज के पाकिस्तान में स्थित है।

44. (2) नृत्य करती लड़की एक प्रागैतिहासिक काल की कांस्य की मूर्ति है जिसका निर्माण सिन्धु घाटी सभ्यता के मोहनजोदड़ो में लगभग 2500 ई.पू. हुआ था। यह मूर्ति लगभग 10.5 सेमी. लंबी है जो आश्वस्त स्वाभाविक मुद्रा में खड़ी युवा महिला या लड़की का चित्रण करती है। इसे सिन्धु घाटी सभ्यता का एक श्रेष्ठ कलाकृति के रूप में जाना जाता है।

45. (3) शोर्तुगई (शोर्तुघई) उत्तरी अफगानिस्तान में लैपिस खानों के पास ओक्सस नदी पर 2000 ई.पू. के आस-पास स्थापित सिंधु सभ्यता का एक व्यापार कॉलोनी था। यह सिंधु घाटी सभ्यता का सबसे उत्तरी आबादी वाला सीमा माना जाता है।

46. (3) आधुनिक नाम मोहनजोदड़ो को सिंधी में "मृत मनुष्यों का टीला" और "मोहन का टीला" के विभिन्न नामों से व्याख्या की गई है। इस शहर का मूल नाम अज्ञात है। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में स्थित यह प्राचीन सिंधु घाटी सभ्यता की सबसे बड़ी बस्तियों में से एक, और विश्व के सबसे बड़े शहरों में से एक था।

47. (4) सिन्धु घाटी सभ्यता के दौरान लोहे की जानकारी नहीं थी। हालांकि, सिन्धु घाटी के लोग ताँबा और काँसा से परिचित थे। अनुसंधानकर्ताओं ने शोध में पाया कि बर्तन, खिलौने और सिक्के इन धातुओं के बने हुए थे। वे लोग सोना और चाँदी से भी परिचित थे। लोहे की खोज वैदिक काल के बाद की गई थी।

48. (2) ऋग्वेद चार वेदों में से सबसे प्राचीन वेद है, अन्य वेद हैं- सामवेद, यजुर्वेद और अथर्ववेद। सजीव परंपरा द्वारा आरंभिक धार्मिक मूल पाठों को आज भी पूज्य माना जाता है, यह अनुमान लगाया जाता है कि इसका निर्माण आरंभिक वैदिक काल के दौरान लगभग 1500-1200 ई. पूर्व में हुआ था। यह 10 पुस्तकों (मण्डलों) में व्यवस्थित 1028 भजनों और 10,600 छन्दों का एक संग्रह है।

49. (3) भीमबेटका रॉक आश्रय स्थल मध्य प्रदेश में एक पुरातात्विक स्थल है जो प्रागैतिहासिक पेलियोलिथिक और मीजोलिथिक काल, साथ ही साथ ऐतिहासिक काल तक विस्तृत है। भीमबेटका चट्टानों पर कुछ प्रागैतिहासिक गुफा चित्र बने हैं जो लगभग 30,000 वर्ष पुराने हैं।

50. (4) गुजरात के लोथल में ईंट की पंक्तिबद्ध कब्र के प्रमाण मिले हैं। जिस में कंकाल के तीन जोड़े पाए गए हैं। प्रत्येक में दो लोगों को एक साथ दफनाया गया था। पुरातत्वविदों का मानना है कि ये जोड़े के रूप में दफन थे, जबकि कुछ अन्य विद्वानों का तर्क है कि इन युग्म शवाधानों से सती प्रणाली का सबूत मिलता है।

51. (3) वृहत्तर सिंधु क्षेत्र मिस्र, मेसोपोटामिया, दक्षिण एशिया और चीन की चार प्राचीन शहरी सभ्यताओं में सबसे बड़ा स्थल था। 1920 के दशक तक इसकी खोज नहीं की गई थी। इसके अधिकांश अवशेष, यहाँ तक कि इसके प्रमुख शहर भी खुदाई से ही प्राप्त हुए हैं। प्राचीन सिंधु सभ्यता की लिपि का अब तक अर्थ नहीं निकाला जा सका है। इसमें रूस नहीं था।

52. (2) जोरवे संस्कृति एक चालकोलिथिक पुरातात्विक संस्कृति थी, जो अब पश्चिमी भारत में महाराष्ट्र राज्य के बड़े क्षेत्रों में मौजूद है, और उत्तर में मध्य प्रदेश के मालवा क्षेत्र में भी पहुँच गई। इसका नाम जोरवे की साइट के नाम पर रखा गया है। इस संस्कृति का प्रारंभिक चरण 1400- 1000 ईसा पूर्व, जबकि बाद का चरण 1000-700 ई.पू. है।

53. (2) अहमदाबाद के लोथल, (गुजरात) प्राचीन सिंधु घाटी सभ्यता के सबसे प्रमुख शहरों में से एक था। लोथल के पास दुनियाँ का सबसे पुराना ज्ञात बंदरगाह था, जो शहर को सिंध में व्यापार मार्ग निर्देशक हड़प्पा शहरों और सौराष्ट्र के प्रायद्वीप पर साबरमती नदी के एक प्राचीन मार्ग से जोड़ता था जबकि आज के आस-पास का कच्छ रेगिस्तान अरब सागर का एक हिस्सा था।

54. (4) बुर्जहोम कश्मीर में खोजा जाने वाला पहला नवपाषाण स्थल था। यह शालीमार के प्रसिद्ध मुगल उद्यान से लगभग 5 किमी दूर डल झील और जबरवन पहाड़ियों के बीच एक 'करेवा' पर स्थित है। बुर्जहोम की खोज और खुदाई के बाद, कश्मीर में अन्य नवपाषाण स्थलों की खोज की गई थी।

55. (3) कालीबंगन उत्तरी राजस्थान में सिंधु घाटी सभ्यता का एक प्राचीन स्थल है। यह हड़प्पा स्थलों का तीसरा उत्खनित शहर है। यहाँ प्राप्त अग्निवेदियों के कारण तथा विश्व के पहले जोते गए खेत के कारण यह स्थान जाना जाता है। कालीबंगन का नाम दो शब्दों से लिया गया है : काली और बंजन। काली का अर्थ है काला और भंजन का अर्थ है चूड़ी।

56. (2) दावजाली हैडिंग असम में एक महत्वपूर्ण नवपाषाण स्थल है।

- भारत में द्वि-कंधे वाली कुल्हाड़ी और रस्सी से चिह्नित मिट्टी के बर्तनों की सूचना यहाँ से मिली थी।

57. (2) सीनोजोइक, क्रीटेशियस काल के अंत और डायनासोर के विलुप्त होने के लगभग 65 मिलियन वर्ष तक विस्तृत है।

- सीनोजोइक को कभी-कभी स्तनधारियों का युग कहा जाता है, क्योंकि उस समय के दौरान सबसे बड़े भूमि जीव स्तनधारियों के रहे हैं।
- वर्तमान पौधों की उत्पत्ति सेनोजोइक युग से मानी जाती है।

58. (2) बुर्जहोम पुरातात्विक स्थल भारतीय राज्य जम्मू और कश्मीर की कश्मीर घाटी में स्थित है।

- पुरातत्व खुदाई में 3000 ईसा पूर्व और 1000 ईसा पूर्व के बीच सांस्कृतिक महत्व के चार चरणों का पता चला है।
- बुर्जहोम का अर्थ कश्मीरी बोली में बर्च का पेड़ है।
- मेहरगढ़ के लोग मिट्टी-ईंट के घरों में रहते थे, जबकि कश्मीर में पाए जाने वाले नवपाषाण स्थल बुर्जहोम से गड्ढे में रहने के साक्ष मिले हैं।

59. (4) मोहनजोदड़ो की प्राचीन बस्ती पाकिस्तान के सिंध प्रांत के लरकाना जिले में स्थित है।

- यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में अपार ऐतिहासिक महत्व के कारण एक पुरातात्विक स्थल के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। इस नगर को 1900 की शुरुआत में इसकी खोज तक हजारों साल की गंदगी और मिट्टी के नीचे दफन पाया गया था।
- मोहनजोदड़ो सिंधु नदी के पश्चिम में स्थित है।
- मोहनजोदड़ो में एक योजनाबद्ध खाका है जिसके आधार पर एक जाल योजना पर व्यवस्थित आयताकार इमारतें निर्मित हैं।

60. (2) वैदिक सभ्यता प्राचीन भारत के इतिहास की सबसे प्रारंभिक सभ्यता है।

- इसका नाम हिंदू लोगों के प्रारंभिक साहित्य वेदों के नाम पर रखा गया है।
- वैदिक सभ्यता सरस्वती नदी के साथ एक ऐसे क्षेत्र में विकसित हुई, जिसमें अब आधुनिक भारतीय राज्य हरियाणा और पंजाब शामिल हैं।
- वैदिक युग 1500 ईसा पूर्व से 500 ईसा पूर्व के बीच की अवधि है।

61. (2) कल्प एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ है 'उचित, फिट, सक्षम, पवित्र उपदेश', और यह अध्ययन के छः वेदांग क्षेत्रों में से एक को संदर्भित भी करता है।

- कल्प सूत्र, कर्म कांड अर्थात् वेद के अनुष्ठान भाग से संबंधित है जो उपनिषद् के ज्ञान कांड या ज्ञान भाग के विपरीत है।
- यह विशेष रूप से वैदिक ग्रंथों के उचित अनुप्रयोग के लिए अभिप्रेत है।
- यह ब्राह्मणों की मुख्य पाठ्य अनुष्ठान (कल्प) सामग्री थी, जिसे सबसे पहले कल्पसूत्र नामक पुस्तक में व्यवस्थित किया गया था।

62. (1) वैदिक काल में रावी नदी को पारुषी के नाम से जाना जाता था।

- सुतुद्री, असिकनी, वितस्ता और विपास के साथ, यह सिंधु नदी की सहायक नदियों में से एक थी।
- सरस्वती और सिंधु के साथ, इन 5 नदियों ने सप्त सिंधु का गठन किया।
- **नदियों के ऋग्वेद कालीन नाम** — **आधुनिक नाम**

नदियों के ऋग्वेद कालीन नाम	आधुनिक नाम
सिन्धुसिन्धु (इण्ड्स)	
वितासे	झेलम
असिकनी	चेनाब
परुषणी	रावी
विपास	ब्यास
सतुद्री सतलज	
गुमल गोमती	
क्रुमु	कुर्रम
दृश्द्वती	घग्गर

63. (3) राखाल दास बनर्जी और दयाराम साहनी ने 1921 में हड़प्पा और मोहनजोदड़ो के दो शहरों की खोज की। पुरातत्व में एक परंपरा के बाद, सिंधु घाटी सभ्यता को हड़प्पा सभ्यता के रूप में जाना जाने लगा, इसके बाद, हड़प्पा की पहली साइट की खुदाई की गई। यह दक्षिण एशिया के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों में कांस्य युग की सभ्यता थी, जो 3300 ईसा पूर्व से 1300 ईसा पूर्व तक थी।

64. (2) राजस्थान के कालीबंगन में हड़प्पा सभ्यता के शुरुआती और परिपक्व दोनों चरणों के प्रमाण मिले हैं। परिपक्व-हड़प्पा चरण को विस्तृत नगर नियोजन और शहरी विशेषताओं के संदर्भ में देखा जाता है। हड़प्पा सभ्यता को तीन चरणों में बांटा गया है: प्रारंभिक (3000 ईसा पूर्व -2600 ईसा पूर्व), परिपक्व (2600 ईसा पूर्व -1900 ईसा पूर्व) और उत्तरकाल (1900 ईसा पूर्व-1500 ईसा पूर्व)।

65. (2) ऋग्वेद 10 पुस्तकों (मंडलों) का संग्रह है जिसमें लगभग 10,600 छंदों में 1,028 भजन (सूक्त) हैं। आठ मंडल-2 से मंडल 9 की रचना सर्वप्रथम की गई है जबकि मंडल 1 और मंडल 10 की रचना बाद में की गई है। मंडल 2 से 9 मुख्य रूप से ब्रह्मांड विज्ञान और देवताओं की प्रशंसा करते हैं। मंडल 1 और 10 हाल की पुस्तकें हैं।

66. (2) बौद्ध धर्म और जैन धर्म कठोर तप और आत्म-मृत्यु के पहलुओं में भिन्न हैं। महावीर ने स्वयं को सत्य का एहसास करने के लिए जबरदस्त शारीरिक कष्ट का अभ्यास किया। उन्होंने अपने अनुयायियों को भूखे रहने और शारीरिक पीड़ा से गुजरने की सलाह दी। लेकिन बौद्ध धर्म ने मध्यम मार्ग पर बल दिया। इसके अंतर्गत मोक्ष के लिए कठोर साधना एवं कायाक्लेश में विश्वास नहीं किया जाता था। परंतु जैन धर्म में मोक्ष के लिए घोर तपस्या तथा शरीर त्याग को आवश्यक माना गया।

67. (4) सुरकोटदा एक पुरातात्विक स्थल है जो गुजरात के कच्छ जिले के रापर तालुका में स्थित है। यह सिंधु घाटी सभ्यता (IVC) से संबंधित है। सिंधु घाटी स्थलों के बीच, सुरकोटदा में हाथियों के साथ-साथ घोड़ों के भी प्रमाण मिले हैं। इसकी खोज 1964 में जगपति जोशी ने की थी। इस स्थल से सिंधु सभ्यता के पतन के अवशेष दिखाई देते हैं।

68. (1) वैदिक दृष्टिकोण के अनुसार, चार पुरुषार्थ (जीवन के लक्ष्य) हैं:

- धर्म (धार्मिकता, नैतिक मूल्य)
- अर्थ (समृद्धि, आर्थिक मूल्य)
- काम (खुशी, प्रेम, मनोवैज्ञानिक मूल्य)
- मोक्ष (मुक्ति, आध्यात्मिक मूल्य)

69. (3) संग्रहीत और सुसम्पादित वैदिक साहित्य को 'संहिता' कहा जाता है।

- संहिता कर्मकांडी ग्रंथ हैं, और वे अनुष्ठानों के सामाजिक और धार्मिक महत्व की व्याख्या करते हैं।
- चार वेद होने की वजह से चार संहिताएँ हैं (प्रत्येक संहिता की अपनी अलग अलग शाखाएँ है)।
- प्रत्येक संहिता में ब्राह्मण नामक ग्रंथ जोड़े गए हैं, जिनमें मंत्रों और अनुष्ठानों पर टिप्पणियां हैं।

70. (4) ऋग्वेद के कुछ सूक्त संवाद के रूप मे हैं।

- ऐसे ही एक भजन में ऋषि विश्वामित्र और दो नदियों (ब्यास और सतलज) के बीच एक संवाद है, जिन्हें देवी के रूप में पूजा जाता था।
- विश्वामित्र ने ब्यास और सतलज को बहनें कहा।

71. (3) सेल्ट नवपाषाण युग का एक उपकरण है।

- यह पॉलिश दार पत्थर की कुल्हाड़ी या बसूला का सिरा है जिसे लकड़ी के शाफ्ट में लगाने के लिए डिजाइन किया गया है और शायद मुख्य रूप से पेड़ो को काटने या लकड़ी को आकार देने के लिए उपयोग किया जाता होगा।
- 3,000 ईसा पूर्व से 1,000 ईसा पूर्व तक नवपाषाण काल, खानाबदोश जीवन से स्थिर जीवन में मनुष्य के संक्रमण को चिह्नित करता है, जहाँ उन्होंने पॉलिश किए गए नवपाषाण उपकरणों का उपयोग किया।

TYPE–II

1. (4) जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर महावीर स्वामी को ही जैन धर्म का वास्तविक संस्थापक माना जाता है, किन्तु कुछ जैन अनुयायी प्रथम तीर्थंकर ऋषभ देव को जैन धर्म का संस्थापक मानते हैं। जैन धर्म के 24 तीर्थंकर थे: (1) ऋषभदेव (2) अजितनाथ (3) सम्भवनाथ (4) अभिनंदननाथ (5) सुमितनाथ (6) पद्मप्रभु (7) सुपार्श्व (8) चन्द्रप्रभु (9) सुविधिनाथ (10) शीतलनाथ (11) श्रेयांस (12) वसुपूज्य (13) विमलनाथ (14) अनंतनाथ (15) धर्मनाथ (16) शांतिनाथ (17) कुन्थनाथ (18) अर्हनाथ (19) मल्लिनाथ (20) मुनिसुव्रतनाथ (21) नेमिनाथ (22) अरिष्टनेमि (23) पार्श्वनाथ (24) महावीर स्वामी

2. (2) बौद्धों का धार्मिक ग्रन्थ त्रिपिटक कहलाता है। यह ग्रन्थ पाली भाषा में है। इसको तीन भागों में बांटा गया है (1) सुत्तपिटक (बौद्ध के सिद्धांत तथा उपदेश संग्रह है) (2) अभिधम्म पिटक (इसमें दार्शनिक सिद्धांतों का संग्रह है) (3) विनयपिटक (संघ संबंधी नियम है)

3. (3) जैन धर्म के अनुसार प्रत्येक जीव अपने पूर्व संचित कार्यों के अनुसार ही शरीर धारण करता है। मोक्ष के लिये तीन साधन बताए गए हैं :
(1) सम्यक दर्शन-जैन धर्म के उपदेशों में दृढ़ विश्वास ही सम्यक दर्शन या श्रद्धा है। (2) सम्यक ज्ञान-जैन धर्म एवं उसके सिद्धांतों का ज्ञान ही सम्यक ज्ञान है। (3) सम्यक् चरित्र-जो कुछ भी जाना जा चुका है और सही माना जा चुका है इसे कार्यरूप में परिणत करना ही सम्यक् चरित्र है।
इन तीनों को जैन धर्म में त्रिरत्न की संज्ञा दी जाती है।

4. (1) अजंता की चित्रकारी दयालु बुद्ध से प्रेरित है। महाराष्ट्र में औरंगाबाद के समीप अजन्ता की गुफाओं में मानव जीवन, पशु-पक्षी, और प्रकृति का बहुरंगी चित्रण मिलता है।

5. (4) पाणिनी को संस्कृत भाषा का प्रथम व्याकरणविद् माना जाता है। उन्हें संस्कृत व्याकरण, जिसे 'अष्टाध्यायी' के रूप में जाना जाता है, की रचना की थी।

6. (2) गौतम बुद्ध का जन्म एक क्षत्रिय के रूप में हुआ था। वह ''शाक्य वंश के निर्वाचित शासक'' शुद्धोधन के पुत्र थे, जिनकी राजधानी कपिलवस्तु थी। शाक्यों ने एक स्वतंत्र गणतन्त्रवादी राज्य का निर्माण किया था जिसे 'शाक्य' गणराज्य के रूप में जाना जाता था। राजा शुद्धोधन की पत्नी और उनकी माता माया कोलियन राजकुमारी थी।

7. (1) सिद्धार्थ को 35 वर्ष की आयु में वैशाख पूर्णिमा की रात एक पीपल के वृक्ष के नीचे **'ज्ञान'** प्राप्त हुआ। अब उन्होंने दु:ख तथा उसके कारणों का पता लगा लिया। इस समय से वे 'बुद्ध' नाम से विख्यात् हुए। बुद्ध का अर्थ है ज्ञान।

8. (2) बोधगया में 35 वर्ष की आयु में वैशाख पूर्णिमा की रात को एक पीपल के वृक्ष के नीचे बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ। ज्ञान प्राप्ति के पश्चात् वे सर्व प्रथम ऋषिपतन (सारनाथ) आये। यहीं उन्होंने पाँच ब्राह्मण संन्यासियों को अपना पहला उपदेश दिया।

9. (4) प्रश्नानुसार वामसाथपाकसिनी भारत में उत्पन्न सबसे बाद वाला बौद्ध धर्म का ग्रंथ है।

10. (3) सर्वप्रथम गौतम बुद्ध को जिन चार आर्य सत्यों का ज्ञान हुआ उसे उन्होंने सम्पूर्ण जगत पर लागू किया। वे इस प्रकार हैं–

(1) दु:ख-संसार में सर्वत्र दु:ख ही दुख है। जीवन दु:खों तथा कष्टों से परिपूर्ण है

(2) दु:ख समुदाय-प्रत्येक वस्तु का कोई न कोई कारण अवश्य होता है।

(3) दु:ख निरोध-प्रत्येक वस्तु किसी न किसी कारण से उत्पन्न होती है, अत: यदि उस कारण का विनाश हो जाय तो वस्तु का विनाश हो जाएगा।

(4) दु:ख निरोध गामिनि प्रतिपदा-दुख के मूल अविद्या के विनाश का उपाय अष्टांगिक मार्ग है।

11. (1) सिकन्दर को पंजाब के शासक पोरस के साथ युद्ध करना पड़ा, जिसे हाइडेस्पीज का युद्ध या झेलम (वितस्ता) का युद्ध के नाम से जाना जाता है।

12. (1) सिकन्दर की मृत्यु के पश्चात् उसके पूर्वी प्रदेशों का भाग सेल्युकस निकेटर के अधीन चला गया। सेल्युकस निकेटर ने ही सिन्ध नदी पार करके चन्द्रगुप्त मौर्य से युद्ध किया था और पराजित हुआ।

13. (2) चैत्य एक सिरे पर स्तूप के साथ एक बौद्ध पूजा स्थल या प्रार्थना सभा-भवन है जिसका निर्माण भक्तों के अधिक संख्या में एकत्रित होने के लिए किया गया था। वे अर्ध-वृत्ताकार छत, स्तम्भशीर्ष के साथ सही अनुपात वाले स्तम्भ और उत्कृष्ट पॉलिशदार आन्तरिक दीवारों के साथ आयताकार सभा-भवन थे। स्तम्भ के तीन भाग थे: अवलम्ब (प्रॉप) भूमि में दबी नींव और शाफ्ट। कार्ले, नासिक, अजन्ता, जुनार इत्यादि के चैत्य प्रसिद्ध हैं।

14. (1) सिद्धार्थ या गौतम बुद्ध का जन्म 563 ई.पू. में कपिलवस्तु के निकट लुम्बिनी में हुआ था। बौद्ध धर्म के अनुसार इच्छा सब कष्टों का कारण है।

15. (2) मगध साम्राज्य की महत्ता का वास्तविक संस्थापक राजा बिम्बिसार (लगभग 544-492 ई. पू.) था। वह हर्यंक कुल से संबंधित था। डी. आर. भंडारकर का मानना है कि बिम्बिसार प्रारम्भ में लिच्छवियों का सेनापति था जो उस समय मगध में शासन करते थे। मगध का एक कूटनीतिज्ञ और दूरदर्शी शासक था जो गौतम बुद्ध का एक बड़ा प्रश्रयदाता था। बिंबिसार लगभग तीस वर्षों तक बौद्ध धर्म के विकास में सहायक रहा।

16. (4) जातक कथाएँ मनुष्य और जंतु दोनों रूप में गौतम बुद्ध के पूर्व जन्मों पर आधारित एक विशाल कथा-संग्रह है। पवित्र बौद्ध कथा के सिद्धांत के एक भाग के रूप में इसमें बुद्ध के पूर्व अवतारों की लगभग 550 दंतकथाओं और पौराणिक कथाओं को चित्रित किया गया है। अधिकांश जातक कहानियाँ चौथी शताब्दी ई. पू. की हैं।

17. (3) बुद्ध की मृत्यु के बाद चार बौद्ध संगीति हुई-राजगृह (प्रथम संगीति), वैशाली (द्वितीय), पाटलिपुत्र (तृतीय) और कश्मीर (चतुर्थ)। पहली बौद्ध संगीति राजगृह (राजगीर) में हुई। जिसकी अध्यक्षता **'महाकस्सप'** ने की। इसमें बुद्ध के वचनों को तीन पिटकों में संग्रहित किया गया। 'विनयपिटक' 'सुत्तपिटक' और 'अभिघम्मपिटक' तीन पिटक हैं। जिन भिक्षुओं ने विनयपिटक के नियमों को न माना वे थेरवादी कहलाए और जिन्होंने संशोधन करने की इच्छा प्रकट की, वे महासंघिक कहलाए। कनिष्क के समय चौथी बौद्ध संगीति (कश्मीर) में आपसी मतभेद बढ़ गए और परिणामस्वरूप बौद्ध ध र्मावलम्बी दो समुदायों में बंट गये-महायान और हीनयान।

18. (2) बोधगया से चल कर महात्मा बुद्ध सारनाथ पहुँचे तथा वहाँ अपने पूर्वकाल के पाँच साथियों को उपदेश देकर अपना शिष्य बना लिया। बौद्ध परंपरा में यह उपदेश **'धर्मचक्र प्रवर्त्तन'** नाम से विख्यात् है।

19. (1) बौद्ध धर्म में बुद्ध, संघ और धर्म तीन रत्न (त्रिरत्न) माने जाते हैं। बौद्ध धर्म के अनुसार बुद्ध के स्वरूप पर चित्त को केन्द्रित करने से मनुष्य के मन में वितृष्णा और स्थिरता आती है, संघ के प्रभाव से साधक में विश्वास और उत्साह का उदय होता है और धर्म के सेवन से उसके आत्मिक बल की वृद्धि होती है। गौतम बुद्ध ने संघ को सर्वाधिक महत्व दिया।

20. (4) मिलिंदपन्हो (मिलिंद के प्रश्न) 100 ई. पू. का एक बौद्ध काव्य है जिसमें भारतीय- यूनानी राजा मिनांडर प्रथम के प्रश्नों का उत्तर बौद्ध विद्वान नागसेन द्वारा दिया गया है।

21. (3) दिगम्बर, जैन धर्म के दो सम्प्रदायों में से एक है। दूसरा सम्प्रदाय है : श्वेतांबर। दिगंबर (दिशा ही जिसका अंबर अर्थात् वस्त्र हो) का अर्थ 'नग्न' होता है। दिगंबर संप्रदाय के अनुयायी मोक्ष प्राप्त करने के लिए नग्नतत्व को मुख्य मानते हैं और स्त्रीमुक्ति का निषेध करते हैं।

22. (4) महावीर के प्रथम शिष्य जमालि (महावीर भगवान के दामाद) थे। इसके अतिरिक्त इन्होंने पावा में 11 ब्राह्मणों को जैन धर्म में दीक्षित किया जो सर्वप्रथम अनुयायी माने जाते है। महावीर ने अपने अनुयायिओं को 11 गणों में विभक्त किया और प्रत्येक गण (समूह) का गणधर (प्रधान) इन्हीं 11 ब्राह्मणों में से एक-एक को बनाया। सभी गणधर अपने-अपने समूह के साथ महावीर स्वामी के नेतृत्व में धर्म प्रचार में संलग्न हुए।

23. (1) वर्धमान महावीर को **'जेना'** नाम से भी जाना जाता है। जेना शब्द का मूल अर्थ है : विजेता। प्रेम और घृणा; सुख और दुख; आसक्ति और विरक्ति जैसे मोह-भावों पर विजय प्राप्त करने और ज्ञान; अवलोकन; सत्य और क्षमता को निस्तेज करने वाले कर्मों से आत्मा को मुक्त करने हेतु उन्हें 'जेना' कहा जाता है। 'जेना' शब्द से ही जैन की उत्पत्ति हुई।

24. (4) तिब्बती बौद्ध धर्म के इतिहास के महत्वपूर्ण अध्यायों में 8वीं शताब्दी में बौद्ध मुनि पद्मसंभव का आगमन शामिल है। पद्मसंभव ने कई बौद्ध ग्रन्थों का तिब्बती भाषा में अनुवाद किया और तांत्रिक बौद्ध परंपरा को स्थानीय बौद्ध धर्म से विलय कर तिब्बती बौद्ध धर्म को प्रश्रय दिया।

25. (2) लुम्बिनी भगवान बुद्ध का जन्म स्थान है। उनके सम्मान में भारत के महान मौर्य सम्राट अशोक ने 249 ईसा पूर्व में, लुम्बिनी की अपनी तीर्थ यात्रा के दौरान एक स्तम्भ बनवाया था। अशोक के समय में लुम्बिनी को रूमिनदेई के नाम से जाना जाता था।

26. (1) भगवान बुद्ध के काल में बौद्ध साहित्य में क्षत्रियों को **'क्षतियास'** के नाम से उल्लेख किया गया है, लेकिन बाद में उनकी वास्तविक पहचान कम हो गई थी। इसी प्रकार वैश्य जाति के संबंध में भी यह सही है।

27. (2) जब जैन धर्म और बौद्ध धर्म लोकप्रिय हो रहे थे, ब्राह्मणों ने आश्रमों की व्यवस्था विकसित की थी। चार आश्रमों को मान्यता दी गई। ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास। आश्रमों की व्यवस्था में पुरुषों ने ध्यान में अपने जीवन का कुछ हिस्सा बिताया।

28. (4) विश्व में ईसा पूर्व छठी शताब्दी को धार्मिक उत्थान युग माना जाता है। इसी शताब्दी में भारत में बौद्ध धर्म और जैन धर्म का उदय हुआ। इसी अवधि में हेराक्लिट्स (Heraclitus) ने यूनानी द्वीप के आयोनिया (Ionia) नामक स्थान पर उपदेश दिया, इसी शताब्दी में जोरोस्टर (Zoroster) ने ईरान में धार्मिक अन्धविश्वास का विरोध किया और इसी समय-काल में कनफ्यूशिअस तथा लाओत्से ने चीन में जीवन का नया मार्ग दिखाया था।

29. (2) जैन अभिलेखों के अनुसार, 24 वें और अंतिम तीर्थंकर वर्धमान महावीर ने 5वीं या 6ठी ईसा पूर्व जैनधर्म की स्थापना की थी। इस धर्म के नाम की उत्पत्ति जिनाज ('विजेताओं') से हुई है, जिनाज नामक उपाधि 24 महान गुरुओं (तीर्थंकरों) को प्रदान की गई थी जो उनके विश्वास को प्रदर्शित करता है।

30. (*) त्रिपिटक या तीन टोकरी विभिन्न बौद्ध ग्रंथों के लिए इस्तेमाल एक पारंपरिक शब्द है इसे अंग्रेजी में कैनन के रूप में जाना जाता है तीन पिटक सुत्त-पिटक, विनय पिटक और अभिधम्म पिटक हैं। त्रिरत्न एक पारंपरिक बौद्ध शब्द है जिसका अर्थ है "तीन ज्वैल्स", और यह बुद्ध (प्रबुद्धता का आदर्श), धर्म (पथ और प्राप्ति के प्रान्त प्राप्ति योग्य, और संघ (उन लोगों का समुदाय जो पथ का पीछा करते हुए, और विशेषकर उनको दर्शाता है जिन्हें प्रबुद्धता का अनुभव था।

31. (2) प्राचीन काल में भारत में प्राय: युद्धों में हाथियों का प्रयोग किया जाता था। हालांकि, मगध के शासकों ने सर्वप्रथम विनाश करने के लिए हथियार के रूप में हाथियों का प्रयोग बड़े पैमाने पर किया था। प्लुटार्क के अनुसार, भारत पर सिकन्दर के आक्रमण के समय, सिकन्दर के सिपाहियों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए नंद की सेना में लगभग 6,000 हाथियों को शामिल किया गया था। मेगास्थनीज के अनुसार, चन्द्रगुप्त मौर्य की सेना में लगभग 9,000 हाथियों को शामिल किया गया था।

32. (2) वज्जी या व्रिज्जी छठी शताब्दी ईसा पूर्व एक संघ था। वज्जि के शासक आठ राजवंशों (अटहकुल) के संघ थे, जिसमें वज्जि, लिच्छवि, ज्ञातृक और विदेह अधिक महत्त्वपूर्ण थे। यह सोलह महाजनपदों में से एक था। वज्जि जनपद में गणतंत्रात्मक शासन था।

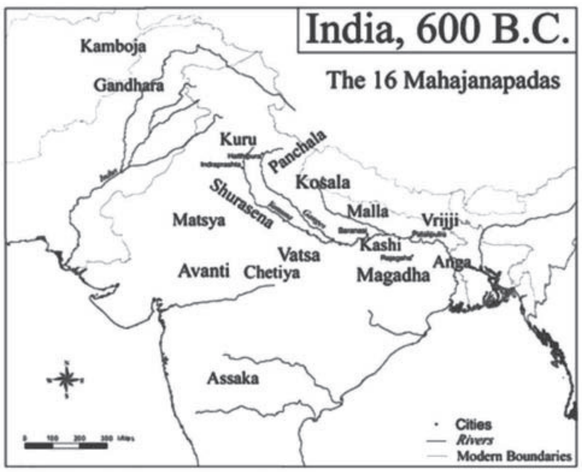

33. (2) जैन धर्म की पवित्र पुस्तकों को सामूहिक रूप से 'अंग' कहा जाता है। इसमें विभिन्न छोटे-छोटे मुद्दों पर पचास पृथक् कृतियों को समाविष्ट किया गया है। ये मूल-पाठ मुख्यत: अर्ध-मागधी प्राकृत और शौरसेनी भाषा में लिखे गए हैं। इस प्रामाणिक धर्म ग्रंथ संग्रह में विभिन्न नियमों की अन्य पुस्तकों के अतिरिक्त, महावीर द्वारा उल्लेखित 14 'पूर्व' या 'आरंभिक कृतियों' और महावीर के शिष्यों द्वारा रचित कई अंग भागों को शामिल किया गया है।

34. (3) संस्कृत में धर्मचक्र से तात्पर्य 'धर्म का चक्र' से है। यह शब्द भगवान बुद्ध के जीवन में सबसे महत्त्वपूर्ण क्षणों में से एक का प्रतीक है, यह पहला अवसर था जब उन्होंने ज्ञान प्राप्ति के बाद सारनाथ के हिरण्य उद्यान में अपने साथियों को प्रथम उपदेश दिया था। इस घटना को प्राय: धर्म उपदेश की चक्र गति को स्थिर करने अर्थात् धर्मचक्रप्रवर्तन के रूप में जाना जाता है।

35. (2) कैवल्य, मोक्ष प्राप्ति से संबंधित जैन धर्म की महत्त्वपूर्ण अवधारणा है। जैन धर्म के अनुसार, सभी विद्यमान वस्तुओं को दो भागों जीव (सजीव वस्तुओं अर्थात् जिनमें आत्मा का वास हो) और अजीव (निर्जीव वस्तुओं अर्थात् जिनमें आत्मा का वास न हो) में विभाजित किया जाता है। सजीव प्राणियों (जीव) की निर्जीव प्राणियों (अजीव) के साथ की बाधा सभी दु:खों का कारण है। कैवल्य, सजीव प्राणियों के इन बाधाओं से मुक्त होने का मार्ग है।

36. (3) उत्तर-वैदिक काल में पूरे उत्तरी क्षेत्र में ज्यादातर विंध्य के उत्तर स्थित और उत्तर-पश्चिम सीमा से बिहार तक फैले हुए सोलह महाजनपदों को सोलह राज्यों में विभाजित किया गया था। बौद्ध साहित्य विशेषकर अंगुत्तर निकाय, सोलह महाजनपदों को सूचीबद्ध करता है- गांधार, कम्बोज, अस्साका, वत्स, अवंती, सूरसेन, चेदि, मल्ल, कुरु, पंचाल, मत्स्य, वज्जि, काशी, अंग, कौशल और मगध।

37. (4) बौद्ध साहित्य, खासकर अंगुत्तर निकाय में सोलह महाजनपदों को सूचीबद्ध किया गया है- गांधार, कम्बोज, अस्मक, वत्स, अवंती, सूरसेन, चेदि, मल्ल, कुरु, पांचाल, मत्स्य, वज्जि, अंग, कोशल और मगध। गांधार की स्थिति लगभग आधुनिक कश्मीर से लेकर काबुल घाटी तक फैली हुई है। इसकी राजधानी तक्षशिला थी। 'तक्षशिला' में एक प्रसिद्ध विश्वविद्यालय था जहाँ विश्व के विभिन्न देशों से विद्यार्थी पढ़ने आते थे। चाणक्य, जीवक, वसुवंधु आदि ने इसी विश्व-विद्यालय से शिक्षा प्राप्त की थी।

38. (1) स्तूप एक अर्द्धगोलाकार संरचना है जहाँ बौद्ध अवशेषों को रखा गया है और बौद्ध भिक्षुओं द्वारा इनका उपयोग ध्यान लगाने के लिए किया जाता है। बौद्ध धर्म में, सबसे पहले के स्तूपों में बुद्ध की राख के हिस्से रखे गए थे, जिसके कारण स्तूप बुद्ध की मृत्यु से सम्बन्धित माने जाते हैं।

39. (1) चौथी बौद्ध संगीति का आयोजन कुषाण शासक कनिष्क के संरक्षण में 72 ई. में कश्मीर के कुण्डलवन में किया गया था, और वसुमित्र ने इस संगीति की अध्यक्षता की थी, जबकि अश्वघोष संगीति के उपाध्यक्ष थे। इस संगीति में बौद्ध धर्म महायान और हीनयान नामक दो सम्प्रदायों में विभाजित हो गया। हीनयान बौद्ध धर्म संस्थान का प्राचीन सम्प्रदाय था जिसकी स्थापना स्वयं बुद्ध के द्वारा की गई थी और नए सम्प्रदाय को महायान बौद्ध धर्म के रूप में जाना जाने लगा।

40. (3) हिन्दू दर्शन के अनुसार वैशेषिक छ: दर्शनों में से एक है। हिन्दू दर्शन के अन्य पाँच दर्शन योग, सांख्य, न्याय, मीमांसा और वेदांत हैं। वैशेषिक दर्शन महर्षि कणाद द्वारा प्रतिपादित किया गया था।

41. (4) अधिकांश बौद्ध ग्रंथ पाली भाषा में लिखे गए थे। पाली संस्कृत से काफी निकटता से संबंधित है लेकिन इसका व्याकरण और संरचना सरल है। पारंपरिक थेरावादियों ने पाली को बुद्ध द्वारा बोली जाने वाली भाषा के रूप में माना है, लेकिन प्रमुख भाषाई विद्वानों की राय में पाली संभवत: कई स्थानीय भाषाओं से बनानी मिश्रित भाषा थी ताकि बौद्ध ग्रंथों को उत्तरी भारत के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले बौद्ध भिक्षुओं को समझने में परेशानी ना हो।

42. (1) गौतम बुद्ध को 'एशिया का प्रकाश स्तंभ' और 'प्रबुद्ध व्यक्ति' माना जाता है। 'एशिया का प्रकाश स्तंभ' की उपाधि उन्हें महान इतिहासकार एडवर्ड अर्नोल्ड द्वारा दी गई थी। उनका जन्म कपिलवस्तु के राज परिवार में सिद्धार्थ गौतम के रूप में हुआ था, उन्होंने ज्ञान प्राप्त करने के बाद 'बुद्ध या प्रबुद्ध व्यक्ति' की उपाधि प्राप्त की थी।

43. (3) भगवान महावीर का जन्म 599 ई. पूर्व में बिहार के वैशाली जिले के कुण्डग्राम में इक्ष्वाकु वंश के राजा सिद्धार्थ और रानी त्रिशला के घर में राजकुमार वर्धमान के रूप में हुआ था। वह जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर थे।

44. (4) भगवान महावीर का संबंध बिहार के पटना के पास स्थित पावापुरी से है। 72 वर्ष (527 बीसी) की आयु में उन्होंने पावापुरी के कार्तिक कृष्ण अमावस्या के दिन परिनिर्वाण प्राप्त किया। उनके निर्वाण सम्बन्धी पवित्र पाठ का कल्प सूत्र में उल्लेख किया गया है। पावापुरी वह जगह है जहाँ महावीर ने मृत्यु से पहले अपना अंतिम उपदेश दिया था।

45. (2) जैन धर्म के पाँच सिद्धांतों में अहिंसा सबसे मौलिक है। भगवान महावीर ने कहा, "अहिंसा परमो धर्म:"। जैन धर्म ने पंचशील सिद्धांत बताए, ये हैं - अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, अचौर्य (अस्तेय) और ब्रह्मचर्य।

46. (3) महर्षि अक्षपाद गौतम न्याय दर्शन से सम्बन्धित हैं। उन्होंने 'न्याय सूत्र' की रचना की जिसे हिन्दू दर्शन के न्याय दर्शन का मूलभूत पाठ माना जाता है। यह ज्ञान और तर्क पर केन्द्रित एक उल्लेखनीय कृति है। यह न्याय स्मृति के लिए धर्मग्रंथों की अविवेकी सत्ता के विरुद्ध प्रयोगाश्रित वैधता और सत्य का आधार निर्धारित करता है।

47. (4) 7वीं शताब्दी के प्रारंभ के साथ, हर्षवर्धन (606-647 A.D.) ने अपने भाई, राज्यवर्धन की मृत्यु पर थानेश्वर और कन्नौज की गद्दी पर चढ़ाई की। उन्होंने 606 से 647 ईसवी तक उत्तर भारत पर शासन किया। वह वर्धन वंश का सदस्य था और प्रभाकरवर्धन का पुत्र था जिसने अल्चोन हण आक्रमणकारियों को हराया।

48. (3) भगवान महावीर के उपदेश को उनके शिष्यों द्वारा मौखिक रूप से कई ग्रंथों (शास्त्रों) में संकलित किया गया था। इन शास्त्रों को जैन आगम या आगम सूत्र के नाम से जाना जाता है। आगम सूत्र जीवन के सभी रूपों, शाकाहार के सख्त निमय, तप, करुणा, अहिंसा और युद्ध के विरोध में महान समादर का ज्ञान प्रदान करते हैं।

49. (1) हाइडेस्पस की लड़ाई 326 ईसा पूर्व में सिकन्दर महान ने पंजाब में हाइडस्पस (झेलम) नदी के तट पर पौरव साम्राज्य के राजा पोरस के खिलाफ लड़ी थी। इस लड़ाई के परिणामस्वरूप मैसेडोनियन की जीत और पंजाब की हार हो गई ।

50. (1) महाजनपद सोलह राज्य या कुलीन गणराज्य जो प्राचीन भारत में छठी से चौथी शताब्दी ईसा पूर्व में मौजूद थे। अंगुतर निकाय जैसे बौद्ध धर्म ग्रंथ सोलह महान राज्यों और गणराज्यों का बार-बार उल्लेख करते हैं । उत्तर पश्चिम में गंधार से लेकर भारतीय उपमहाद्वीप के पूर्वी हिस्से में अंग तक।

51. (2) वज्जी संघ की राजधानी वैशाली को 6ठी शताब्दी ईसा पूर्व के आसपास गणतंत्र शासन का पहला उदाहरण माना जाता है। गौतम बुद्ध ने 483 ईसा पूर्व, में अपनी मृत्यु से पहले अपना अंतिम उपदेश यहाँ दिया। 383 ईसा पूर्व, में राजा कालाशोक द्वारा दूसरी बौद्ध संगीति यहां बुलाई गई थी, जिससे यह जैन और बौद्ध दोनों धर्मों में एक महत्वपूर्ण स्थान बन गया।

52. (2) कपिल प्राचीन भारत के एक प्रभावशाली मुनि थे। इन्हें संख्याशास्त्र के प्रवर्तक के रूप में जाना जाता है, जिनके मान्य अर्थों के अनुसार विश्व का उद्‌भव विकासवादी प्रक्रिया से हुआ है। कपिल ने सर्वप्रथम विकासवाद का प्रतिपादन किया और संसार को एक क्रम के रूप में देखा।

53. (4) प्राचीन भारत में सोलह महाजनपद, सोलह राज्य या कुलीन गणराज्य थे जो ईसा पूर्व छठी से चौथी शताब्दी तक प्राचीन भारत में मौजूद थे। अंगुत्तरनिकाय जैसे प्राचीन बौद्ध ग्रंथ सोलह महान राज्यों और गणराज्यों का बार-बार संदर्भ देते हैं जो उत्तर पश्चिम में गांधार से लेकर भारतीय उपमहाद्वीप के पूर्वी हिस्से के अंग में फले-फुले थे।

54. (2) भगवान बुद्ध की जन्मस्थली लुम्बिनी है।
- अशोक स्तंभ के साथ ब्राह्मी लिपि में पाली शिलालेख इस स्थान से मिला है।
- अशोक ने इस स्थान पर जाकर पूजा की।
- अशोक ने लुम्बिनी को कर से मुक्त कर दिया था।

55. (2) त्रिपिटक या तीन पेटिकाएँ एक पारंपरिक शब्द है जिसका इस्तेमाल विभिन्न बौद्ध धर्मग्रंथों के लिए किया जाता है।
- तीन पिटक हैं सुत्त पिटक, विनय पिटक और अभिधम्म पिटक।
- सुत्त पिटक: इसमें बुद्ध और उनके करीबी साथियों से संबंधित 10 हजार से अधिक सूक्त या सूत्र हैं।
- विनय पिटक भिक्षुओं और ननों के लिए मठवासी नियम हैं। इसे बुक ऑफ डिसिप्लिन भी कहा जा सकता है।
- अभिधम्मपिटक बौद्ध धर्म के दर्शन और सिद्धांत से संबंधित है।

56. (3) अजातशत्रु पूर्वी भारत में मगध के हर्यंक वंश के एक राजा थे।
- वे राजा बिम्बिसार के पुत्र थे और महावीर और गौतम बुद्ध दोनों के समकालीन थे।

57. (3) 4थी शताब्दी ईसा पूर्व के दौरान भारत के उत्तरी भाग में नंद राजवंश का शासन था।
- धनानंद नंद वंश का अंतिम राजा था।
- पांडुका इस राजवंश के दूसरे राजा थे।
- गोविषाणक नंद वंश के 6ठे राजा थे।
- कैवर्त इस वंश का 8वाँ राजा था।

58. (3) बिम्बिसार, हर्यंक वंश का संस्थापक था।
- अजातशत्रु राजा बिम्बिसार का पुत्र था।
- उसने सन् 493-462 ई.पू. तक मगध पर शासन किया।
- अशोक, मौर्य राजवंश का सबसे प्रतापी सम्राट था।
- उन्होंने लगभग समस्त भारतीय उपमहाद्वीप पर सन् 268 से 232 ई.पू. तक शासन किया।

59. (1) मगध पर शासन करने वाला पहला शासक वंश 'बृहद्रथ' वंश को माना जाता है। इसकी प्रारंभिक राजधानी "गिरिव्रज" (वर्तमान राजगीर) हुआ करती थी।
- उदयिन ने गिरिव्रज से अपनी राजधानी को 'पाटलिपुत्र' में स्थानांतरित कर दिया।
- शिशुनाग वंश ने राजधानी को पाटलिपुत्र से 'वैशाली' में स्थानांतरित कर दिया।
- वैशाली महान मगध सम्राज्य की तीसरी राजधानी बनी।

60. (4) उदयन, हर्यंक वंश का भारतीय शासक था जिसने 460 ईसा पूर्व से 440 ईसा पूर्व के दौरान मगध पर शासन किया था।
- वे अजातशत्रु के पुत्र और राजा बिम्बिसार के पोते थे।
- राजा उदयिन ने दो नदियों, सोन और गंगा के संगम पर पाटलिपुत्र शहर की नींव रखी।
- मगध साम्राज्य में पाटलिपुत्र की केंद्रीय स्थिति के कारण उन्होंने बाद में अपनी राजधानी राजगृह से पाटलिपुत्र स्थानांतरित कर दी।

61. (2) जैन साहित्य में, 'जीन' 'विजेता' है।
- 'जीन' वह है जिसने आत्म-अनुशासन के माध्यम से लौकिक और भौतिक अस्तित्व पर विजय प्राप्त की है और एक पारलौकिक और बाहरी आनंद की स्थिति प्राप्त की है।
- 'जीन' शब्द का प्रयोग विशेष रूप से तीर्थंकर (फोर्ड-मेकर) के लिए किया जाता है, जो एक उद्धारकर्ता है जो जीवन की पुनर्जन्म की धारा को पार करने में सफल रहा है और दूसरों के अनुसरण के लिए एक रास्ता बनाया है।

62. (2) वैशाली और नालंदा के बौद्ध स्थल बिहार में स्थित हैं। वैशाली एक महान बौद्ध तीर्थ है जहाँ बुद्ध ने अपना अंतिम उपदेश दिया और अपने निर्वाण की घोषणा की। उनकी मृत्यु के बाद, वैशाली ने दूसरी बौद्ध परिषद की भी मेजबानी की। नालंदा अपने प्राचीन विश्वविद्यालय और बौद्ध मठ केंद्र के लिए प्रसिद्ध है।

63. (3) अष्ट-महास्थान (आठ बौद्ध पवित्र स्थान) से तात्पर्य उन आठ महत्वपूर्ण स्थानों से है जो तीर्थयात्रा के रूप में बुद्ध के जीवन से जुड़े हैं:
- लुम्बिनी: बुद्ध की जन्मभूमि, नेपाल में।
- बोध-गया: भारत में वह स्थान जहाँ बुद्ध ने आत्मज्ञान प्राप्त किया था।
- सारनाथ (वाराणसी के पास): जहाँ बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया था।
- कुशीनगर: जहाँ बुद्ध परिनिर्वाण में गुजरे।
- श्रावस्ती: जहाँ बुद्ध ने सबसे अधिक समय व्यतीत किया और 22 वर्षाकालीन ग्रीष्म अवकाशों का संचालन किया;
- राजगीर: जहाँ बुद्ध ने बुद्धिमत्ता की पूर्णता सिखाई और क्रोधित हाथी को अपनी करुणा से वश में कर लिया।
- संकिसा: जहाँ बुद्ध का स्वर्ग से अवतरण हुआ था।
- वैशाली, जहाँ बुद्ध ने पहली महिला नन को ठहराया था।

64. (1) कणाद कश्यप ने छठी से दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व के आसपास दर्शनशास्त्र के वैशेषिक स्कूल की स्थापना की थी।
- वैशेषिक छह भारतीय दर्शनों में से एक दर्शन है।
- वैशेषिक दर्शन के अनुसार दुनिया का सबसे छोटा, अविभाज्य, अविनाशी हिस्सा एक परमाणु (अणु) होता है।

65. (4) गौतम बुद्ध ने ज्ञान प्राप्ति के बाद सारनाथ के डियर पार्क में अपना पहला उपदेश दिया था।
- उन्होंने अपने पहले धर्मोपदेश में चार आर्य सत्यों की शिक्षा दी।
- इस घटना को बौद्ध धर्म में धर्मचक्र- प्रवर्तन कहा जाता है।

TYPE–III

1. (2) कौटिल्य ने अर्थशास्त्र की रचना की थी। यह राजशासन पर लिखा गया कौटिल्य का महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ है। यह ग्रन्थ चन्द्रगुप्त मौर्य की शासन - व्यवस्था के ज्ञान के लिए बहुमूल्य सामग्रियों का भण्डार है।

2. (2) सिकन्दर की मृत्यु के पश्चात् उसके पूर्वी प्रदेशों का उत्तराधिकारी सेल्यूकस बना। सिन्धु नदी पार करके के बाद सेल्यूकस ने चन्द्रगुप्त से युद्ध किया। इस युद्ध में सेल्यूकस पराजित हो गया। फलस्वरूप चन्द्रगुप्त तथा सेल्यूकस के बीच संधि हो गई।

3. (1) विश्व का सबसे प्राचीन विश्वविद्यालय, तक्षशिला विश्वविद्यालय सिन्धु और झेलम नदियों के मध्य स्थित था। यह गांधार राज्य में 600 ई.पू. से 500 ई. तक समृद्धि के शिखर पर था। इस विश्वविद्यालय में 68 विषयों की शिक्षा दी जाती थी और प्राचीन मूल-पाठ दर्शाते हैं कि विश्वविद्यालय में प्रवेश की न्यूनतम सीमा 16 वर्ष थी। एक समय, बेबीलोन, यूनान, सीरिया और चीन से आने वाले विद्यार्थियों सहित इसके कुल विद्यार्थियों की संख्या लगभग 10,500 थी।

4. (1) सिकन्दर की मृत्यु के पश्चात् उसके पूर्वी प्रदेशों का उत्तराधिकारी सेल्यूकस ने सिन्ध नदी पार करके चन्द्रगुप्त से युद्ध किया। सेल्यूकस युद्ध में पराजित हुआ। फलस्वरूप चन्द्रगुप्त मौर्य तथा सेल्यूकस के बीच सन्धि हुई। सेल्यूकस अपनी पुत्री का विवाह चन्द्रगुप्त के साथ कर दिया। उसने मेगस्थनीज नामक अपना एक राजदूत चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में भेजा। मेगस्थनीज ने इण्डिका नामक पुस्तक की रचना की। यह निश्चय ही चन्द्रगुप्त की एक महत्वपूर्ण सफलता थी। इससे उसका साम्राज्य भारतीय सीमा का अतिक्रमण कर पराजित साम्राज्य की सीमा को स्पर्श करने लगा। चन्द्रगुप्त ने यूनानियों को भारत से बाहर निकाल दिया।

5. (1) कलिंग का प्राचीन राज्य वर्तमान दक्षिण ओडिशा में स्थित था। कलिंग उस समय व्यापारिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण राज्य था तथा अशोक की दृष्टि उसके समृद्ध व्यापार पर भी थी। अत: अपने अभिषेक के आठवें वर्ष (261 B.C.) उसने कलिंग के विरुद्ध युद्ध छेड़ दिया। अशोक इस राज्य को जीतकर अपने साम्राज्य में मिलाने में सफल रहा। अशोक के तेरहवें अभिलेख में इस युद्ध का उल्लेख हुआ है।

6. (3) चन्द्रगुप्त अपने जीवन के अन्तिम दिनों में जैन हो गया तथा भद्रबाहु की शिष्यता ग्रहण कर ली। उसके शासन काल के अन्त में मगध में बारह वर्षों का भीषण अकाल पड़ा। चन्द्रगुप्त ने अकाल की स्थिति से निपटने की पूरी कोशिश की किन्तु उसे सफलता नहीं मिली। परिणामस्वरूप वह अपने पुत्र के पक्ष में सिंहासन त्याग कर भद्रबाहु के साथ श्रवणवेलगोला (मैसूर) में तपस्या करने चला गया।

7. (1) अशोक को उसके अभिलेखों में **'देवानाम पियदस्सी'** (देवताओं का प्रिय अथवा देखने में सुन्दर) तथा राजा आदि उपाधियों से सम्बोधित किया गया है।

8. (3) मौर्यों का पतन होने के बाद शुंग वंश ने मगध पर शासन किया था। शुंग वंश की स्थापना पुष्यमित्र शुंग द्वारा 185 ई. पू. में की गई थी। शुंग वंश के शासकों ने 187 से 78 ई.पू. के मध्य केन्द्रीय और पूर्वी भारतीय महाद्वीप के क्षेत्रों को नियंत्रित किया।

9. (4) चरक कनिष्क के दरबार में प्रसिद्ध चिकित्सक था। चरक कनिष्क का राजवैद्य था जिसने चरक संहिता की रचना की थी। यह औषधिशास्त्र के ऊपर प्राचीनतम रचना है। इसका अनुवाद अरबी तथा फारसी भाषाओं में किया जा चुका है।

10. (2) प्रथम महाबोधि मंदिर का निर्माण सम्राट अशोक ने लगभग 260 ईसा पूर्व में बोध गया में किया था। यह उसी स्थान पर स्थित है जहाँ गौतम बुद्ध एक पीपल के पेड़ के नीचे ध्यान में बैठे थे और तीन दिन और रात के ध्यान के बाद ज्ञान प्राप्त किये थे। यह भगवान बुद्ध के जीवन से संबंधित चार पवित्र स्थलों में से एक है, विशेष रूप से आत्मज्ञान की प्राप्ति के लिए।

11. (1) भारत में सबसे पुराना पत्थर की संरचना में से एक साँची का महान स्तूप मूल रूप से तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में मौर्य सम्राट अशोक द्वारा निर्माण कराया गया था। 12.2816.46 मीटर (54.0 फीट) की ऊँचाई वाले इस विशाल अर्धगोल गुंबद में एक केन्द्रीय कक्ष है जहाँ भगवान बुद्ध के अवशेष रखे गए हैं।

12. (3) कनिष्क अपने शासन के प्रारंभिक वर्षों में ही बौद्ध हो गया था। पेशावर में प्रसिद्ध चैत्य का निर्माण करवाकर उसने इस धर्म के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट की। उसने बौद्ध धर्म की महायान शाखा को राज्याश्रय प्रदान किया तथा उसका मध्य एशिया एवं चीन में प्रचार करवाया। उसके शासन काल में कश्मीर के कुण्डलवन नामक स्थान में बौद्ध धर्म की चतुर्थ संगीति का आयोजन किया गया था। उसकी अध्यक्षता प्रसिद्ध बौद्ध विद्वान वसुमित्र ने की थी तथा अश्वघोष उसके उपाध्यक्ष बनाये गये।

13. (3) मेगस्थनीज चंद्रगुप्त मौर्य के लिए सील्यूसिड राजवंश के सेल्यूकस 1 के राजदूत थे। वह चंद्रगुप्त मौर्य के दरबार में लगभग पाँच वर्ष (302-298 ई. पू.) तक रहा था। उन्होंने भारत और चंद्रगुप्त के शासन के बारे में अपनी किताब "इंडिका" में लिखा है।

14. (2) कनिष्क 78 ई. में राज सिंहासन पर आरूढ़ हुए। इस वर्ष को शक संवत (कनिष्क संवत) नाम प्रदान किया गया है। यही आज भारत का राष्ट्रीय संवत भी है।

15. (3) जेम्स प्रिंसेप ने 1837 में सर्वप्रथम अशोक के अभिलेखों को पढ़ा था। जेम्स प्रिंसेप अंग्रेज विद्वान तथा पुरातात्विद् था जिसने प्राचीन भारतीय भाषाओं में खरोष्ठी तथा ब्राह्मी लिपियों का अध्ययन किया था भारत के प्राचीन इतिहास का ज्ञाता था। जिसने प्राचीन भारतीय संस्कृति के अन्वेषण और अध्ययन के लिए एशियाटिक सोसायटी की स्थापना 1784 में की थी।

16. (4) चेर राजवंश के अंतर्गत महत्वपूर्ण व्यापारिक केंद्र थे- मुशिरी, तोंडी, बांदर रोमनों ने मुशिरी में अगस्टस का मंदिर बनवाया था।

17. (3) गांधार शैली प्राचीन भारतीय कला है जिसका कुषाण राजा कनिष्क के राज्यकाल में इसका अधिकतम विकास हुआ। यह ग्रीक- भारतीय कला शैली, मुख्यत: अफगानिस्तान और पश्चिमी पंजाब के बीच की भूमि गांधार में पल्लवित हुई। अत: इसका नाम गांधार शैली पड़ा। बुद्ध की पहली मूर्ति संभवत: पेशावर के पास इसी गांधार शैली में बनी है।

18. (2) खारवेल कलिंग के तीसरे राजवंश चेदि वंश से संबंधित था। खारवेल को ऐरा, महाराज, महामेघवाहन एवं कलिंगाधिपति कहा गया है। खारवेल ने अपने शासनकाल के दूसरे वर्ष में शातकर्णी (सातवाहन) की उपेक्षा करते हुए कश्यप क्षत्रियों के सहयोग से 'मूषिक' राजाओं की राजधानी को पूर्ण रूप से नष्ट कर दिया।

19. (1) प्राचीन चोल शासकों का आधिपत्य कावेरी नदी के डेल्टा और उसके आस-पास के क्षेत्र पर था। काँची का क्षेत्र भी इस राज्य का भाग था। प्रारंभिक मध्ययुगीन काल में इसे चोलमंडलम् भी कहा जाता था। यह पांड्य राज्य के उत्तर-पूर्व में स्थित था। शुरू में इसकी राजधानी तिरुचिरापल्ली में उरैयूर में स्थित थी लेकिन बाद में इसे पुहार में स्थानांतरित कर दिया गया, जिसे कावेरीपट्टनम के नाम से जाना जाता है।

20. (2) बौद्धधर्म के विस्तार के लिए अशोक ने धर्म प्रचारकों को भारत के साथ-साथ इसके आस-पास के अन्य देशों में भी भेजा। अशोक के प्रभावशाली व्यक्तित्व के प्रभाव के कारण इनके द्वारा भेजे गए धर्म प्रचारकों को दूसरे देशों द्वारा सम्मानित किया गया।

21. (2) शिलालेख XIII और लघु शिला लेख I के अनुसार कलिंग युद्ध में हुए व्यापक जनसंहार ने अशोक का हृदय परिवर्तन कर दिया और उसने **'युद्ध विजय'** के स्थान पर **'धम्म विजय'** (धर्म द्वारा विजय) तथा अहिंसा को अपनाया और युद्ध त्याग की घोषणा की।

22. (3) चन्द्रगुप्त मौर्य के पुत्र और उत्तराधिकारी बिन्दुसार के शासनकाल के दौरान सिन्ध प्रान्त के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र तक्षशिला में गड़बड़ी फैली हुई थी। उसने विद्रोह कुचलने के लिए अपने पुत्र अशोक को भेजा।

23. (2) अर्थशास्त्र की रचना कौटिल्य ने की थी, इन्हें विष्णु गुप्त के नाम से भी जाना जाता है। वे चन्द्रगुप्त मौर्य के सहयोगी, परामर्शदाता और मौर्य साम्राज्य के संस्थापक भी थे। यह शासन कला, आर्थिक नीति और सैन्य रणनीति पर आधारित, संस्कृत भाषा में लिखी गई एक प्राचीन भारतीय शोध प्रबन्धात्मक पुस्तक है।

24. (2) इतिहासकारों द्वारा गौतमीपुत्र शातकर्णी (78 - 102 ई.) को सातवाहन शासकों में सबसे महान शासक माना जाता है। उन्होंने यवनों, शाक्यों और पल्लवों को पराजित कर सातवाहन वंश के प्राचीन गौरव की पुन: स्थापना की थी। उन्होंने दो अश्वमेघ यज्ञों का आयोजन किया था।

25. (4) अपने जीवन के अंतिम दिनों के दौरान चन्द्रगुप्त ने अपना सिंहासन अपने पुत्र बिन्दुसार को सौंप दिया और संन्यासी के रूप में अपना शेष जीवन व्यतीत करने लगे। उन्होंने जैन धर्म स्वीकार कर लिया और भद्रबाहु के साथ अपने जीवन के अंतिम दिन कर्नाटक में स्थित **'श्रवणबेलगोला'** नामक स्थान पर बिताए।

26. (3) कुजुल कडपिसेज (जिसे कडफिसेस I के रूप में भी जाना जाता है) को 78 ई. में भारत में कुषाण वंश की स्थापना करने का श्रेय दिया जाता है अर्थात् उसे कुषाण वंश का संस्थापक माना जाता है।

27. (2) सिमुक 'सातवाहन वंश' का संस्थापक था। नानाघाट के सातवाहन अभिलेख की शाही सूची में उसे प्रथम शासक के रूप में वर्णित किया गया है। माना जाता है कि उसने रथिकों और भोजकों की सहायता से दक्कन में शुंग शक्ति को नष्ट कर दिया था। उसने लगभग 23 वर्ष शासन किया और बाद में उसके भाई कान्हा ने उसका सिर काट दिया और स्वयं शासक बन गया।

28. (2) गांधार कला बौद्ध दर्शन कला की एक शैली है जो ईसवी सन् की प्रथम कुछ शताब्दियों के दौरान ग्रीक, सीरिया, पारसी और भारतीय कलात्मक प्रभावों के विलय के परिणामस्वरूप विकसित हुई। विदेशी प्रभाव बुद्ध की मूर्तिकलाओं से प्रकट होता है जिसमें वे ग्रीक मूर्तिकलाओं के समान प्रतीत होती हैं। शाक्य और कुषाण दोनों गांधार स्कूल के महान संरक्षक थे।

29. (3) संगम एक प्राचीन अकादमी थी जो तमिल कवियों और लेखकों को समय-समय पर अपनी कृतियों को प्रकाशित करने में सहायता करती थी। पांड्य राजाओं के संरक्षण में संगम अकादमी की बैठक का आयोजन समय-समय पर दक्षिण भारत के मदुरै शहर में किया जाता था। संगम साहित्य में वर्तमान तमिल साहित्य का प्राचीनतम साहित्य समाविष्ट है जो प्रेम, वियोग, युद्ध, शासन और व्यापार पर प्रकाश डालता है।

30. (1) मौर्य साम्राज्य के पूर्वी भागों में अशोक के अधिकांश अभिलेख ब्राह्मी लिपि के प्रयोग से मागधी भाषा में लिखे गए थे। खरोष्ठी लिपि का प्रयोग उनके साम्राज्य के उत्तर-पश्चिमी भागों में किया गया था। ब्राह्मी लिपि का अर्थ ईस्ट इंडिया कंपनी के अधिकारी, भाषाशास्त्री और पुरातत्त्वविद् जेम्स प्रिन्सेप द्वारा 1837 में निकाला गया था।

31. (1) बिहार का प्राचीन शहर पाटलिपुत्र (वर्तमान पटना) मौर्य साम्राज्य की राजधानी शहर के रूप में था। यह चन्द्रगुप्त मौर्य और अशोक के नेतृत्व में समृद्धि के शिखर पर था। यूनानी राजदूत मेगस्थनीज ने इसकी भव्यता का विस्तृत वर्णन किया था। पाटलिपुत्र का निर्माण मूल रूप से 490 ईसा पूर्व मगध शासक अजातशत्रु द्वारा कराया गया था।

32. (3) बौद्ध विषयों में ग्रीक कला की तकनीकों के प्रयुक्त होने के कारण गांधार कला स्कूल को ग्रीको-बौद्ध कला स्कूल के नाम से भी जाना जाता है। गांधार कला स्कूल ने बुद्ध और बोद्धिसत्वों के सुन्दर चित्रों के विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया था। ये चित्र ग्रीको-रोमन स्मारक भवन की समान विशेषताओं पर आधारित थे। गांधार कला स्कूल को कनिष्क के शासन काल के दौरान पहली शताब्दी ई. में विकसित किया गया था।

33. (4) अशोक ने धम्म महामात्र के नाम से अधिकारियों को नियुक्त किया, जो लोगों को धम्म के बारे में शिक्षा देते थे। इसक अलावा, अशोक ने अपने संदेशों को चट्टानों और स्तंभों पर अंकित करवाया, अपने अधिकारियों को उन लोगों को अपना संदेश सुनाने के लिए निर्देश दिया, जो स्वयं पढ़ नहीं सकते थे। उन्होंने धम्म के बारे में विचार करने के लिए सीरिया, मिस्र, ग्रीस और श्रीलंका को दूत भेजे।

34. (1) 'तोल्लका-पियम' तमिल भाषा का एक व्याकरण ग्रंथ है। इसे 200 ई. पूर्व संगम साहित्य के दौरान काव्य के रूप में लिखा गया गया। इसमें कई कवियों ने भाग लिया और बड़े पैमाने पर साहित्य का निर्माण किया, लेकिन केवल 'तोल्लकापियम्' (प्रारंभिक तमिल व्याकरण) बच गया है।

35. (1) महान सम्राट अशोक द्वारा 250 ईसा पूर्व में सारनाथ में बनवाया गया यह स्तंभ दुनिया भर में प्रसिद्ध है, इसे अशोक स्तंभ के नाम से भी जाना जाता है। इस स्तंभ में चार शेर एक दूसरे से पीठ से पीठ सटा कर बैठे हुए हैं। यह स्तंभ सारनाथ के संग्रहालय में रखा हुआ है। भारत ने इस स्तंभ को अपने राष्ट्रीय प्रतीक के रूप में अपनाया है तथा स्तंभ के निचले भाग पर स्थित अशोक चक्र को तिरंगे के मध्य में रखा है। इस स्तंभ पर तीन लेख उल्लिखित हैं। पहला लेख अशोक कालीन ब्राह्मी लिपि में है जिसमें सम्राट ने आदेश दिया है कि जो भिक्षु या भिक्षुणी संघ में फूट डालेंगे और संघ की निंदा करेंगे: उन्हें सफेद कपड़े पहनाकर संघ के बाहर निकाल दिया जाएगा। दूसरा लेख कुषाण-काल का है। तीसरा लेख गुप्त काल का है, जिसमें सम्मिलित शाखा के आचार्यों का उल्लेख किया गया है। 'सत्यमेव जयते' प्राचीन भारतीय ग्रंथ मुंडक उपनिषद से किया गया एक मंत्र है।

36. (3) यूनानी लेखकों का कथन है कि नंदवंश प्राचीन भारत का एक शूद्र राजवंश था जिसने पाँचवीं-चौथी शताब्दी ईसा पूर्व में उत्तरी भारत के विशाल भाग पर शासन किया। नंदवंश का प्रथम और सर्वप्रसिद्ध राजा महापद्मनंद हुआ। पुराणग्रंथ उसकी गिनती शिशुनाग वंश में ही करते हैं, किंतु बौद्ध और जैन अनुश्रुतियों में उसे एक नए वंश (नंदवंश) का प्रारंभकर्ता माना गया है, जो सही है। उसे जैन ग्रंथों में उग्रसेन (अग्रसेन) और पुराणों में महापद्मपति भी कहा गया है। पुराणों के कलियुग वृत्तांत वाले अंशों में उसे अतिबली, महाक्षत्रांतक और परशुराम की संज्ञाएँ दी गई हैं। नंदों की सेना में दो लाख पैदल, 20 हजार घुड़सवार, दो हजार चार घोड़े वाले रथ और तीन हजार हाथी थे। उसने अपने समकालिक अनेक क्षत्रिय राजवंशों का उच्छेद कर अपने बल का प्रदर्शन किया।

37. (4) गौतमी पुत्र शातकर्णी ब्राह्मणवाद के संरक्षक थे। वह सातवाहन राजवंश के 23वें शासक थे, उन्होंने 62 से 86 ई. के मध्य 24 वर्ष तक शासन किया। बलश्री के नासिक अभिलेख में गौतमी पुत्र शातकर्णी को 'एकब्राह्मण' कहा गया है, जिसका अर्थ है 'अद्वितीय ब्राह्मण' या 'ब्राह्मणों का एकमात्र संरक्षक'।

38. (4) धनानंद (अग्रमीज, जैंड्रमीज) नंद वंश के अंतिम शासक थे। 314 ई. पूर्व में चंद्रगुप्त मौर्य ने मगध साम्राज्य पर आक्रमण किया और नंदों को हराया।

39. (4) अशोक के अभिलेखों में अशोक के धम्म के संबंध में विचार एवं जटिल समस्याओं का सामना करने एवं उनको हल करने के प्रयासों का विस्तार से वर्णन किया गया है। इनमें कुछ पुनरावर्ती विषयों जैसे अशोक का बौद्ध धर्म को अपनाना, बौद्ध धर्म, उनके नैतिक एवं धार्मिक नियमों, और उसके सामाजिक और पशु कल्याण कार्यक्रम के प्रचार के उनके प्रसासों का विवरण दिया गया है। इन अभिलेखों में अशोक के दूसरे अन्य धर्म के लोगों के प्रति विचार, प्रशासन और व्यवहार का उल्लेख किया गया है। संक्षेप में, वे अशोक के जीवन, उसकी आंतरिक और बाह्य नीति के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराती हैं।

40. (1) भारत में सबसे पुराना पत्थर की संरचना में से एक साँची का महान स्तूप मूल रूप से तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में मौर्य सम्राट अशोक द्वारा निर्माण कराया गया था। 12.2816.46 मीटर (54.0 फीट) की ऊँचाई वाले इस विशाल अर्धगोल गुंबद में एक केन्द्रीय कक्ष है जहाँ भगवान बुद्ध के अवशेष रखे गए हैं।

41. (3) कुजुल कडफिसेस (30-80 ई.) ने दक्षिणी सम्पन्न क्षेत्र, जिसे परंपरागत रूप से गांधार के रूप में जाना जाता है, पर क्रमिक रूप से नियंत्रण करके और विद्यमान पार्थियन और सिथियन वंश में पड़ी फूट का लाभ उठाकर 78 ई. में कुषाण वंश की स्थापना की थी। कनिष्क के शासन काल के दौरान कुषाण साम्राज्य अपने चरम पर था।

42. (2) अशोक चिह्न भारत का राजकीय प्रतीक है। इसको सारनाथ में मिली अशोक लाट से लिया गया है। मूल रूप में इसमें चार शेर हैं जो चारों दिशाओं की ओर मुँह किए खड़े हैं। इसके नीचे एक गोल आधार है जिस पर एक हाथी, एक दौड़ता घोड़ा, एक सांड और एक सिंह बने हैं। यह लगभग 250 ईसा पूर्व सम्राट अशोक द्वारा सारनाथ के महत्त्वपूर्ण बौद्ध स्थल पर अशोक स्तंभ के ऊपर रखा गया था। 26 जनवरी, 1950 को सारनाथ के शेर की प्रतिकृति को स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय चिन्ह के रूप में अपनाया गया।

43. (3) सारनाथ स्तंभ पर सिंह शीर्ष का चक्र प्रगति समस्या का प्रतिनिधित्व करता है। यह अष्टांगिक मार्ग के प्रतीक पहिया के रूप में लिया गया है। सारनाथ स्तंभ को भारत के राष्ट्रीय प्रतीक के रूप में अपनाया गया है। सारनाथ में बुद्ध ने पहला उपदेश दिया था। यहाँ उन्होंने चार आर्यसत्य साझा किए।

44. (4) अशोक द्वारा स्थापित शिलालेखों पर इस बात को बताया गया है कि अशोक का धम्म के सम्बन्ध में क्या राय है। दूसरे तथा सातवें स्तंभ-लेखों में अशोक ने धम्म की व्याख्या इस प्रकार की है, धम्म है साधुता, बहुत से कल्याणकारी अच्छे कार्य करना, पापरहित होना, मृदुता, दूसरों के प्रति व्यवहार में मधुरता, दया-दान तथा शुचिता। प्राणियों का वध न करना, जीव हिंसा न करना, माता-पिता तथा बड़ों की आज्ञा मानना, गुरुजनों के प्रति आदर, मित्र परिचितों, सम्बन्धियों, ब्राह्मण तथा श्रवणों के प्रति दानशीलता तथा उचित व्यवहार और दास तथा भृत्यों के प्रति उचित व्यवहार।

45. (2) धमेख स्तूप उत्तर प्रदेश के वाराणसी के पास सरनाथ में स्थित एक विशाल स्तूप है। धमेक स्तूप को उस स्थान के लिए चिन्हित किया जाता है जहाँ बुद्ध ने ज्ञान प्राप्त करने के बाद अपने पहले पाँच ब्राह्मण शिष्यों को पहला उपदेश दिया था।

46. (4) विजयालय ने 850 ई. में चोल वंश की स्थापना की। विजयालय, संभवत: पल्लव वंश के सामंत थे। उन्होंने पांड्य वंश और पल्लव वंश के बीच संघर्ष के कारण उत्पन्न हुए अवसर का लाभ उठा कर 850 ई., में मुंजयार से तंजावुर तक कब्जा कर लिया और मध्ययुगीन चोल राजवंश की स्थापना की। उसका उत्तराधिकारी आदित्य प्रथम 891 ई. था।

47. (2) सारनाथ का धमेख स्तूप भारत की प्रमुख बौद्ध संरचनाओं में से एक है जिसका निर्माण महान मौर्य राजा, अशोक ने करवाया था। धमेख स्तूप आकार में बेलनाकार और लगभग 34 मीटर ऊँचा और 28.3 मीटर व्यास का है। स्तूप का निचला हिस्सा पूरी तरह से सुंदर नक्काशीदार पत्थरों से ढंका है।

48. (3) बिहार में जहानाबाद जिले के मखदुमपुर क्षेत्र में स्थित मौर्य साम्राज्य में बाराबर पहाड़ी गुफाएँ भारत की सबसे पुरानी जीवित चट्टान की गुफाएँ हैं। ये गुफाएँ बाराबर (चार गुफाएँ) और नागार्जुन (तीन गुफाएँ) की जुड़वां पहाड़ियों में स्थित हैं। ये चट्टानें तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व, मौर्य काल की हैं।

49. (4) 326 ईसा पूर्व में, सिकंदर ने भारत पर आक्रमण किया, सिंधु नदी को पार करने के बाद वह तक्षशिला की ओर बढ़ा। उसने तब झेलम और चिनाब नदियों के बीच राज्य के शासक राजा पोरस को चुनौती दी। भारतीयों को भयंकर युद्ध में पराजित किया गया था, भले ही वे हाथियों के साथ लड़े थे, जो मैसेडोनियन लोगों ने पहले कभी नहीं देखा था।

50. (2) चेर वंश के प्रतिष्ठित योद्धा-राजा सेनगुत्तुवन के छोटे भाई, तपस्वी-राजकुमार इलंगो आदिगल को पांच महान तमिल महाकाव्यों में से एक, सिलप्पादिकारम को लिखने का श्रेय दिया जाता है। सिलप्पादिकारम कन्नगी के इर्द-गिर्द घूमता है, जिसने पांडियन राजवंश के दरबार में अन्याय के फलस्वरूप अपने पति को खो दिया था। उसने अपने राज्य का बदला लिया।

51. (3) देवानामप्रिय, जिसे देवानामपिय के नाम से भी जाना जाता है, मगध सम्राट अशोक द्वारा अपने शिलालेखों में प्रयुक्त एक पाली सम्मानजनक उपाधि थी। "देवनामप्रिय" का अर्थ है 'देवताओं का प्रिय'। यह अक्सर अशोक द्वारा प्रियदसी शीर्षक के साथ संयोजन में उपयोग किया जाता है, जिसका अर्थ है "वह जो दया के साथ दूसरों का सम्मान करता है", "इंसान"।

52. (1) प्रथम शताब्दी में महान सम्राट कनिष्क के शासन काल में मथुरा कला के साथ गंधार कला विकसित हुई। गांधार कला विदेशी तकनीकों और ग्रीको-रोमन मानदंडों पर आधारित थी। इसे ग्रीको-बुद्धिस्ट स्कूल ऑफ आर्ट के रूप में भी जाना जाता है।

53. (3) मौर्यकाल के सर्वोत्कृष्ट नमूने, अशोक के एकाश्मक स्तंभ हैं जो धम्म प्रचार के लिए देश के विभिन्न भागों में स्थापित किए गए थे।
- इनकी संख्या लगभग 20 हैं और ये चुनार (बनारस के निकट) के बलुआ पत्थर के बने हुए हैं।
- अशोक के एकाश्मक स्तंभों का सर्वोत्कृष्ट नमूना सारनाथ के सिंह स्तंभ का शीर्ष है।
- भारतीय विद्वानों के अनुसार अशोक के स्तंभ की कला का स्रोत भारतीय है।

54. (3) इलाहाबाद स्तंभ अशोक के स्तंभों में से एक है, जिसे मौर्य वंश के सम्राट अशोक ने बनवाया था। अशोक तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में शासक करता था।
- इस शिलालेख पर गुप्त सम्राट समुद्रगुप्त चौथी (शताब्दी ई.वी.) की उपलब्धियों को उत्कीर्ण किया गया है।
- इसके अलावा मुगल सम्राट जहांगीर द्वारा 17वीं शताब्दी में इस शिलालेख पर अपना विवरण उत्कीर्ण कराया है।
- किसी समय, स्तंभ को उसके मूल स्थान से हटा दिया गया था और उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद (प्रयागराज) में अकबर के इलाहाबाद किले के भीतर स्थापित किया गया था।

55. (1) तोल्काप्पियर (विशेषक) तोलकप्पियम के लेखक हैं। यह सबसे पुराना वर्तमान तमिल व्याकरण है।
- वह अगतियार के बारह शिष्यों में से एक हैं।
- माना जाता है कि तोल्काप्पियर द्वितीय संगम काल के लेखक रहे हैं।

56. (2) सांची में महान स्तूप और अन्य बौद्ध स्मारक 1818 में खोजे गए थे।
- यह मौर्य राजवंश के सम्राट अशोक द्वारा बनवाया गया था।
- यह वर्तमान में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा संरक्षित है।

57. (3) सौराष्ट्र झील का निर्माण चंद्रगुप्त मौर्य के प्रांतीय शासक पुष्यगुप्त द्वारा कराया गया था।
- अशोक के राज्यपाल तुषाक ने बाद में इससे एक नहर निकाली।
- रुद्रदामन के समय, अत्यधिक बारिश के कारण झील का बांध टूट गया था और उन्होंने इसकी मरम्मत कराई।
- स्कंदगुप्त के आदेश से गुप्त काल में, चक्रपाल ने झील का पुनर्निर्माण किया।
- स्कंदगुप्त ने बड़ी उदारता के साथ पैसा खर्च किया और इस झील पर बांध बनाया।

58. (1) प्रचलित परंपरा के अनुसार, उज्जैन के राजा विक्रमादित्य ने 57 ईसा पूर्व में शकों को हराकर विक्रम संवत की स्थापना की थी।
- राजा विक्रमादित्य के अस्तित्व को साबित करने के लिए कोई समकालीन पुरातात्विक या संख्यात्मक प्रमाण नहीं हैं, जिन्होंने ईस्वी सन् 57 में शकों (Sakas) को पराजित किया था।
- इस युग का सबसे पहला उल्लेख राजा जयकदेव के शिलालेख से मिलता है, जिन्होंने काठियावाड़ राज्य (अब गुजरात) में ओखामंडल के पास शासन किया था।

- इस शिलालेख में 794 विक्रम संवत का उल्लेख है, जो इसकी स्थापना की तारीख के रूप में 737 ईस्वी है।
- कनिष्क कुषाण वंश का सबसे महत्वपूर्ण शासक था।
- वह शक युग के संस्थापक थे जो 78 ईस्वी से शुरू होता है। वह न केवल एक महान विजेता थे, बल्कि धर्म और कला के महान संरक्षक भी थे।
- चैत्र के पहले महीने और 365 दिनों के एक सामान्य वर्ष के रूप में शक युग पर आधारित भारतीय राष्ट्रीय कैलेंडर ग्रेगोरियन कैलेंडर के साथ 22 मार्च, 1957 को अपनाया गया था।

59. (1) जौगढ़ ओडिशा के गंजम जिले में स्थित है।
- जौगढ़ मौर्य युग में कलिंग के नए विजित प्रांत की प्रांतीय मौर्यकालीन राजधानी रहा है। मौर्य सम्राट अशोक के प्राकृत में पत्थर के कटे हुए स्मारकीय संस्करणों के लिए प्रसिद्ध है।
- जौगढ़ मेजर रॉक एडिक्ट्स 1-10 और 14 के साथ-साथ पृथक एडिट्क्स 1 और 2 का स्थान है।

60. (3) मौर्य राजवंश के सम्राट अशोक अपने चौथे वर्ष में बौद्ध धर्म के अनुयायी बन गए। उनके शिलालेख XIII के अनुसार, कलिंग युद्ध में हुई भयंकर क्षति एवं रक्तपात से अशोक का मन युद्ध से उब गया और वह अपने कुकृत्य को लेकर व्यथित हो गया। इसी शोक के उबरने के लिए वह बुद्ध के उपदेशों के निकट आता गया और अंत में उसने बौद्ध धर्म स्वीकार कर लिया। बौद्ध धर्म अपनाने के बाद उसने उसे अपने जीवन में उतारने का प्रयास भी किया।

61. (2) विंध्यशक्ति (250 - 270ईपू) वाकाटक वंश का संस्थापक था। अजंता के गुफा XVI शिलालेख में, उसे वाकाटक परिवार से संबंधित और एक द्विज के रूप में वर्णित किया गया है। पुराणों में कहा गया है कि उसने 96 वर्षों तक शासन किया।

62. (1) अशोक प्रथम शासक था जिसने अपनी प्रजा और अधिकारियों के प्रति अपने संदेशों को पत्थर की सतहों पर और पॉलिश किए गए स्तंभों पर अंकित करवाया था।
- अशोक ने अपनी प्रजा से संवाद के लिए संदेशों और अभिलेखों का सहारा लिया।
- अधिकारियों को निर्देश दिये गये कि वे अनपढ़ लोगों को उस तरह के संदेश पढ़कर सुनाएँ।

63. (4) सिकंदर से प्रेरित होकर, चंद्रगुप्त ने नंदों के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व किया और उन्हें पराजित किया।
- उन्होंने 322 ईसा पूर्व में मौर्य साम्राज्य की स्थापना की।
- किंवदंती के अनुसार, चाणक्य ने चंद्रगुप्त मौर्य को मगध (नंद साम्राज्य) को जीतने के लिए राजी किया था जब उसके राजा धन नंद द्वारा उसका अपमान किया गया था।

64. (2) मौर्य साम्राज्य की न्यायिक प्रणाली की एक महत्वपूर्ण विशेषता आपराधिक क्षेत्राधिकार के विशेष न्यायालय से संबंधित जिन्हें कंटकसोधन न्यायालय कहा जाता था।
- अर्थशास्त्र के अनुसार, इन अदालतों ने न केवल राज्यों के खिलाफ अपराधों बल्कि अधिकारियों द्वारा अपने आधिकारिक कर्तव्यों के निर्वहन में कानून के उल्लंघन का भी संज्ञान लिया जाता था।
- कंटकशोधन न्यायालयों में प्रशासनिक न्यायालयों की सभी विशेषताएँ विद्यामन थीं।

65. (1) रूपनाथ मध्य प्रदेश के कटनी जिले मे स्थित है।
- यहाँ सम्राट अशोक का एक शिलालेख मिला है जो प्राचीन भाषा ब्राह्मी लिपि तथा पाली लिपि में लिखे गये हैं।
- इसका उद्देश्य स्थानीय बौद्ध संघ के सदस्यों को उत्साही बनाने तथा कर्त्तव्य परायण जीवन व्यतीत करने के लिए प्रोत्साहित करना था।

TYPE–IV

1. (2) समुद्रगुप्त (330-380 ई०) चन्द्रगुप्त प्रथम का उत्तराधिकारी था, जिसने आर्यावर्त के 9 शासकों और दक्षिणावर्त के 12 शासकों को पराजित किया। इन्हीं विजयों के कारण इसे **'भारत का नेपोलियन'** कहा जाता है। समुद्रगुप्त का दरबारी कवि हरिषेण था, जिसने इलाहाबाद या प्रयाग प्रशस्ति लेख की रचना की।

2. (1) पहला ज्ञात गुप्त शासक श्रीगुप्त (240-250 ई०) था। वह गुप्त वंश का संस्थापक था। श्रीगुप्त का उत्तराधिकारी घटोत्कच (280-320 ई०) हुआ। गुप्त वंश का प्रथम महान सम्राट चन्द्रगुप्त प्रथम था। यह 320 ई० में राजगद्दी पर बैठा था।

3. (3) चंद्रगुप्त द्वितीय के शासनकाल में फाहियान भारत आया था। फाहियान का जन्म चीन के वु-यांग नामक स्थान में हुआ था। फाहियान ने चन्द्रगुप्त कालीन भारत की सांस्कृतिक दशा का सुन्दर निरूपण किया है।

4. (1) इलाहाबाद स्तम्भ अभिलेख या इलाहाबाद प्रशस्ति गुप्त साम्राज्य के सबसे महत्त्वपूर्ण शिलालेख साक्ष्यों में से एक है। समुद्रगुप्त के मंत्री और दरबारी कवि हरिसेन द्वारा इसकी रचना की गई थी। यह अभिलेख समुद्रगुप्त के शासन काल और युद्ध में उनकी विजयों का सुस्पष्ट वर्णन करता है।

5. (3) कवि कालिदास चन्द्रगुप्त 'विक्रमादित्य' के राजकवि थे। सात ग्रन्थों के प्रणयन का श्रेय कालिदास को दिया जाता है- रघुवंश, कुमारसंभव, मेघदूत, ऋतुसंहार, मालविकाग्निमित्रम, विक्रमोर्वशीय तथा अभिज्ञानशान्कुतलम। इनमें प्रथम दो महाकाव्य, दो खण्डकाव्य (गीत काव्य) तथा तीन नाटक ग्रन्थ हैं। अभिज्ञानशान्कुतलम को अत्यधिक ख्याति एवं प्रशंसा मिली है तथा इसका अनुवाद कई विदेशी भाषाओं में किया जा चुका है।

6. (1) 7वीं शताब्दी ई. के दौरान हर्षवर्धन ने सिंधु-गंगा के मैदान के एक बड़े भाग के साथ पंजाब, बंगाल और ओडिशा राज्यों को संगठित किया। उन्होंने कन्नौज के शासक को पराजित किया और अपनी राजधानी को थानेसर से कन्नौज स्थानांतरित किया।

7. (2) आर्यभट्ट और कालिदास ने गुप्त शासक चन्द्रगुप्त II, जिन्हें चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य के नाम से भी जाना जाता था, के दरबार की शोभा बढ़ाई थी। कालिदास संस्कृत के एक प्रतिष्ठित लेखक थे, वह चन्द्रगुप्त के दरबार के नवरत्नों में से एक थे। आर्यभट्ट एक गणितज्ञ और खगोलज्ञ थे, आर्यभट्टीयम् और आर्य-सिद्धांत उनकी प्रमुख रचनाएँ थीं।

8. (3) गुप्तों के सिक्के संगीत के प्रति उनका प्रेम दर्शाते हैं। समुद्रगुप्त के सिक्कों पर उसे वीणा-वादन करते हुए दिखाये जाने से यह पता चलता है कि समुद्रगुप्त संगीत प्रेमी था।

9. (2) नालन्दा विश्वविद्यालय बिहार प्रान्त की राजधानी पटना से 40 कि. मी. की दूरी पर आधुनिक बड़गाँव नामक ग्राम के समीप स्थित था। इसकी स्थापना गुप्त वंश के शासक कुमार गुप्त ने करवाया था। यह विश्वविद्यालय महायान बौद्ध धर्म की शिक्षा का प्रमुख केन्द्र था तथापि यहाँ अनेक विषय (वेद, हेतुविद्या, योगशास्त्र चिकित्सा, तंत्रविद्या सांख्य दर्शन) की शिक्षा दी जाती थी।

10. (3) बाण भट्ट, सम्राट हर्षवर्द्धन के दरबारी कवि तथा संस्कृत गद्य के विद्वान थे। वह हर्ष के दरबारी अष्टकवियों में से प्रमुख थे। इन्होंने हर्षचरित **'कादम्बरी'** जैसी रचनायें की हैं। सम्राट हर्षवर्द्धन के शासनकाल की राजनीतिक सामाजिक, आर्थिक तथा सांस्कृतिक जानकारी बाणभट्ट की रचनाओं से होती है। हर्ष और पुलकेशिन द्वितीय के युद्ध होने का साक्ष्य भी बाणभट्ट की रचनाओं में मिलता है। 'हर्षचरित' संस्कृत में लिखी गयी हर्षवर्द्धन की जीवनी है।

11. (2) ऐतिहासिक रूप से सती प्रथा के आरंभिक साक्ष्य की प्राप्ति 510 ई. (गुप्त काल के 191वें वर्ष) में मध्य प्रदेश में सागर के निकट एरण में मिले एक स्तंभ पर उत्कीर्ण अभिलेख से हुई, अर्थात् एरण गोपराजा के मरणोपरान्त

उत्कीर्ण अभिलेख से संबंधित है। भानु गुप्त के अनुसार, अभिलेख में चर्चा की गई है कि हूणों के विरुद्ध युद्ध में उसकी मृत्यु हो जाने के बाद उसकी पत्नी भी चिता पर जलकर मर गई।

12. (2) बाणभट्ट, हर्ष के दरबारी कवि थे। उन्होंने 'हर्षचरित' तथा 'कादम्बरी' की रचना की। हर्ष स्वयं विद्वान था। हर्ष को तीन नाटक ग्रन्थों–प्रियदर्शिका, रत्नावली, नागानन्द का रचयिता माना गया है।

13. (3) अजन्ता और एलोरा की गुफाएँ महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में स्थित है। अजन्ता की गुफाएँ लगभग 29 चट्टानों को काटकर बनाए गए बौद्ध स्मारक हैं जो दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व से लेकर लगभग 480 या 650 ई. के हैं। ऐलोरा की गुफाएँ गुफाओं के समूह हैं जो बौद्ध, हिन्दू और जैन स्मारकों और कलाकृतियों की विशेषताओं से युक्त हैं और 600-1000 ई. में निर्मित हुई हैं। दोनों स्थल यूनेस्को विश्व विरासत स्थल हैं।

14. (1) प्रख्यात् ज्योतिषाचार्य वाराहमिहिर गुप्त युग के अन्यतम विभूति थे। उनकी सर्वप्रमुख रचना **'बृहज्जातक'** है। उन्होंने विभिन्न ग्रहों एवं नक्षत्रों की स्थिति पर विचार किया। वाराहमिहिर की अन्य रचनाओं में पञ्चसिद्धान्तिका, ब्रह्मसंहिता, लघुजातक आदि प्रमुख हैं।

15. (3) आर्यभट्ट एक महान खगोलशास्त्री एवं गणितज्ञ थे। उन्होंने बीजगणित तथा शून्य के सिद्धान्त का प्रतिपादन किया था। भारत के प्रथम उपग्रह का नाम उनके नाम पर रखा गया था। आर्यभट्ट चंद्रगुप्त द्वितीय के काल में थे।

16. (2) सुंग यून (चीनी यात्री) 517 ई. में भारत आए। फाह्यान, जो चीन में चांगयाङ्ग से 399 ईस्वी में अपनी यात्रा शुरू की, बुद्ध के उपदेशों के प्रामाणिक ग्रंथों की तलाश में भारत आए। सुंग यून का अपने देश और उसके शासक के बारे में एक उदात्त दृष्टिकोण था, 'आधुनिक' इतिहास में हूण शासक अत्यधिक नकारात्मक छवि के लिए ज्यादा जिम्मेदार थे।

17. (1) दक्षिण भारत में भक्ति आंदोलन की शुरुआत सातवीं शताब्दी के उपरांत तमिलनाडु में हुई। अलवार वैष्णव संप्रदाय के अनुयायी थे जबकि नयनार शैव संप्रदाय के।

18. (4) लिच्छवी दौहित्र शब्द का अर्थ है 'लिच्छवि की बेटी का बेटा'। समुद्रगुप्त के इलाहाबाद प्रशस्ति में उन्हें लिच्छवि दौहित्र के नाम से जाता अंकित किया गया है। उनके पिता चन्द्रगुप्त ने लिच्छवि गणराज्य की राजकुमारी कुमारदेवी से विवाह किया था।

19. (3) प्राचीन समय में ओदन्तपुरी, बिहार में आधुनिक बिहार शरीफ के पास भारत में पढ़ाई का एक प्रसिद्ध बौद्ध केन्द्र (विहार) था। इसे 7वीं शताब्दी में पाल राजवंश के पहले शासक गोपाल ने, अपने पड़ोसी नालंदा के अनुकरण में स्थापित किया था।

20. (3) गुप्तकाल में जारी चांदी के सिक्कों को **'रूपक'** (Rupaka) कहा जाता था। ये सिक्के उज्जैन के शक शासकों के सिक्कों के अनुरूप थे, हालांकि चीनी विद्वान फाहियान (Fa-Hsien) के अनुसार गुप्तकाल में कौड़ियाँ विनिमय के सामान्य साधन के रूप में प्रयुक्त होती थीं।

21. (2) हर्षवर्धन (606 से 647 ई.) और पुलकेशिन II (610 से 642 ई.) एक दूसरे के समकालीन थे। ऐहोल (Aihole) अभिलेख के अनुसार, चालुक्य वंश के शासक पुलकेशिन ने कन्नौज के शासक हर्षवर्धन को नर्मदा नदी के किनारे पराजित किया था।

22. (2) पश्चिमी चालुक्यों और उनके उत्तराधिकारी राष्ट्रकूटों के शासन-काल के दौरान कन्नड़ साहित्य अपनी पराकाष्ठा पर था। राजा अमोघवर्ष I (King Amoghavarsha I) स्वयं कन्नड़ रत्नों में से एक थे। राष्ट्रकूट शासकों के संरक्षण में आदिकवि पम्पा (Pampa), श्री पोन्ना (Sri Ponna) और रन्ना (Ranna) कन्नड़ साहित्य के ''त्रिरत्न'' कहलाते थे।

23. (3) रविकीर्ति (RaviKirti) चालुक्य शासक पुलकेशिन II के शासन काल (610 ई से 642 ई.) के दौरान दरबारी कवि के रूप में नियुक्त थे। उन्होंने मेगुति (Meguti) मंदिर पर एहोल (Aihole) अभिलेख की रचना की थी जिसमें उन्होंने राजा पुलकेशिन II द्वारा हर्षवर्धन को पराजित करने और राजधानी को एहोल (Aihole) से बादामी (Badami) स्थानांतरित करने का वर्णन किया था।

24. (1) अजन्ता की गुफाएँ महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में स्थित हैं। यहाँ लगभग 30 चट्टानों को काटकर गुफाओं के रूप में बौद्ध स्मारकों का निर्माण किया गया है। इन गुफाओं का निर्माण दूसरी ईसा पूर्व से लेकर 480 या 560 ई. के मध्य किया गया। गुप्त काल के दौरान अधिकांश गुफाओं का निर्माण किया गया था।

25. (2) प्रयाग प्रशस्ति को इलाहाबाद स्तम्भ शिलालेख के रूप में भी जाना जाता है। हरिसेन द्वारा लिखित यह शिलालेख समुद्रगुप्त की उपलब्धियों का वर्णन करता है। इसे 'परम्परागत गुप्त काल का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण ऐतिहासिक दस्तावेज' माना जाता है। यह संस्कृत में है।

26. (1) कुछ स्रोतों के अनुसार, तक्षशिला विश्वविद्यालय विश्व में सबसे प्राचीन विश्वविद्यालय है। स्रोतों के अनुसार इसका निर्माण ईसा पूर्व 10वीं शताब्दी में किया गया था जबकि इसका पतन ईसा पूर्व 5वीं शताब्दी में हुआ था।

27. (1) पाण्ड्य (Pandyan) शासकों द्वारा 1018 ई. और 1054 ई. के दौरान थलवईपुरम (Thalavaipuram) नामक ताँबे की प्लेट लाई गई थी, भूमि प्रणाली या वृहद् लहर इत्यादि के रूप में इसका वर्णन किया गया है। उदाहरण के लिए राजा द्वारा ब्राह्मण को भूमि प्रदान करने का वर्णन छठी योग्यता के रूप में किया गया है। कसकुदी (Kasakudi) प्लेटों और उत्तरमेरुर (Uthiramerur) अभिलेख का संबंध क्रमश: पल्लव और चोल राजवंशों से है।

28. (2) विष्णुगुप्त को आमतौर पर गुप्त साम्राज्य का अंतिम मान्य शासक माना जाता है। उसका शासन काल 10 वर्षों तक (540 से 550 ई. तक) रहा। महान गुप्त साम्राज्य की स्थापना श्रीगुप्त द्वारा की गई थी। चंद्रगुप्त प्रथम, समुद्रगुप्त, चंद्रगुप्त द्वितीय, कुमारगुप्त इत्यादि इस साम्राज्य के महान राजा थे।

29. (2) चालुक्य शासक पुलकेशिन ने उत्तर भारत के सम्राट हर्ष को विजय को चुनौती दी थी। उसने स्वयं को दक्षिण के 'सर्वोच्च स्वामी' के रूप में स्थापित किया था, हर्ष ने स्वयं को उत्तर के स्वामी के रूप में स्थापित किया था। 618 ई. में नर्मदा नदी के तट पर मुख्यत: हाथियों के साथ हुए युद्ध में हर्ष पर पुलकेशिन की जीत की तिथि की पुष्टि वर्ष हुए पुलकेशिन द्वितीय के ताँबे की प्लेट के वर्ष 2016 में हुए कूटानुवाद से हुई है।

30. (1) चंद्रगुप्त प्रथम गुप्त राजवंश के तीसरे शासक थे। वे 320 ए.डी. में अपने पिता घटोत्कच के उत्तराधिकारी के रूप में सत्तारुढ़ हुए। चंद्रगुप्त-1 ने 'महाराजधिरजा' या 'राजाओं के राजा' नामक पदवी ग्रहण किया। उन्होंने 320 ई. में गुप्त संवत की शुरुआत की, जिसने उनके सत्तारूढ़ होने की तारीख को चिह्नित किया। लिच्छवी राजकुमारी कुमारी देवी पहली भारतीय रानी थी जिनका चित्र सिक्कों पर छापा गया।

31. (1) खारवेल महामेघवाहन राजवंश से सम्बंधित था, बाद में उसने चेटिया चेदि वंश की स्थापना की। कलिंग के राजा के रूप में खारवेल ने तत्काल अपनी राजधानी शहर कलिंगनगरी की किलेबन्दी शुरू किया। खारवेल के शासन के बारे में अधिक जानकारी और उनके सैन्य विजय के बारे में हाथीगुम्फा अभिलेख में उपलब्ध हैं। उड़ीसा में उदयगिरि पहाड़ी में हाथीगुम्भा अभिलेख स्थित है।

32. (3) नौसासी (नवसारी) ताम्रपत्र शिलालेख हमें वल्लभी के खिलाफ हर्ष के सफल अभियान के बारे में जानकारी देता है। शिलालेख के अनुसार हर्ष ने वल्लभी शासक, ध्रुवसेना द्वितीय को हराया था जिसने एक मातहत सामन्त की स्थिति स्वीकार कर लिया। वल्लभी साम्राज्य के साथ उनकी शत्रुता वैवाहिक गठबंधन के माध्यम से समाप्त हुई।

33. (3) गुप्त काल में सोना, चाँदी, ताँबा, लौह, सीसा और कांस्य जैसे धातुओं का निर्यात किया जाता था। भारत में सोना, चाँदी और ताँबा प्रचुर मात्रा में मिलता था। इसकी बहुतायत के कारण ही गुप्त कालीन शासकों ने सिक्कों का उत्पादन आरंभ किया। टिन को आरंभिक अवधि में आयात किया जाता था।

34. (3) ह्वेनसांग (Hiuen Tsang) ने नरसिंह वर्मन प्रथम के शासनकाल के दौरान वर्ष 642 एडी में कांची का भ्रमण किया। उसने पल्लव शासकों और उनकी प्रजा का एक दिलचस्प वर्णन प्रस्तुत किया है। उनके अनुसार, पल्लव साम्राज्य में कई मठ और बौद्ध मंदिर थे और लोग खुशी से रहते थे।

35. (2) चंद्रगुप्त प्रथम गुप्त वंश का एक राजा था जो 320 ईस्वी में मगध के गद्दी पर बैठा था। उसने लिच्छवी वंश की राजकुमारी कुमारदेवी से शादी की और पाटलिपुत्र उसे दहेज में मिला। लिच्छवी राजकुमारी कुमारदेवी से उनके विवाह ने उनकी राजनीतिक शक्ति को बढ़ाने में मदद की। उनके पुत्र समुद्रगुप्त ने गुप्त साम्राज्य का और विस्तार किया।

36. (4) गुप्त काल में सोने के सिक्के को दीनार के रूप में जाना जाता था। गुप्त शासकों के सोने के सिक्के कलात्मक उत्कृष्टता के असाधारण उदाहरण हैं। गुप्त युग में सोने के सिक्कों की बहुतायत के कारण कुछ विद्वानों ने इस घटना को 'सोने की बारिश' कहा है।

37. (2) अहोल शिलालेख के अनुसार, चालुक्य शासक पुलकेशिन द्वितीय ने हर्षवध न को 618-619 ईसवी में नर्मदा के किनारे पर से हराया। पुलकेशिन ने हर्ष के साथ एक संधि की, जिसमें नर्मदा नदी को उनके बीच सीमा के रूप में स्वीकार किया गया था।

38. (4) समुद्रगुप्त गुप्त साम्राज्य का दूसरा राजा था।
- उसने 335 या 350 ईस्वी के आसपास अपने पिता चंद्रगुप्त प्रथम की जगह ली और सन् 375 ईस्वी तक शासन किया।
- विष्णुगुप्त गुप्त साम्राज्य का अंतिम राजा था।
- अशोक मौर्य राजवंश के सम्राट थे, जिन्होंने लगभग समस्त भारतीय उपमहाद्वीप पर सन् 268 से 232 ई. पू. तक शासन किया।
- बिम्बिसार मगध साम्राज्य का एक राजा था और वह हर्यंक वंश का था।

39. (3) गुप्त काल के दौरान हलिवकर एक हल कर था, जिसे हल जोतने वाले हर किसान द्वारा अदा किया जाता था।
- गुप्त युग के दौरान ग्रामीणों पर लगाया गया यह कर एक आवधिक कर था।
- यह राजा की इच्छा पर लगाया जाने वाला एक विशेष प्रकार का कर था।

40. (4) ह्वेन त्सांग एक चीनी बौद्ध भिक्षु, विद्वान, यात्री और अनुवादक थे।
- उन्होंने हर्ष के शासनकाल के दौरान सातवीं शताब्दी में भारत की यात्रा की।
- उन्होंने भारत और बंगाल के बारे में वर्णन किया।
- उन्होंने प्रारंभिक तांग राजवंश के दौरान चीनी बौद्ध धर्म और भारतीय बौद्ध धर्म के बीच सम्बन्धों का वर्णन किया।

41. (3) हर्षवर्धन, एक भारतीय सम्राट थे जिन्होंने 606 से 647 ईस्वी तक उत्तर भारत पर शासन किया था।
- हर्ष ने कन्नौज और थानेश्वर को संयुक्त कर कन्नौज को इसकी राजधानी बनाया।
- वह वर्धन वंश का शासक था।
- प्रभाकर वर्धन के दो बेटे-राज्यवर्धन और हर्षवर्धन तथा एक बेटी राज्यश्री थी।
- राज्यवर्धन की हत्या बंगाल के गौड़ साम्राज्य के शासक शशांक ने की थी।

42. (3) हर्षचरित (हर्ष के कर्म) बाणभट्ट द्वारा रचित भारतीय सम्राट हर्ष की जीवनी है।
- इसकी रचना सातवीं शताब्दी ईस्वी के दौरान संस्कृत भाषा में हुई थी।
- वह अस्थाना कवि थे, जिसका अर्थ-हर्ष का दरबारी कवि था।
- उन्होंने दुनिया के सबसे शुरुआती उपन्यासों में से एक, कादम्बरी की भी रचना की थी
- उनकी अन्य कृतियाँ कैकाशतक और एक नाटक पार्वतीपरायण है।

43. (4) समुद्रगुप्त गुप्त वंश का सबसे महान शासक था। उसने लगभग 380 ईस्वी तक शासन किया था।
- पश्चिमी विद्वानों ने नेपोलियन के साथ उनकी बराबरी की और व्यापक सैन्य विजय के कारण उन्हें भारतीय नेपोलियन कहा।
- उनके दरबारी कवि और मंत्री हरीसेना ने इलाहाबाद स्तंभ शिलालेख या प्रयाग प्रशस्ती की रचना की।
- इस शिलालेख के अनुसार, समुद्रगुप्त ने उत्तर में 9 राजाओं को तथा दक्षिण में 12 राजाओं को पराजित किया और सभी आटविक राज्यों की सीमाओं को कम कर दिया।
- उन्होंने अश्वमेघ यज्ञ किया, इस बात का प्रमाण समुद्रगुप्त की एक अश्व मुद्रित मुहर से हुई है।
- पुष्यमित्र शुंग के अश्वमेध यज्ञ के आयोजन के बाद संभवत: यह पहला अश्वमेध यज्ञ था।

44. (1) बाणभट्ट के हर्षचरित में पुष्यभूति को वर्धन या पुष्यभूति वंश का संस्थापक बताया गया है।
- कुरुक्षेत्र में थानेश्वर वर्धन या पुष्यभूति वंश की राजधानी थी।
- 6ठी शताब्दी के अंत और 7वीं शताब्दी के प्रारंभ में वर्धन वंश के राजाओं ने उत्तर भारत के एक बड़े भाग पर शासन किया था।

45. (1) ताम्रलिप्ति बंगाल की खाड़ी के तट पर पश्चिम बंगाल के मिदनापुर जिले में एक प्राचीन बंदरगाह शहर था।
- यह रूप नारायण नदी के पास स्थित था।
- गुप्त राजवंश के दौरान, ताम्रलिप्ति मुख्य एम्पोरियम था, जो श्रीलंका, जावा और चीन के साथ-साथ पश्चिम के साथ व्यापार के लिए प्रस्थान के एक बिंदु के रूप में कार्य करता था।

TYPE–V

1. (3) महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में स्थित अजन्ता की गुफाओं का निर्माण दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व से लगभग 480 या 650 ई. के मध्य में किया गया था। गुफाओं पर उत्कीर्ण चित्रकला और चट्टानों को काटकर बनाई गई मूर्तिकलाओं, विशेष रूप से सार्थक चित्रकला जो संकेत, भाव-भंगिमा और आकार के द्वारा भावुकता प्रस्तुत करते हैं, को प्राचीन भारतीय कला के उत्कृष्ट नमूनों के रूप में वर्णित किया गया है। पेड़ पौधे और जीव-जंतुओं को गुफाओं की छतों पर उत्कीर्ण किया गया है। ध्यातत्व है की अजंता गुफाओं की खोज जेम्स अलेक्जेंडर ने 1624 में की थी।

2. (3) अरबों के सिन्ध विजय का विस्तृत उल्लेख 'चचनामा' नामक अरबी ग्रन्थ में मिलता है। मोहम्मद बिन कासिम के अभियान उसके शासन प्रबंध आदि के संबंध में यह एक प्रामाणिक स्रोत है। यह अज्ञात लेखक द्वारा लिखा गया है।

3. (4) पल्लव शासक नरसिंह वर्मन प्रथम के काल में एकाश्मक मन्दिर जिन्हें रथ कहा जाता है का निर्माण हुआ। ये सभी महाबलीपुरम में विद्यमान हैं। इनमें ध र्मराज रथ सबसे प्रसिद्ध है। इन रथ मन्दिरों को सप्तपगोड़ा कहा जाता है।

4. (3) एलोरा के कैलाश मंदिर का निर्माण राष्ट्रकूट के राजा कृष्ण प्रथम ने करवाया था। यह महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में वेरूल नामक स्थान पर स्थित है।

5. (1) महाबलीपुरम् के एकाश्म मंदिर जिन्हें 'रथ' कहा गया है का निर्माण पल्लव राजा नरसिंह वर्मन प्रथम के द्वारा करवाया गया था। रथ मंदिरों में सबसे छोटा द्रौपदी रथ है जिसमें किसी प्रकार का अलंकरण नहीं मिलता है। इसमें ध र्मराज रथ सबसे बड़ा है।

6. (1) काँची पल्लवों की राजधानी थी। काँची के महान पल्लव शासक, सिंहविष्णु नरसिंहवर्मन प्रथम हुए। नरसिंहवर्मन प्रथम अपने कुल का सर्वाधिक शक्तिशाली शासक था जिसने पुलकेसिन द्वितीय को पराजित किया था। नरसिंहवर्मन प्रथम के शासन काल में महाबलीपुरम के कुछ एकाश्म रथों का निर्माण हुआ, इसी के शासन काल में ह्वेनसांग काँची गया था। नरसिंहवर्मन द्वितीय काँची के कैलाशनाथ मन्दिर तथा महाबलीपुरम का शोर-मन्दिर का निर्माण करवाया था।

7. (2) पल्लव शासक नरसिंह वर्मन प्रथम के काल में एकाश्म मन्दिर का निर्माण हुआ। जिसे रथ कहा जाता है। ये सभी महाबलीपुरम में विद्यमान हैं। रथ अथवा

एकाश्म मन्दिर कठोर चट्टानों को काटकर बनाया गया है। धर्मराज रथ पर नरसिंहवर्मन की मूर्ति अंकित है। इन रथों को सप्तपगोडा कहा जाता है।

8. (2) तंजौर का शैव मंदिर जो राजराजेश्वर या बृहदेश्वर नाम से प्रसिद्ध है, का निर्माण चोल शासक राजराज प्रथम के काल में हुआ था। भारत के मंदिरों में सबसे बड़ा तथा लम्बा यह मंदिर एक उत्कृष्ट कलाकृति है। इसे द्रविड़ शैली का सर्वोत्तम नमूना माना जाता है। इसके निर्माण में ग्रेनाइट पत्थरों का प्रयोग किया गया है। बृहदेश्वर मंदिर में एक ही पत्थर से बना विशालकाय नंदी की प्रतिमा है जो देश में इसकी सबसे बडी नंदी प्रतिमा है।

9. (2) चोल शासक राजराज प्रथम ने श्रीलंका को सर्वप्रथम जीता था। राजराज प्रथम ने सिंहल नरेश को पराजित कर अनुराधापुर को ध्वस्त कर दिया तथा सिंहल द्वीप के उत्तरी भाग पर उसका अधिकार हो गया।

10. (4) चोल शासक राजेन्द्र प्रथम ने बंगाल के पाल शासक महीपाल पर आक्रमण कर उसे पराजित कर दिया। पराजित पाल नरेश युद्ध क्षेत्र से भाग गया। इस अभियान का उद्देश्य गंगा नदी का पवित्र जल लाना था। गंगा घाटी अभियान की सफलता पर राजेन्द्र ने ''गंगैकोण्डचोलपुरम'' की उपाधि धारण की तथा इसके उपलक्ष्य में उसने गंगैकोण्ड (चित्रनापल्ली जिले में) नामक एक नयी राजधानी की स्थापना की। उत्तर पूर्वी भारत के इस सफल सैन्य अभियान द्वारा चोलों की धाक सम्पूर्ण देश में जम गयी।

11. (3) व्यक्ति घटना–1. सुल्तान मोहम्मद-सोमनाथ मंदिर (1025-26 ई.) यह महमूद का सबसे प्रसिद्ध अभियान था। सुल्तान मोहम्मद ने भारत पर सत्रह बार आक्रमण किया था। सोमनाथ मंदिर गुजरात में स्थित भारत का सबसे महत्वपूर्ण मंदिर था। यह शिव मंदिर था।

12. (1) 1025-26 ई. में महमूद गजनी ने एक विशाल सेना लेकर सोमनाथ मंदिर पर आक्रमण किया। महमूद गजनवी का यह सबसे प्रसिद्ध अभियान था। सोमनाथ का मंदिर गुजरात में स्थित भारत में सबसे महत्त्वपूर्ण मंदिरों में था। यह शिव मंदिर था।

13. (2) **'उत्तरमेरूर'** अभिलेख द्वारा चोलवंश के ग्राम प्रशासन के बारे में जानकारी मिलती है यह शिलालेख तमिलनाडु के कांचीपुरम में एक मंदिर (जिसे पल्लव शासक नन्दिवर्मन ने बनवाया) की दीवारों पर उत्कीर्ण है जिसमें चोल में स्थानीय प्रशासन के लिए पदाधिकारियों के चुनाव की प्रक्रिया का वर्णन है।

14. (1) महेन्द्रवर्मन प्रथम पल्लव वंश के महानतम शासकों में से एक था। उसके शासन काल से पल्लव चालुक्य संघर्ष शुरू हुआ जो लंबे समय तक चला। महेन्द्रवर्मन प्रथम एवं पुलकेशिन द्वितीय के बीच हुए युद्ध में पल्लव राज्य के उत्तरी प्रांतों पर पुलकेशिन द्वितीय का अधिकार हो गया था। महेन्द्रवर्मन के पुत्र नरसिंहवर्मन प्रथम के राजा बनने पर पुलकेशिन द्वितीय ने पुन: पल्लव राज्य पर आक्रमण किया लेकिन नरसिंहवर्मन ने उसे तीन युद्धों में बुरी तरह परास्त किया।

15. (4) भारत का प्रथम मुस्लिम आक्रमण मोहम्मद बिन कासिम के नेतृत्व में 712 ई. में हुआ। वह अरब का रहने वाला था। कासिम का आक्रमण सिंध के शासक दाहिर पर हुआ।

16. (1) चालुक्य वंश: वातापी (बादामी); होयसल वंश: द्वार समुद्र; राष्ट्रकूट वंश: मलखेड़; और काकतीय वंश: वारंगल।

17. (3) चालुक्य शासक पुलकेशिन II का एहोल शिलालेख उसके विजयों का विवरण देता है। इसी शिलालेख के माध्यम से हमें पुलकेसिन के हाथों हर्षवर्धन की पराजय का विवरण मिलता है। इस शिलालेख को पुलकेसिन के दरबारी कवि रविकृति ने लिखा था।

18. (3) **'जवाहर-अल-बहूर'** (प्रसिद्ध अरबी इतिहास) के लेखक ने अपनी पुस्तक में लिखा है कि मध्य काल में मुल्तान को 'हाउस ऑफ गोल्ड' के नाम से जाना जाता था। इब्न खुर्दबा (Ibn Khurdaba) ने भी अपनी पुस्तक ''द बुक ऑफ रोड्स एंड किंगडम्स'' में सिटी ऑफ गोल्ड के रूप में मुल्तान का वर्णन किया है।

19. (4) प्रसिद्ध राष्ट्रकूट शासक ''नृपतुंग'' अमोघवर्ष प्रथम ने 'कविराजमार्ग' (अर्थात् ''कवियों के लिए शाही मार्ग'') की रचना की थी। यह कन्नड़ भाषा में व्याकरण, काव्यशास्त्र और साहित्य-शास्त्र पर लिखी गई आरंभिक पुस्तकों में से एक है।

20. (3) ऐसा माना जाता है कि कांचीपुरम में स्थित थिरु परमेश्वर विन्नैगराम या बैकुंठ पेरुमल मंदिर का निर्माण पल्लव शासक नंदिवर्मन II द्वारा किया गया था, बाद में मध्यकालीन चोल और विजयनगर शासकों ने इसके निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। यह द्रविड़ शैली की वास्तुकला में निर्मित है।

21. (1) इतिहासकारों के एक बड़े वर्ग का मानना है कि लगभग 1700 ईसा पूर्व सिन्धु घाटी सभ्यता के बाद के चरणों में भारत पर आक्रमण करने वालों में आर्य प्रथम आक्रमणकारी थे। भारत में आर्य दूसरी सहस्त्राब्दी पूर्व समूहों में आए थे। आर्य किस देश के मूल निवासी थे, इस विषय पर इतिहासकारों में एक मत नहीं है।

22. (2) मिहिर भोज प्रथम (836-885 ई.) या भोज प्रथम को प्रतिहार वंश के सबसे बड़े एवं सबसे शक्तिशाली शासक के रूप में जाना जाता है। अपने चरमोत्कर्ष काल में भोज का साम्राज्य दक्षिण में नर्मदा नदी तक, उत्तर-पश्चिम में सतलज नदी तक एवं पूर्व में बंगाल तक फैला था। वह एक विद्वान शासक था।

23. (1) पल्लव शासक नरसिम्हवर्मन प्रथम ने चालुक्य शासक पुलकेशिन द्वितीय को पराजित करने, उसका वध करने तथा 642 ई. में चालुक्य की राजधानी बादामी पर अधिकार करने के बाद 'वातायी कोण्ड' (वातापी का विजेता) की उपाधि धारण की थी। पल्लव शासक की जीत के परिणामस्वरूप वातापी पर पल्लवों का अधिकार हो गया।

24. (2) राष्ट्रकूटों की आरंभिक राजधानी स्थल (या स्थान) के विषय में अनिश्चितता बनी हुई है। हालांकि, राष्ट्रकूटों के अधिकांश स्मारक एलोरा (इलापुरा) में पाए गए हैं जिसमें मालखेद (मान्यखेत) के विषय में कोई चर्चा नहीं की गई है। ऐसा माना जाता है कि दंतिदुर्ग, जो कि राष्ट्रकूट वंश के संस्थापक और इस वंश के प्रथम शासक थे, के शासन काल में राष्ट्रकूटों की राजधानी एलोरा की गुफाओं के आसपास विद्यमान थी। बाद में, अमोघवर्ष प्रथम ने मान्यखेत में अपनी राजधानी स्थापित की, जो राष्ट्रकूट साम्राज्य का अंत होने तक राष्ट्रकूटों की राजसी राजधानी रही।

25. (4) प्राचीन काल में असम को प्राग्ज्योतिषपुर और बाद में कामरूप के रूप में जाना जाता था। एक पौराणिक कथा, जिसमें प्रेम के देवता कामदेव के शिव की क्रोधपूर्ण दृष्टि से नष्ट हो जाने के बाद जीवित हो जाने का वर्णन किया गया है, के आधार पर पौराणिक काल के दौरान इसे कामरूप के रूप में जाना जाता था। कामरूप राज्य के संदर्भ में पहला ऐतिहासिक वर्णन समुद्रगुप्त के शिलालेख इलाहाबाद स्तंभ में किया गया है।

26. (2) अजन्ता की गुफाएँ महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में स्थित हैं। ये गुफाएँ चट्टानों को काटकर बनाई गई बौद्ध गुफा स्मारकों से मिलकर बनी हैं। एलोरा की गुफाएँ, विश्व में चट्टानों को काटकर बनाए गए मठ-मन्दिर गुफाओं के सबसे बड़े समूहों में से एक है। ये गुफाएँ भी औरंगाबाद के निकट स्थित हैं। अजन्ता और एलोरा की गुफाएँ महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र में पर्यटकों के आकर्षण के प्रमुख केन्द्रों में से एक हैं।

27. (3) दिलवाड़ा का जैन मन्दिर राजस्थान में माउंट आबू के निकट स्थित है। इन मन्दिरों का निर्माण 11वीं और 13वीं शताब्दी ई. के मध्य सामान्य जैन लोगों द्वारा कराया गया था। ये मन्दिर संगमरमर के अपने रमणीय प्रयोग के कारण पूरे विश्व में प्रसिद्ध हैं। दिलवाड़ा का जैन मन्दिर जैनियों का पवित्र तीर्थस्थल है।

28. (2) कांचीपुरम के कैलाशनाथ मन्दिर (शिव मन्दिर) का निर्माण पल्लव वंश के शासक नरसिम्हावर्मन II (राजसिम्हा) द्वारा 685- 705 ई. में कराया गया था। मन्दिर के अग्र पुरोभाग और गोपुरम (टॉवर) का निर्माण कार्य उसके पुत्र महेन्द्रवर्मन III द्वारा कराया गया था। यह मन्दिर कांचीपुरम की पश्चिमी सीमा में वेगवथी नदी के तट पर स्थित है।

29. (1) कांचीपुरम पल्लव राजवंश की राजधानी थी, जिसने चौथी से नौवीं शताब्दी तक तमिलनाडु के अधिकांश भागों पर शासन किया था। ह्वेनसांग ने इस शहर की यात्रा की थी और इसकी गौरवपूर्ण संस्कृति का वर्णन किया था। सातवाहन के पतन के बाद पल्लव राजवंश दक्षिण भारत के इतिहास में पहला सुप्रसिद्ध राजवंश था।

30. (2) सुल्तान महमूद 997 से लेकर 1030 में अपनी मृत्यु होने तक गजनी साम्राज्य के शासक थे। उन्होंने गजनी को विस्तृत साम्राज्य की समृद्ध राजधानी बनाया, उनके साम्राज्य में आधुनिक अफगानिस्तान, उत्तर- पश्चिमी भारत और ईरान के अधिकांश भाग तथा आधुनिक पाकिस्तान शामिल थे। वह सुल्तान की उपाधि धारण करने वाला प्रथम शासक भी था।

31. (2) ऐहोल अभिलेख चालुक्य राजवंश से संबंधित है। यह अभिलेख चालुक्य शासक पुलकेशिन II, जिन्होंने 610 से 642 ई. तक शासन किया था, के दरबारी कवि रवि कीर्ति द्वारा लिखा गया था। कर्नाटक के ऐहोल के मेगुती मन्दिर में स्थित यह अभिलेख पुलकेशिन II द्वारा हर्षवर्धन की पराजय का वर्णन करता है। यह अभिलेख पल्लवों पर चालुक्यों की विजय का भी वर्णन करता है।

32. (1) मध्य भारत में स्थित यूनेस्को विश्व विरासत स्थल, खजुराहो के मंदिरों को चंदेल वंश के राजपूत शासकों द्वारा बनवाया गया था, जिनका 10वीं से लेकर 13वीं शताब्दी तक मध्य भारत पर शासन था। यहाँ सबसे प्रसिद्ध कंदरिया महादेव का मंदिर है जो 11वीं शताब्दी के शुरुआती वर्षों में निर्मित और शिव को समर्पित है। संभवत: समकालीन लक्ष्मण मंदिर, 954 ई. में राजा धंग द्वारा गुर्जर-प्रतिहार शासकों द्वारा स्वतंत्रता का जश्न मनाने के लिए बनाया गया था।

33. (*) प्रश्न में या तो गलत वर्तनी लिखा है, समुचित रूप से अनुवादित नहीं है या अपूर्ण है।

प्रतिहार वंश के सबसे शक्तिशाली शासक मिहिर भोज (836-885 AD), विष्णु के भक्त थे और उन्होंने आदिवराह (आदित्य के भाग्यशाली प्रमुख वरदान अवतार) की उपाधि धारण की थी, जिसे उन्होंने अपने कुछ सिक्कों पर अंकित भी करवाया था। एक अन्य प्रतिहार शासक नागभट्ट द्वितीय (805-833) जो वत्सराज का पुत्र था ने कन्नौज पर विजय के बाद शाही खिताब- परमभट्टारक, महाराजाधिराज और परमेश्वर की उपाधि धारण की थी।

सर्वश्रेष्ठ विकल्प: (4) नागभट्ट II उपाधि 'परम' के साथ मैच करता है।

34. (4) अग्निकुल से सम्बन्धित चार राजपूत वंश हैं: परिहा, चौहान, सोलंकी और परमार। जैसे समकालीन अभिलेखों के साथ-साथ समकालीन ग्रंथों बलभद्र- विलास और प्रबोध चन्द्रोदय के अनुसार, चंदेल पौराणिक चंद्र वंश (चंद्रवंश) से संबंधित थे।

35. (2) चोल राजवंश का पहला महत्त्वपूर्ण शासक राजराज चोल प्रथम था। अपने शासनकाल के दौरान, चोल शासक दक्षिण भारत से आगे बढ़कर दक्षिण में श्रीलंका से उत्तर में कलिंग तक अपने साम्राज्य का विस्तार किया। राजराज चोल ने कई नौसेना अभियान भी किए जिसके परिणामस्वरूप मालाबार तट के साथ-साथ मालदीव और श्रीलंका पर भी उनका अधिकार हो गया।

36. (1) सेन राजवंश एक राजवंश का नाम था, जिसने 12वीं शताब्दी के मध्य से बंगाल पर पाल वंश के बाद अपना प्रभुत्व स्थापित कर लिया। सेन राजवंश ने बंगाल पर 160 वर्ष राज किया। इस वंश का मूलस्थान कर्नाटक था। इस काल में कई मन्दिर बने।

37. (1) बृहदेश्वर अथवा बृहदीश्वर मन्दिर विश्व के प्रमुख ग्रेनाइट मंदिरों में से एक है। यह मंदिर तमिलनाडु के तंजौर जिले में स्थित प्रसिद्ध हिंदू मंदिर है। तमिल भाषा में इसे बृहदीश्वर के नाम से संबोधित किया जाता है। ग्यारहवीं सदी के आरम्भ में बनाया गया था। यह मंदिर चोल शासकों की महान कला केन्द्र रहा है। यह भव्य मंदिर विश्व धरोहर के रूप में जाना जाता है।

38. (3) कृष्ण तृतीय (939-967 ई.) राष्ट्रकूट वंश के सबसे प्रतापी राजाओं में से एक था। जिसने चोल साम्राज्य पर कई बार सफल आक्रमण किया था। वर्ष 944 के सिद्दलिंगमदम् अभिलेख के अनुसार उसने चोल शासक को पराजित कर कांची और तंजौर को अपने अधिकार में कर लिया था। कृष्ण तृतीय ने उत्तरी अर्कोट जिले में स्थित तक्कोलम के युद्ध में चोलों को निर्णायक रूप से पराजित किया था।

39. (2) ऐहोल (मंदिरों का शहर) चालुक्यों की पहली राजधानी थी और यह व्यापार का केंद्र था जिसे बाद में धार्मिक केंद्रों में विकसित किया गया था जिसके आस-पास बड़ी संख्या में मंदिर थे। चालुक्यों की इस राजधानी को बाद में पुलकेशिन प्रथम के दौरान बादामी में स्थानांतरित की गई थी। बादामी को वातापी के नाम से भी जाना जाता है।

40. (4) पुलकेशिन-I (540-567) वातापी के चालुक्य वंश का पहला शासक था और इस तरह, उसे अपने राजवंश का ''वास्तविक संस्थापक'' कहा जाता है। उसने वर्तमान महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों पर शाासन किया। कर्नाटक पश्चिमी दक्कन में स्थित है। पुलकेशिन ने वातपी शहर की स्थापना की और अश्वमेध यज्ञ करके अपनी संप्रभु स्थिति का दावा किया।

41. (3) मिहिरभोज (836-885 CE) या भोज प्रथम, गुर्जर-प्रतिहार वंश का शासक था। भोज विष्णु के भक्त थे और उन्होंने आदिवराह 'की उपाधि धारण की जो उनके कुछ सिक्कों पर अंकित है।

42. (4) विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना पाल सम्राट धर्मपाल (783 से 820) ने नालंदा में छात्रवृत्ति की गुणवत्ता में गिरावट के कारण की थी। इसे कथित रूप से 1193 के आसपास मुहम्मद बिन बख्तियार खिलजी की सेना द्वारा नष्ट कर दिया गया था।

43. (1) खजुराहो मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में हिंदू मंदिरों और जैन मंदिरों का एक समूह है। वे यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल हैं। मंदिर अपनी नागर शैली की स्थापत्य प्रतीक और उनकी कामुक मूर्तियों के लिए प्रसिद्ध हैं। ज्यादातर खजुराहो मंदिरों का निर्माण 950 से 1050 के बीच चंदेल वंश द्वारा किया गया था।

44. (2) त्रिपुरा की रियासत के अंतिम शासक किरीट बिक्रम किशोर माणिक्य बहादुर देबबर्मा थे, जिन्होंने 1947 से 1949 के बीच अगरतला पर शासन किया, जिसके बाद 9 सितंबर, 1949 को भारत में विलय कर दिया गया, और प्रशासन 15 अक्टूबर 1949 को ले लिया गया। माणिक्य वंश की स्थापना तब की गई जब रत्न (रत्ना माणिक्य) ने 1280 CE में उपाधि धारण की। इससे पहले 1200 ई.पू. से 1280 ईस्वी तक और बाद में वैदिक काल में त्रिपुरा राजवंश था।

45. (3) राजेंद्र चोल I ने गंगास, चालुक्य, चेरस, पलास, पांड्य, कलिंग और अन्य शासकों को पराजित करने के बाद गंगायकोंडा चोल (गंगा को लेने वाले चोल) शीर्षक धारण किया। 1025 में, उसने संग्राम विजयतुंगवर्मन के श्रीविजय साम्राज्य पर आक्रमण किया, उसे कैद कर लिया और उसकी राजधानी कदरम, पन्नई (वर्तमान-सुमात्रा), केदाह (वर्तमान- मलेशिया) और मलायूर (मलाया प्रायद्वीप) पर कब्जा कर लिया।

46. (4) नौवीं शताब्दी से 13वीं शताब्दी तक, चंदेलों ने मध्य भारत पर शासन किया। उनकी पहली राजधानी शहर खजुराहो थी, जिसे बाद में महोत्सव नगर या महोबा में स्थानांतरित कर दिया गया।

47. (3) एलोरा भारत के महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में स्थित एक यूनेस्को विश्व विरासत स्थल है। यह बौद्ध, हिंदू और जैन स्मारकों और कलाकृति की विशेषता, दुनिया में सबसे बड़ी पत्थरों को काट कर बनाई गई मंदिर गुफ़ाओं में से एक है, और यह 600-1000 ई. पू. की है।

48. (1) एलोरा का कैलास मंदिर, महाराष्ट्र के एलोरा गुफाओं में स्थित सबसे बड़े भारतीय रॉक-कट प्राचीन हिंदू मंदिरों में से एक है। इसे आठवीं शताब्दी के राष्ट्रकूट राजा कृष्ण-प्रथम (756-773 ई. पू.) द्वारा बनाया गया था। कैलास मंदिर में कई विशिष्ट वास्तुकला और मूर्तिकला शैलियों का प्रयोग किया गया है।

49. (2) लिंगराज मंदिर भुवनेश्वर का सबसे पुराना और सबसे बड़ा मंदिर माना जाता है।

- 'लिंगराज' शब्द 'लिंगों के राजा' का संकेत देता है, जहाँ 'लिंग' भगवान शिव का रूप है।

- 11 वीं शताब्दी में, लिंगराज मंदिर राजा जजाति केशरी द्वारा बनवाया गया था, जो सोम वंश के थे।
- माना जाता है कि जब राजा ने अपनी राजधानी जयपुर से भुवनेश्वर स्थानांतरित की, तो उन्होंने लिंगराज मंदिर का निर्माण शुरू किया।
- मंदिर को चार भागों में विभाजित किया गया है: गर्भगृह, यज्ञ शाला, भोग मंडप और नाट्य शाला।

50. (3) चोल शिलालेख में विभिन्न प्रकार की भूमि का उल्लेख है:
- ब्रह्मदेय: ये भूमि ब्राह्मणों को भेंट की गई थी। इसलिए कावेरी घाटी और भारत के अन्य दक्षिणी हिस्सों में बहुत सारी ब्राह्मण बस्तियाँ उभर आईं।
- वेल्लनवगाई: गैर-ब्राह्मण किसान स्वामियों की भूमि।
- शालाभोग: यह विद्यालयों के रखरखाव के लिए प्रदत्त भूमि को संदर्भित करता है।
- देवदान, तिरुनामट्टुक्कनी: मंदिरों को उपहार में दी गई भूमि।
- पल्लीच्छंदम: जैन संस्थाओं को दान की गई भूमि।

51. (3) विंध्यशक्ति वेंकट वंश के संस्थापक थे।
- उनका नाम विंध्य देवी के नाम से व्युत्पन्न हुआ है।
- भारतीय शासक वाकाटक राजवंश, जो कि तीसरी शताब्दी ईस्वी के मध्य में मध्य दक्खन में उत्पन्न हुआ था।
- दक्कन के कई समकालीन राजवंशों की तरह वाकाटक वंश ने भी ब्राह्मणवादी मूल का होने का दावा किया।

52. (1) कोलाथुनाडु, भारत में पुर्तगाली आर्माडा के आगमन के दौरान मालाबार तट पर स्थित एक राज्य था।
- वल्लुवनाड भरथपुजा नदी बेसिन में स्थित एक राज्य था जो वर्तमान में दक्षिण भारत के मध्य केरल के अंतर्गत आता है।
- केरल के दक्षिणी भाग में 1103 ई. से लेकर 1750 ई. तक थेक्कुमकूर एक स्वतंत्र राज्य था।

53. (4) महाबलिपुरम में एकाश्म पत्थर से निर्मित पंच रथ संरचनाएँ हैं।
- इनका निर्माण पल्लव राजाओं महेंद्रवर्मन प्रथम और नरसिंहवर्मन प्रथम के शासनकाल के दौरान किया गया था।
- प्रत्येक रथ का नाम महाभारत के पांडवों के नाम पर रखा गया है।

54. (4) पंच रथों को पांडव रथ के रूप में भी जाना जाता है, चेन्नई के पास बंगाल की खाड़ी के कोरोमंडल तट पर स्थित महाबलीपुरम के नौ अखंड मंदिरों में से सबसे उत्कृष्ट वास्तुशिल्प इसी मंदिर का है।
- पत्थर या ग्रेनाइट के एक बड़े खंड से छेनी से एकाश्म चट्टानों को काटकर रथों के आकार वाली पाँच संरचनाएँ बनाई गई हैं जो वास्तुकला के विकास को बढ़ाती हैं। ये पल्लव वंश के शासनकाल के दौरान 7वीं शताब्दी के दौरान निर्मित की गई हैं।
- महान भारतीय महाकाव्य 'महाभारत' के पाँच पांडव भाइयों और उनकी पत्नी द्रौपदी के नाम पर पाँच रथों का नाम 'धर्मराज रथ', 'भीम रथ', 'अर्जुन रथ', 'नकुल, सहदेव रथ' और 'द्रौपदी रथ' रखा गया है।
- हालांकि इन अधूरे और जिन्हें अक्सर गलती से मंदिर के रूप में संदर्भित किया जाता है, अब ये स्मारक परिसर का हिस्सा हैं जिसे यूनेस्को द्वारा 'महाबलीपुरम में स्मारक समूह' के रूप में चिह्नित किया गया है।

55. (3) चोल शिलालेखों के अनुसार, चोल राजाओं ने अपने लोगों को पाँच प्रकार के 'भूमि उपहार' दिए थे:
- वेल्लनवगाई गैर-ब्राह्मण, किसान स्वामियों के लिए भूमि थी;
- ब्रह्मदेय भूमि ब्राह्मणों को भेंट की गई थी;
- शालाभोग एक विद्यालय के रखरखाव के लिए भूमि थी;
- देवदान / तिरुन्नमटुक्कानी मंदिरों को उपहार में दी गई भूमि थी;
- पल्लीचछंदम को जैन संस्थाओं को दान किया गया था।

56. (3) ऐरावतेश्वर मंदिर एक चोल मंदिर है जिसे 12वीं शताब्दी में राजराज चोल -2 द्वारा बनवाया गया था। द्रविड़ियन शैली में निर्मित यह मंदिर तमिलनाडु में तंजावुर जिले के दारासुरम में स्थित है। यह भगवान शिव को समर्पित है। यह तंजावुर में बृहदेश्वर मंदिर और गंगाईकोंडा चोलपुरम में गंगाईकोंडाचोलिस्वरम मंदिर के साथ ही यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल सूची में शामिल है।

57. (1) भुवनेश्वर में लिंगराज मंदिर का निर्माण 11वीं शताब्दी ईस्वी में सोमवंशी शासक जगत (ययाती) केसरी ने करवाया था। ऐसा माना जाता है कि जब राजा ने अपनी राजधानी जयपुर से भुवनेश्वर स्थानांतरित की, तो उन्होंने लिंगराज मंदिर का निर्माण शुरू किया। लिंगराज मंदिर भगवान शिव को समर्पित है।

58. (3) दंतिदुर्ग, जिसे दंतिवर्मन द्वितीय के नाम से भी जाना जाता है, मान्यखेट के राष्ट्रकूट साम्राज्य के संस्थापक थे।
- दंतिदुर्ग का एलोरा रिकॉर्ड बताता है कि उसने 753 में चालुक्यों को हराया तथा राजाधिराज और परमेश्वर की उपाधि धारण की।
- उनकी राजधानी कर्नाटक के गुलबर्गा क्षेत्र में स्थित थी।

TYPE–VI

1. (3) महाराष्ट्र में मुंबई के निकट मुंबई हार्बर में एलिफेंटा द्वीप पर या घारापुरी (शाब्दिक रूप से 'गुफाओं के शहर') में स्थित एलिफेंटा की गुफाएँ तराशी हुई गुफाओं का नेटवर्क हैं। यहाँ हिन्दू और बौद्ध गुफाएँ निर्मित हैं। इसे 1987 में यूनेस्को विश्व विरासत स्थल की सूची में शामिल किया गया था।

2. (2) बिहार की राजधानी पटना के निकट राजगृह (राजगीर) से सात मील की दूरी पर आधुनिक बडगाँव नामक ग्राम से प्राचीन नालंदा के अवशेष मिलते हैं। यहाँ सातवीं शती का जगत प्रसिद्ध विश्वविद्यालय था जिसका वर्णन चीनी यात्रियों- हुएनसांग तथा इत्सिंग-ने विस्तारपूर्वक किया है। ध्यातव्य है कि नालंदा बिहार की स्थापना कुमारगुप्त ने की थी।

3. (3) (iv) हर्यंक वंश-544 ई. पूर्व से 412 ई. पूर्व तक
(ii) शिशुनाग वंश-412-344 ई. पूर्व
(i) नन्द वंश-344 से 324-ई. पूर्व
(iii) मौर्य वंश-ईसा पूर्व 323 से 184 तक

4. (3) बुद्ध की मूर्तियों को अफगानिस्तान में विरूपित किया गया था। दुनिया की सबसे बड़ी बुद्ध मूर्ति (बामियान) में थी। सातवीं शताब्दी में इस्लाम ने बौद्ध ध र्म को अपदस्थ कर दिया था।

5. (3) दिये गए विकल्पों में चार्वाक चिकित्सक नहीं है, जबकि अन्य तीन धनवन्तरी, सुश्रुत और चरक प्राचीन भारत के चिकित्सक थे। चार्वाक अथवा बृहस्पति लोकायत दर्शन के संस्थापक थे। अजित केशकम्बलिन के अक्रियवादी दर्शन में लोकपतन परम्परा की पुष्टि की गयी है।

6. (2) दिये गए विकल्पों में "बौद्ध युग" प्राचीन युग है। अन्य विकल्पों में 'शक युग'; मोहम्मदी युग तथा विक्रमयुग, बौद्ध युग के बाद के है। शक युग या शक संवत: का प्रारम्भ 78 ई. में हुयी। विक्रम युग की शुरूआत 56 ई. में मानी जाती है जिसे विक्रमी संवत भी कहा जाता है। मोहम्मदी युग, ईस्लाम धर्म के प्रवर्तक मोहम्मद साहब के जन्म से माना जाता है। एलोरा में कैलाश मंदिर का निर्माण कृष्ण प्रथम ने करवाया था।

7. (4) महाराष्ट्र प्रान्त के औरंगाबाद जिले में स्थित एलोरा नामक स्थान अपने गुहा-मन्दिरों के लिये प्रसिद्ध है। यहाँ पहाड़ी को काटकर अनेक गुफाएँ बनाई गई हैं जो बौद्ध हिन्दू तथा जैन सम्प्रदायों से सम्बद्ध है। एलोरा में कैलाश मंदिर का निर्माण कृष्ण प्रथम ने करवाया था।

8. (2) प्राचीन भारत के चिकित्सक त्रय के रूप में चरक, सुश्रुत और पतंजलि जाने जाते हैं। चरक प्राचीन भारत में आयुर्वेद आधारित चिकित्सा पद्धति के जनक थे। सुश्रुत प्रमुख शल्यचिकित्सक (महाभारत कालीन) थे। इनकी रचना सुश्रुत संहिता है। पतंजलि योगचिकित्सा पद्धति के जनक तथा व्याकरणाचार्य थे, जिन्होंने महाकाव्य जैसा संस्कृत व्याकरण ग्रंथ लिखा था।

9. (3) | | |
|---|---|
| (a) कविराज मार्ग | 3. अमोघवर्ष |
| (b) आदिपुराण | 4. जिनसेना |
| (c) गणित सारास्मगृह | 1. महावीराचार्य |
| (d) अमोधव्रिथी | 2. शाकटायन |

10. (2)

राजवंश	**संस्थापक**
(a) पल्लव	3. सिंहविष्णु
(b) चालुक्य	4. पुलकेशिन-I
(c) राष्ट्रकूट	1. दंतिदुर्ग
(d) होयसल	2. विष्णुवर्धन

11. (4) श्री पेरम्बदूर तमिलनाडु में स्थित है जो मुख्य रूप से हिन्दू वैष्णव संत रामानुज की जन्मस्थली है। इसके अतिरिक्त यहीं पर पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की मृत्यु बम विस्फोट में हुयी थी।

12. (1) दिये गए विकल्पों में से राँची (झारखंड की राजस्थानी) में कोई बौद्ध स्तूप नहीं स्थित है। अन्य स्थलों :
भरहुत, धर्मेख (सारनाथ) तथा सांची में बौद्ध स्तूप स्थित है।
भरहुत स्तूप : मध्य प्रदेश के सतना जिले में स्थित है इसका निर्माण अशोक ने करवाया था। 1873 में अलेक्जेंडर कनिंघम ने इसकी खोज की थी।
धमेख स्तूप : सारनाथ (उत्तर प्रदेश के वाराणसी) में स्थित है इसकी स्थापना बुद्ध की मृत्यु के पूर्व एक चैत्य (पूजा स्थल) के रूप में हुयी थी।
सांची स्तूप : भोपाल (मध्यप्रदेश) में स्थित है इसकी स्थापना सम्राट अशोक ने करायी थी।

13. (1) बौद्ध धर्म का प्रचार हो जाने के बाद बड़ी संख्या में चीनी यात्री धार्मिक पुस्तकें प्राप्त करने और बौद्ध धर्म से संबंधित पवित्र स्थानों का भम्रण करने के लिए भारत आए। भारत आने वाले चीनी यात्रियों में इत्सिंग (I-tsing), हा-ह्सांग (Ha-Hsien) और ह्वेन-सांग (Hiuen-Tsang) प्रमुख हैं।

14. (1) कुछ स्रोतों के अनुसार, तक्षशिला विश्वविद्यालय विश्व में सबसे प्राचीन विश्वविद्यालय है। स्रोतों के अनुसार इसका निर्माण ईसा पूर्व 10वीं शताब्दी में किया गया था जबकि इसका पतन ईसा पूर्व 5वीं शताब्दी में हुआ था।

15. (2) गणितीय एवं ज्योतिष विषयों पर आधारित पंच सिद्धांतिका (ज्योतिषीय ज्ञान पर आधारित पाँच पुस्तकें) वाराहमिहिर की सर्वाधिक प्रसिद्ध पुस्तक है। यह पूर्व के पाँच ज्योतिषीय प्रणालियों का संक्षिप्त रूप है जिनके नाम हैं- सूर्या, रोमाका, पाउलिसा, वशिष्ठा और पैतामहा।

16. (3) आर. रामशास्त्री ने 1905 में अर्थशास्त्र (Arthashastra) नामक पुस्तक की खोज की थी और इसका प्रकाशन किया था। यह प्राचीन भारत की शासन-कला पर आधारित एक निबंधात्मक पुस्तक है। उन्होंने संस्कृत भाषा में इस पुस्तक के नए संस्करण का संपादन एवं प्रकाशन 1909 में किया था।

17. (1) भारत का राष्ट्रीय चिह्न सम्राट अकबर के कार्यकाल में प्राप्त किया गया था। यह उत्तर प्रदेश में वाराणसी के निकट सारनाथ से लिया गया है जो सिंह की एक प्रतिकृति है। ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी में सम्राट अशोक ने सारनाथ (लॉयन कैपिटल) को अपनी राजधानी के रूप में स्थापित किया था इसी स्थान पर भगवान बुद्ध ने अपना प्रथम शांति और मुक्ति का उपदेश दिया था।

18. (3) पंचतंत्र के लेखक विष्णु शर्मा हैं। यह जीव- जंतुओं से संबंधित गद्य एवं काव्य में लिखित प्राचीन भारतीय लोक कथाओं का संकलन है। इन कहानियों के मूल स्वरूप की रचना संस्कृत में की गई थी। कुछ विद्वानों का मानना है कि इन कहानियों की रचना तीसरी ईसा पूर्व की गई थी।

19. (3) लगभग 800 ईसा पूर्व तक्षशिला विश्वविद्यालय पाकिस्तान के पंजाब प्रान्त के तक्षशिला शहर में स्थित था। यह शिक्षा का एक महान केन्द्र था और कुछ विद्वानों का मानना है कि यह विश्व के प्रारंभिक विश्वविद्यालयों में से एक था। तक्षशिला दक्षिण एशिया और मध्यवर्ती एशिया के धुराग्रीय संयोजन पर स्थित था।

20. (4) केरल में मालाबार तट पर स्थित कोझिकोड शहर 'कालिकट' के नाम से भी जाना जाता है। यह केरल का तीसरा सबसे बड़ा शहर है। प्राचीन काल के दौरान पूर्वी क्षेत्र में मसालों के एक बड़े व्यापारिक केन्द्र के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के कारण इसे ''मसालों के शहर'' की उपाधि प्रदान की गई थी। बाद में यह जमोरिन शासकों की राजधानी बनी।

21. (4) चैतन्य 16वीं सदी में भारत के एक हिन्दू संत एवं समाज सुधारक थे जिन्होंने एक वैष्णव धार्मिक आंदोलन-गौड़िया वैष्णव नामक धार्मिक पंथ की स्थापना की। मिथकों के अनुसार विक्रमादित्य पहली सदी ईसा पूर्व में उज्जैन का एक महान सम्राट था जो अपनी बुद्धि, वीरता एवं उदारता के लिए प्रसिद्ध था।

22. (2) कंबोडिया के अंकोरवाट में स्थित विष्णु मन्दिर का निर्माण खमेर शासक सूर्यवर्मन II द्वारा 12वीं शताब्दी के आरंभ में कराया गया था। अपने निजी मन्दिर और संभावित मकबरे के रूप में, उन्होंने इसका निर्माण खमेर साम्राज्य की राजधानी यशोधरापुरा (वर्तमान में अंकोर) में कराया था। 12वीं शताब्दी के अंत में, यह मन्दिर धीरे-धीरे एक बौद्ध मन्दिर के रूप में रूपान्तरित हो गया।

23. (3) बृहदेश्वर मन्दिर : तमिलनाडु के तंजावुर में स्थित भगवान शिव का मन्दिर है, दिलवाड़ा मन्दिर : राजस्थान के माउंट आबू में स्थित जैन मन्दिर है, लिंगराज मन्दिर : भुवनेश्वर (ओडिशा) में स्थित शिव और विष्णु के रूप, हरिहर का मन्दिर है, स्मारकों का हम्पी समूह : कर्नाटक के बेल्लारी जिले के हम्पी में विजयनगर साम्राज्य के मन्दिर परिसरों का अवशेष है।

24. (4) फाहियान एक चीनी यात्री था जिसने गुप्त शासक चन्द्रगुप्त II के शासन काल के दौरान भारत की यात्रा की थी। उसने वर्ष 399 के दौरान भारत की यात्रा की थी और वर्ष 414 में अपने देश चीन लौटा था। फाहियान बौद्ध धर्म की उत्पत्ति से सम्बन्धित मूल चिन्हों की खोज के विचार से भारत आया था।

25. (1) योग, भारतीय दर्शन के छ: प्रणालियों (दर्शन) में से एक है जिसका प्रतिपादक पतंजलि को माना जाता है। पतंजलि ने अपने 'योग सूत्र' में इसके सम्बन्ध में बताया है। यह योग सूत्र के सिद्धांत और अभ्यास पर 196 भारतीय सूक्तियों (एफोरिज्म) का संग्रह है। हिंदू रूढ़िवादी परंपरा में पतंजलि के योग सूत्र शास्त्रीय योग दर्शन के आधारभूत पाठ हैं।

26. (3) कठोपनिषद् (5वीं शताब्दी ईसा पूर्व की) में नचिकेता और यम (मृत्यु के भगवान) के बीच बातचीत का उल्लेख कथा उपनिषद् के नाम से भी जाना जाता है। इस उपनिषद में स्वयं यम (मृत्यु के देवता) के द्वारा नचिकेता को मनुष्य की आत्मा का शरीर त्याग से संबंधित विवरण उल्लिखित है।

27. (1) मृच्छकटिकम् (द लिटिल क्ले कार्ट) एक संस्कृत नाटक है, जिसे प्राचीन नाटककार शुद्रक द्वारा लिखा गया था। यह नाटक प्राचीन काल के उज्जयिनी में राजा पालका के शासनकाल के दौरान गया है, जो प्रद्योत वंश के अंतिम समय के आस-पास था और ईसा पूर्व पाँचवीं शताब्दी ईसा पूर्व का पहला भाग था। केंद्रीय कहानी एक कुलीन लेकिन दुर्बल युवा ब्राह्मण चारुदत्त की है, जिसे वसंतसेना नामक एक धनी गणिका (वैश्या) से प्यार हो जाता है।

28. (1) मुवेन्देवेलन चोल साम्राज्य के एक प्रमुख सैन्य अधिकारी थे। उन्हें विभिन्न मंदिरों में उनके उदार दान के लिए जाना जाता है, जहाँ उन्हें शासक द्वारा तैनात किया जाता था।

- बलिदान इस प्रकार थे:
- अश्वमेध: प्राचीन भारत के वैदिक धार्मिक संस्कारों में सबसे भव्य, एक राजा का अपनी सर्वोच्चता का उत्सव मनाने के लिए किया जाता था।
- राजसूय: वैदिक धर्म का एक श्रुत अनुष्ठान। यह राजा के अभिषेक से जुड़ा था। इसे राजा की संप्रभुता स्थापित करने के साधन के रूप में निर्धारित किया गया था।
- वाजपेय: राजाओं या ब्राह्मणों द्वारा चढ़ाए गए सोम-बलिदान (अर्पण) के सात रूपों में से एक।

29. (4) 1740 में निर्मित फोडोंग मठ एक बौद्ध मठ है जो सिक्किम में गंगटोक के पास स्थित है। इसकी स्थापना सिक्किम के चौथे राजा चोग्याल ग्युर्मेद नामग्याल ने की थी। यह तिब्बती बौद्ध धर्म के कर्म कग्युपा संप्रदाय से संबंधित है। 4,500 फीट की ऊंचाई पर खड़ा, मठ सिक्किम में काग्युपा संप्रदाय के तीन महत्वपूर्ण मठों में से एक है, अन्य दो प्रसिद्ध मठ रूमटेक और रालंग हैं।

30. (1) प्राग्ज्योतिष एक पौराणिक साम्राज्य है जो कामरूप (असम) से जुड़ा हुआ है।

- इस राज्य का प्रथम उल्लेख रामायण और महाभारत में मिलता है।